Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020 से 2022
अम्बिकापुर, वर्ष 18,अंक - 258 शुक्रवार,22 जुलाई 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

जब तक मन में
काम,क्रोध,मद और लोभ रहता
है,तब तक ज्ञानी और मूर्ख एक
समान होते हैं।
-तुलसीदास-

देश की 15 वीं राष्ट्रपति बनी द्रौपदी मुर्मू

विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने भी दी बधाई

नई दिल्ली, 21 जुलाई 2022। एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है. तीसरे राउंड की गिनती में ही उन्होंने राष्ट्रपति बनने के लिए जरूरी 50 फीसदी वोट पा लिये हैं. उन्होंने विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को बड़े अंतर से हरा दिया है. अभी एक राउंड वोटों की गिनती बची है, लेकिन यह सिर्फ औपचारिकता मात्र है. कुल तीनों राउंड की बात करें तो कुल वोट 3219 थे. इनकी वैल्यू 8,38,839 थी. इसमें से द्रौपदी मुर्मू को 2161 वोट (वैल्यू 5,77,777) मिले. वहीं यशवंत सिन्हा को 1058 वोट (वैल्यू 2,61,062) मिले।

द्रौपदी मुर्मू देश की अगली राष्ट्रपति होंगी। आज सुबह शुरू हुई मतगणना के नतीजे आ गए हैं। जिसमें उन्हें बड़ी जीत हासिल हुई है। हालांकि अभी औपचारिक ऐलान बाकी है। विपक्षी उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के मुकाबले उन्हें दो तिहाई के करीब वोट मिले हैं। देश के पहले आदिवासी नेता के तौर पर राष्ट्रपति बनने के बाद द्रौपदी मुर्मू को बधाई देने वालों का तांता शुरू हो गया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने घर पहुंचकर उन्हें बधाई दी। जानकारी मिल रही है कि कुछ देर में पीएम मोदी उनके घर पहुंचेंगे और बधाई देंगे।

पहले राउंड में ही दो तिहाई से ज्यादा मिले द्रौपदी को वोट

पहले राउंड की गिनती में द्रौपदी मुर्मू को 748 में से 540 वोट मिले थे। इसके अलावा यशवंत सिन्हा को 208 मत हासिल हुए थे। कुल 748 मत पहले राउंड में वैध पाए गए थे, जिनका मूल्य 5 लाख 23 हजार 600 है। इनमें से 540 वोट द्रौपदी मुर्मू को हासिल हुए थे, जिनका मूल्य 3,78,000 है। वहीं यशवंत सिन्हा पहले ही राउंड में बड़े अंतर से पिछड़ गए थे। उन्हें कुल 208 वोट ही मिले थे, जिनका मूल्य 1,45,600 ही आंका गया।

दूसरे राउंड में द्रौपदी मुर्मू की बढ़त और बढ़ी

द्रौपदी मुर्मू की जो बढ़त पहले राउंड में थी, वह दूसरे चरण की मतगणना में और ज्यादा बढ़ गई। दूसरे राउंड की मतगणना तक कुल 1886 वैध मतों की गिनती की गई, जिनमें से 1349 वोट द्रौपदी मुर्मू को हासिल हुए। इसके अलावा यशवंत सिन्हा को मिलने वाले वोटों की संख्या 537 रही। दूसरे चरण की मतगणना तक द्रौपदी मुर्मू के वोटों का मूल्य 4,83,299 था, जबकि यशवंत सिन्हा को मिले वोटों का मूल्य 1,89,876 ही रह गया। इस तरह पहले चरण से ही द्रौपदी मुर्म ने बड़ी बढ़त को कायम रखा।

द्रौपदी मुर्मू को जीत की बधाई देने उनके घर पहुंचे पीएम नरेन्द्र मोदी

द्रौपदी मुर्मू को जीत की बधाई देने उनके घर पहुंचे पीएम मोदी। पीएम मोदी दिल्ली में द्रौपदी मुर्मू के घर पहुंच चुके हैं. यहां उनके साथ बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा भी हैं. दोनों ने मुर्मू को राष्ट्रपति चुनाव जीतने पर बधाई दी.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी द्रौपदी मुर्मू को बधाई दी है. उन्होंने लिखा कि राष्ट्रपति चुनाव में प्रभावी जीत दर्ज करने के लिए श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को बधाई. वे गांव, गरीब, वंचितों के साथ-साथ झुग्गी-झोपड़ियों में भी लोक कल्याण के लिए सक्रिय रहीं हैं.आज वे उनके बीच से निकल कर सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुँची हैं.यह भारतीय लोकतंत्र की ताक़त का प्रमाण है।

संक्षिप्त समाचार

दूध,दही,छाछ पर जीएसटी लगाने पर अखिलेश का तंज

लखनऊ, 21 जुलाई 2022। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को ट्वीट कर कहा कि भाजपा ने जन्माष्टमी से एक महीने पहले दूध, दही और छाछ पर जीएसटी लगाकर कृष्ण भक्तों को चोट दी है. उन्होंने तंज कसा कि क्या अब इनसे जुड़े लोकोक्तियों और मुहावरों पर भी जीएसटी लगेगी.

उन्होंने ट्वीट किया कि जन्माष्टमी के ठीक एक महीने पहले भाजपा सरकार ने दूध, दही, छाछ पर तस्ख़ लगाकर जो चोट कृष्ण भक्तों को दी है, उससे आहत होकर हर एक भोला कृष्ण भक्त पूछ रहा है कि क्या अब दूध का जला, छाछ को भीज दूध का दूधज्दूधो नहाओज्दही जमना जैसे लोकोक्ति-मुहावरों पर भी तस्ख़ देना पड़ेगा?

इस देश के प्रधानमंत्री ने अपने पद से दिया इस्तीफा, क्यों आया ये सियासी भूचाल

इटली, 21 जुलाई 2022। बीते कुछ समय से कई देशों में सियासी संकट की खबरें लगातार आ रही हैं जिसके बाद उन देशों के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति तक बदले जा चुके हैं। श्रीलंका, ब्रिटेन में सियासी भूचाल के बाद अब इटली में भी सियासी संकट आ गया है। इस वजह से प्रधानमंत्री मारियो द्रागी ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राष्ट्रपति से मिलकर उन्हें इस्तीफा सौंपा। इस्तीफा देने से पहले संसद में उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रपति सर्जियो मात्तारेला को इस्तीफा देने जा रहे हैं। वह अपने गठबंधन को संभालने में कामयाब नहीं रहे। राष्ट्रपति ने द्रागी से कहा है कि जब तक चुनाव नहीं होते तब तक वह अंतरिम प्रधानमंत्री के तौर पर कार्य करते रहेंगे।

सोनिया गांधी से ईडी की पूछताछ खत्म,25 जुलाई को फिर पेश होने बुलाया,देश भर में जगह-जगह प्रदर्शन

नई दिल्ली, 21 जुलाई 2022। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गाँधी से श्रष्ठ की पूछताछ खत्म हो गई है। अब सोनिया गाँधी को 25 जुलाई को फिर से पेश होने बुलाया है। सोनिया गांधी की पेशी पर कांग्रेस ने जगह-जगह प्रदर्शन किया जिसमे पुलिस ने कई कांग्रेसियों को गिरफ्तार भी किया है। दिल्ली में श्रष्ठ दफ्तर के पास कांग्रेस के कई शीर्ष नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। दिल्ली में प्रदर्शन करने पर पुलिस ने रायपुर विधायक विकास उपाध्याय और बस्तर सांसद दीपक बैज को गिरफ्तार किया गया है। वहीं सचिन पायलट समेत कई बड़े नेताओं ने भी अपनी गिरफ्तारी दी है। वहीं रायपुर में भी सीएम भूपेश बघेल, पीसीसी चीफ मोहन मरकाम समेत कई नेताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। वहीं कुछ जगह विरोध प्रदर्शन इतना हिंसक हो गया कि प्रदर्शनकारियों ने एक कार को आग के हवाले कर दिया। बेंगलुरु के शांतिनगर में ईडी कार्यालय के सामने युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा कथित तौर पर एक कार में आग लगा दी गई।

मिसाल:डॉक्टर ने गरीबों की मदद के लिए बढ़ाया कदम, सरकार को 600 करोड़ रुपए की संपत्ति की दान

मुरादाबाद, 21 जुलाई 2022। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के एक डॉक्टर अरविंद गोयल ने गरीबों की मदद के लिए अपनी पूरी संपत्ति यूपी सरकार को दान में दे दी है. दान में दी गई पूरी संपत्ति की कीमत करीब 600 करोड़ रुपए है. वह पिछले 50 सालों से काम कर रहे हैं.

पत्रकारों से बात करते हुए डॉ. गोयल ने कहा कि उन्होंने यह फैसला करीब 25 साल पहले लिया था. गोयल ने लॉकडाउन के दौरान मुरादाबाद के 50 गांवों को गोद लेकर लोगों को मुफ्त सुविधाएं मुहैया कराई थीं. उन्होंने राज्य में गरीबों के लिए मुफ्त शिक्षा और बेहतर इलाज की भी व्यवस्था की थी.

उन्हें राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी, पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा देवी पाटिल और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सहित चार बार राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जा चुका है. पत्नी रेणु गोयल के अलावा अरविंद के दो बेटे और एक बेटी है.।

घूसखोर निकला पटवारी

12 हजार रिश्वत लेते लोकायुक्त ने किया गिरफ्तार,इस काम के लिए मांगी थी घूस

उज्जैन, 21 जुलाई 2022। मध्यप्रदेश में सीएम शिवराज मामा का बुलडोजर चलने के बाद भी घूसखोरी पर लगाम नहीं लग रहा है। आए दिन किसी न किसी सरकारी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी घूस लेने की खबरें आती रहती है। इसी कड़ी में आज फिर एक पटवारी रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किए गए।

जानकारी के अनुसार उज्जैन लोकायुक्त पुलिस ने पटवारी नितिन खत्री को 12 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी पटवारी ने आवेदक रविंद्र देशपांडे से 15 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। उन्होंने आवेदक से पत्नी के नाम की जमीन का नामांतरण एवं नपती के लिए रिश्वत मागी थी। पटवारी ने आवेदक से उक्त काम के एवज में 15 हजार रिश्वत मांगी थी किंतु बात 12 हजार रुपए में पक्की हुई थी।

पटवारी के निजी कार्यालय कार्रवाई करते हुए में लोकायुक्त की टीम

आवेदक ने इसकी शिकायत लोकायुक्त पुलिस से की थी। फिर प्लान के मुताबिक पटवारी नितिन खत्री को महाकाल वाणिज्य केंद्र स्थित निजी कार्यालय में ट्रेप किया गया। फरियादी ने लोकायुक्त कार्यालय में 11 जुलाई को शिकायत की थी। लोकायुक्त पुलिस आरोपी पटवारी के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

मूसेवाला हत्या कांड:

पाकिस्तान भागने से पहले एनकाउंटर में जगरूप सिंह रूपा और मनप्रीत सिंह मन्नू ढेर, 5 घंटे चली मुठभेड़ में पंजाब पुलिस ने मार गिराया

अमृतसर, 21 जुलाई 2022। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या में शामिल गैंगस्टर जगरूप सिंह रूपा और मनप्रीत सिंह मन्नू कनाडा में अंडरग्राउंड हो चुके गैंगस्टर गोल्डी बराड़ की सलाह पर सलाह पर भारत-पाकिस्तान इंटरनेशनल बॉर्डर क्रॉस करने की फिराक में सरहदी गांव पहुंचे। दोनों बॉर्डर क्रॉस कर पाते, उससे पहले ही पंजाब पुलिस ने करीब 5 घंटे चले एनकाउंटर में दोनों को मार गिराया।

मूसेवाला की हत्या के बाद उसकी जिम्मेदारी लेने वाले कनाडा में बैठे गैंगस्टर लॉरेंस के करीबी गोल्डी बराड़ की सलाह पर जगरूप सिंह रूपा और मनप्रीत सिंह मन्नू पाकिस्तान बॉर्डर के नजदीक पड़ते अमृतसर के भकना गांव पहुंचे।

विदेश भागने की फिराक में अमृतसर जिले के जिस भकना गांव में एनकाउंटर किया, वह सरहद के करीब है। भारत-पाकिस्तान इंटरनेशनल बॉर्डर वहां से सिर्फ 12 किलोमीटर दूर है। खेतों के जरिये बिना पुलिस की नजर में आए वहां से बॉर्डर के नजदीक पहुंचना मुश्किल काम नहीं था।

पाकिस्तान में बैठा आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा कर रहा था मदद

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पाकिस्तान में बैठा आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा अपने स्लीपर सेल के जरिये दोनों आरोपियों को इंटरनेशनल बॉर्डर क्रॉस कर पाकिस्तान में घुसाने के लिए मदद कर रहा था। फिलहाल पुलिस इस मामले में कुछ भी कहने से बच रही है।

बाप और बेटी का कारनामा:आंखों में मिर्च झोंककर ज्वेलरी शॉप में लूटपाट की घटना

गाजियाबाद, 21 जुलाई 2022। गाजियाबाद के सिहानी गेट इलाके में बुधवार शाम ग्राहक बनकर पिता और बेटी ज्वेलरी शॉप पर जेवर खरीदने पहुंचे. इसी दौरान लड़की ने दुकानदार की आंखों में लाल मिर्च डाल दी और जेवर लूटकर भगाने लगे. हिम्मत दिखाते हुए व्यापारी और उसके कर्मचारी लूटेरे बाप-बेटी से भिड़ गए. इस दौरान लड़की को धर दबोचा. लेकिन पिता जेवर लेकर फरार होने में कामयाब रहा.

लूटपाट की यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है. दरअसल कवि नगर के जे ब्लॉक इलाके में पवन गर्ग श्री महालक्ष्मी ज्वेलर्स के नाम से ज्वेलरी शॉप चलाते हैं. बुधवार शाम 7 बजे वह अपने कर्मचारी अभिषेक के साथ दुकान पर बैठे थे तभी एक शख्स अपनी बेटी के साथ उनकी दुकान पर सोने की चेन और जेवर खरीदने आए. दुकानदार ने जेवर से भरा हुआ डिब्बा खोलकर उनके सामने रख दिया.

कुछ देर जेवर देखने के बाद युवती ने उनके और उनके कर्मचारी की आंखों में ढेर सारा मिर्ची पाउडर दिया और दोनों चेन लूटकर भागने लगे. आंखों में जलन मचने के बाद भी व्यापारी ने हिम्मत दिखाई और युवत को पकड़ लिया. लेकिन उसका पिता फरार होने में कामयाब रहा. पुलिस का कहना है कि आरोपी लड़की के पिता का नाम अशोक है मुजफ्फरनगर का रहने वाला है. पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

फिरोजाबाद में रोंगटे खड़े कर देने वाला हादसा, डम्पर की टक्कर से महिला की मौत,दुर्घटना में फटे पेट से बच्ची ने लिया जन्म

लखनऊ 21 जुलाई 2022। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। जहां गर्भवती अपने पति के साथ बाइक में जा रही एक गर्भवती को डंपर ने कुचल दिया और उसकी मौत गई। इसे भगवान का ही करिश्मा कहेंगे कि इस हादसे में उसकी कोख में पल रहा बच्चा पेट फट जाने के कारण दूर गिर गया और वह बच गया। बताया जा रहा है कि बच्चा सुरक्षित है और अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है, जबकि दुखद ये है कि इस हादसे में उसकी मां का निधन हो गया।

जानकारी के मुताबिक आगरा के धनौली गांव की रहने वाली कामिनी अपने पति रामू के साथ बाइक से अपने मायके आ रही थी और वह आठ महीने की गर्भवती थी। महिला का नगला मुरली कोटला में मायका है और बड्डी के पास रामू की बाइक की टक्कर दूसरी बाइक से हुई तो कामिनी बाइक से सड़क पर गिर गई। तभी अचानक सामने से आ रहे बालू से भरे डंपर ने उसे कुचल दिया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई और उसका पेट फट गया, जबकि गर्भ में पल रही नवजात बच्ची बाहर निकलकर दूर जा गिरी, लेकिन उसकी जान बच गई।

कस्बे में भीषण हादसे को देखकर लोगों की रूह कांप उठी और बच्चे को सुरक्षित देख लोग इसे चमत्कार मान रहे हैं। हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और इसकी जानकारी परिजन को दी। पुलिस ने बच्ची को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जबकि मां कामिनी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतका के परिजनों का कहना है कि कामिनी की शादी दो साल पहले हुई थी।

मंकीपॉक्स-कोविड 19 के बीच नई आफत बनकर पहुंचा दुनिया का सबसे खतरनाक वायरस मारबुर्ग,न कोई दवा न टीका,जानें लक्षण और बचाव

नई दिल्ली/बेलग्रेड, 21 जुलाई 2022। दुनियाभर में कोरोना के बाद कई देशों में मंकीपॉक्स के मरीज मिल रहे हैं। भारत के केरला में भी मंकीपॉक्स के दो मरीजों की पुष्टि हो चुकी है।

इस बीच इंसानों में दुनिया का सबसे खतरनाक वायरस मारबुर्ग के मिलने से वैज्ञानियों की चिंता और बढ़ा दी है। हालांकि कि इस वायरस के मामले अभी कुछ अफीक्री देशों में ही आए हैं। रक्तस्रावी बुखार संबंधी मारबुर्ग को दुनिया का सबसे खतरनाक वायरस माना जाता है।

80 फीसदी से अधिक है मृत्यु दर

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, अब तक सामने आए मामलों के आधार पर मारबुर्ग से होने वाली मृत्यु दर 80 फीसदी से अधिक है। घाना से पहले सितंबर 2021 में गिनी में वायरस का एक मामला सामने आया था। कॉन्गो, दक्षिण अफ्रीका व युगांडा में भी मारबुर्ग के मामले सामने आ चुके हैं।

लक्षण

वायरस से लड़ने के लिए फिलहाल कोई दवा या टीका नहीं बना है। वैज्ञानिकों के मुताबिक मारबुर्ग, इबोला जितना खतरनाक है। इससे संक्रमित होने पर इंसान को तेज बुखार, डायरिया, उल्टी और सिरदर्द होने लगता है।

ऐसे हुआ नामकरण

1967 में सबसे पहले इस वायरस का पता जर्मनी के मारबुर्ग शहर में चला। उसी आधार पर इसे मारबुर्ग कहा गया। अफ्रीका से लाए गए कुछ ग्रीन बंदरों से यह वायरस शहर में फैला। कुछ ही समय में यह जर्मन शहर फ्रैंकफर्ट और बेलग्रेड पहुंच गया। साल 1988 से अब तक इस वायरस से पीड़ित अधिकांश रोगियों की मौत हो गई।

चमगादड़ों व अन्य जानवरों से पहुंचा इंसानों तक

इस संक्रमण पर लगातार अध्ययन कर रहे वैज्ञानिकों का कहना है कि मारबुर्ग वायरस चमगादड़ों समेत अन्य जानवरों से इंसान में फैल सकता है। इसके बाद लार या छींक से बाकी लोगों तक पहुंच सकता है।

टोल प्लाजा से जा टकराई एंबुलेंस,हादसे में एंबुलेंस सवार तीन लोगों की मौत

बेंगलुरु 21 जुलाई 2022। कर्नाटक के उडुपी जिले के कुंडापुर तालुक इलाके में टोल प्लाजा में तेज रफ्तार एंबुलेंस के पलटने से उसमें सवार तीन लोगों की मौत हो गई. 20 जुलाई की शाम को घटित घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. एंबुलेंस होन्नावेर से मरीज लेकर कुंडापुर जा रही थी. इस दौरान गाड़ी के ड्राइवर के नियंत्रण खोने के साथ टोल प्लाजा से जा टकराई. हादसे में एंबुलेंस में सवार तीन लोगों की मौत होने की खबर है. पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है, जिसमें देखा जा सकता है कि किस तरह से टोल प्लाजा के कर्मी तेज रफ्तार एंबुलेंस को देखकर बैरियर को हटाने के लिए दौड़ रहे हैं, वहीं रास्ते में एक गाय भी बैठी नजर आ रही है. हादसा कितनी भयानक था इस बात का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि एंबुलेंस के पलटते ही उसमें सवार मरीज गाड़ी के बाहर आगे चलकर पलट जाती है. इसमें एंबुलेंस में मौजूद सवार गाड़ी से बाहर फेंका जाता है. वहीं गाड़ी का विंडशील्ड भी निकल जाता है, जिसमें से ड्राइवर बाहर फेंका जाता है. ट्विटर पर वीडियो देखकर तर्क दिया जा रहा है कि शायद एंबुलेंस का ब्रेक फेल हो गया था, वहीं दूसरे यूजर देरी से टोल खोलने के लिए टोल कर्मियों को दोषी ठहरा रहे हैं, तो कुछ लोग टोल में बैठी गाय को एक्सीडेंट की वजह बता रहे हैं।

संपादकीय

भारत की आबादी, और भविष्य

इस सदी के मध्य तक दुनिया की कामकाजी आबादी- यानी 15 से 59 वर्ष उम्र वर्ग के लोगों का 20 फीसदी हिस्सा भारत में होगा। पर ये करेंगे क्या?

संयुक्त राष्ट्र ने औपचारिक रूप से एलान कर दिया है कि अगले वर्ष यानी 2023 में भारत दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। पहले अनुमान 2028 में ऐसा होने का था। लेकिन चीन की आबादी पहले के अनुमान की तुलना में ज्यादा तेजी से गिरी। इसलिए अब साल भर बाद ही भारत को सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश का खिताब मिल जाएगा। अब प्रश्न है कि क्या यह खिताब ऐसा है, जो भारत के लिए नई संभावनाएं खोलेगा? या यह एक ऐसी जिम्मेदारी है, जिसे हमारे नीति निर्माताओं ने ठीक से नहीं निभाया, तो ये तथ्य इस देश और यहां के लोगों के लिए एक बड़ी चुनौती बन जाएगा? सामान्य सिद्धांत यह है कि आबादी अगर उत्पादक क्षमता से लैस हो, तो वह किसी देश या समाज के विकास और समृद्धि का पहलू बनती है। लेकिन शिक्षा, ज्ञान, तकनीक और बड़े सपनों से वंचित आबादी असल में संसाधनों पर ऐसा बोझ बनती है, जिससे संबंधित देश का ताना-बना चरमरा सकता है।

बताया गया है कि इस सदी के मध्य तक दुनिया की कामकाजी आबादी- यानी 15 से 59 वर्ष उम्र वर्ग के लोगों का 20 फीसदी हिस्सा भारत में होगा। अगर यह हिस्सा आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी की मांग के अनुरूप क्षमता रखे, तो अगले तीन से छह दशकों तक भारत ऐसा देश होगा, जिसके बिना दुनिया अपनी प्रगति की कल्पना नहीं कर पाएगी। लेकिन चिंताजनक पहलू हमारे यहां दिख रहे ट्रेंड हैं। मसलन, हमारी श्रम शक्ति से महिलाएं बाहर होती जा रही हैं। इस उलटे रुझान के कारण लगभग तीन चौथाई महिलाएं आज उत्पादक कार्यों से बाहर हो गई हैं। उधर शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में ऐसा लगता है कि आधुनिक ज्ञान और विवेक के खिलाफ एक सुनियोजित युद्ध छेड़ दिया गया है। ऐसे में जो बच्चे या नौजवान आगे चल कर कामकाजी उम्र वर्ग का हिस्सा बनेंगे, उनसे उद्योग और तकनीक जगत क्या उम्मीद जोड़ सकेगा? इन सवालों पर तुरंत राष्टीय बहस की जरूरत है। लेकिन निराशाजनक स्थिति यह है कि ऐसी बहस की कोई संभावना नजर नहीं आती। उस हाल में आबादी से जुड़ी संभावनाएं आखिर कैसे साकार हो सकेंगी?

कितनी महत्वपूर्ण है भारत के लिए एस-400 डील?

–योगेश कुमार गोयल–
नजफगढ़, नई दिल्ली

पिछले सप्ताह अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने भारत को रूस से एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदने के लिए काटसा प्रतिबंधों से खास छूट दिलाने वाले एक संशोधित विधेयक को पारित कर दिया, जिसके बाद भारत अब रूस से बिना किसी रोक-टोक के एस-400 मिसाइल सिस्टम खरीद सकेगा। दरअसल 2017 में बने अमेरिकी कानून 'काटसा' के अनुसार यदि रूस, उत्तरी कोरिया अथवा ईरान के साथ कोई भी देश रक्षा या जासूसी संबंधी कोई डील करता है तो उसे अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना करना होगा लेकिन भारत को इससे छूट दिया जाना निश्चित रूप से भारतीय कूटनीति की बड़ी सफलता है। वैसे भारत इस मामले में सख्त रूख अपनाते हुए सदैव यही कहता आया है कि रूस से इस महत्वपूर्ण रक्षा सौदे को लेकर वह किसी भी तरह के बाहरी दबाव में नहीं आएगा और रक्षा खरीद में राष्टीय सुरक्षा हितों को प्राथमिकता दी जाएगी। अब प्रश्न यह है कि भारत के लिए रूस से एस-400 की यह डील आखिर इतनी महत्वपूर्ण क्यों है? दरअसल चीन, पाकिस्तान तथा अन्य दुश्मन पड़ोसी देशों से निपटने के लिए भारत को इस रक्षा प्रणाली की सख्त जरूरत है। एस-400 प्रणाली को भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल करने के लिए रूस के साथ महत्वपूर्ण करार होने के बाद तत्कालीन वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल बीएस धनोआ ने कहा था कि एस-400 तथा राफेल विमान वायुसेना के लिए 'बूस्टर खुराक' होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच 2018 में हुई शिखर बैठक के दौरान भारतीय वायुसेना को ताकत प्रदान करने के लिए करीब 5.43 अरब डॉलर में एस-400 एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल रक्षा प्रणाली की पांच इकाईयां खरीदने का करार हुआ था। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक एस-400 के वायुसेना में शामिल होने के बाद भारत जमीन की लड़ाई भी आसमान से ही लड़ने में सक्षम हो जाएगा। मल्टीफंक्शन रडार से लैस दुश्मन की बर्बादी का ब्रह्मास्त्र मानी जाने वाली एस-400 दुनियाभर में सर्वाधिक उन्नत मिसाइल रक्षा प्रणालियों में से एक है, जो रूसी सेना में 2007 में सम्मिलित हुई थी। यह ऐसी प्रणाली है, जिसके रडार में आने के बाद दुश्मन का बच पाना असंभव हो जाता है। इसके हमले के सामने भागना तो दूर, संभलना भी मुश्किल होता है। कुछ रक्षा विशेषज्ञ इसे जमीन पर तैनात ऐसी आर्मी भी कहते हैं, जो पलक झपकते ही सैकड़ों फीट ऊपर आसमान में ही दुश्मनों की कब्र बना सकती है। यह एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम तीन तरह की अलग-अलग मिसाइल दाग सकता है और इसे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी आसानी से पहुंचाया जा सकता है। यही नहीं, नौसेना के मोबाइल प्लेटफॉर्म से भी इसे दागा जा सकता है।

चीन रूस से यह मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदने वाला पहला देश था। भारत के लिए रूस से यह मिसाइल रक्षा प्रणाली हासिल करना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि देश के लिए सबसे बड़ा खतरा बनते पड़ोसी देश चीन ने रूस से 2014 में ही एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीद ली थी, इसलिए 3488 किलोमीटर लंबी भारत-चीन सीमा की सुरक्षा के मद्देनजर एस-400 रक्षा प्रणाली हासिल करना और अपनी रक्षा प्रणाली को मजबूत करते हुए वायुसेना की ताकत बढ़ाना भारत के लिए बेहद जरूरी हो गया है। यह प्रणाली जमीन से मिसाइल दागकर हवा में ही दुश्मन की ओर से आ रही मिसाइलों को नष्ट करने में सक्षम है। यह एक साथ 36 लक्ष्यों और दो लॉन्चरों से आने वाली मिसाइलों पर निशाना साध सकती है और 17 हजार किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से 30 किलोमीटर की ऊंचाई तक अपने लक्ष्य पर हमला कर सकती है। एस-400 में मिसाइल दागने की क्षमता पहले से ढ़ाई गुना ज्यादा है। यह कम दूरी से लेकर लंबी दूरी तक मंडरा रहे किसी भी एरियल टारगेट को पलक झपकते ही हवा में ही नष्ट कर सकती है। यह मिसाइल प्रणाली पहले अपने टारगेट को स्पॉट कर उसे पहचानती है, उसके बाद मिसाइल सिस्टम उसे मॉनीटर करना शुरू कर देता है और उसकी लोकेशन ट्रैक करता है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक इस मिसाइल प्रणाली को अगर आसमान में फुटबॉल के आकार की भी कोई चीज मंडराती हुई दिखाई दे तो यह उसे भी डिटेक्ट कर नष्ट कर सकती है।

एस-400 रक्षा प्रणाली को केवल पांच मिनट में ही युद्ध के लिए तैयार किया जा सकता है। 600 किलोमीटर की दूरी तक निगरानी करने की क्षमता से लैस एस-400 की मदद से भारत के लिए पाकिस्तान के चप्पे-चप्पे पर नजर रखना भी संभव हो सकेगा। यह किसी भी प्रकार के विमान, ड्रोन, बैलिस्टिक व क्रूज मिसाइल तथा जमीनी ठिकानों को 400 किलोमीटर की दूरी तक ध्वस्त करने में सक्षम है। इसके जरिये भारतीय वायुसेना देश के लिए खतरा बनने वाली मिसाइलों की पहचान कर उन्हें हवा में ही नष्ट कर सकेगी। भारत की रक्षा जरूरतों की बात करें तो भारत दुनिया के सबसे बड़े हथियार खरीदार देशों में से एक है, जो हथियार और रक्षा उपकरण सबसे ज्यादा रूस से ही खरीदता रहा है। कभी भारत की करीब 80 फीसदी रक्षा जरूरतें रूस से ही पूरी होती थी किन्तु वक्त की मांग के अनुरूप भारत ने अमेरिका, फ्रांस और इजरायल के साथ भी कई बड़े रक्षा समझौते किए लेकिन फिर भी करीब 58 फीसदी रक्षा सौदे भारत आज भी रूस के साथ ही करता है। अगर 2013 से 2017 के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि दुनियाभर में हथियारों का करीब 12 फीसदी आयात भारत में ही हुआ, जो अन्य देशों के मुकाबले सर्वाधिक था। वैसे हथियारों के उत्पादन की भारत की 'मेक इन इंडिया' मुहिम में भी रूस भारत का बहुत बड़ा मददगार साबित हो रहा है। मेक इन इंडिया सैन्य प्रोजेक्ट के तहत रूस के पास 12 अरब डॉलर की परियोजनाएं हैं। इसके अलावा सैन्य विशेषज्ञों के मुताबिक करीब 25 अरब डॉलर के हथियारों की खरीद और होने के आसार हैं। बहरहाल, रूस से एस-400 की आपूर्ति की राह में जिन अमेरिकी प्रतिबंधों के भारत पर थोपे जाने की आशंका लंबे समय से मंडरा रही थी, भारत के कड़े रूख और सफल विदेश नीति के चलते उस बाधा का दूर होना निश्चित रूप से भारत के लिए राहत की बड़ी बात है।

क्या पाकिस्तान फिर टूट जाएगा?

बीते दिनों श्रीलंका के दिवालिया होने के बाद विश्व विरादरी को पाकिस्तान के दिवालिया होने की चिंता सताने लगी हैं।अभी विश्व कोरोना महामारी से उबरा भी नही था कि तमाम देश आर्थिक मंदी व भीषण महंगाई का सामना कर रहें हैं।पहले से खस्ता हाल पाकिस्तान के लिए यह समय बहुत मुश्किल भरा हैं, हाल ही में इमरान सरकार को गिराकर सत्ता में आये शाहबाज शरीफ के लिए बिकल्प बहुत सीमित हैं।पाकिस्तानी सरकार ने आईएमएफ से 60 बिलियन डॉलर की थी जिसको आईएमएफ ने मना कर दिया।अब आईएमएफ अगर पाकिस्तान की मदद भी करता हैं तो पाकिस्तान को चीन से पैसा न लेने की शर्त माननी होगी।बीते दिनों पाकिस्तानी सेना के एक अफसर को बलोचिस्तान से अगवाकर उनकी हत्या कर दी जाती हैं ,हत्या की जिम्मेदारी बलोच लिबरेशन आर्मी ने ली हैं।दुनिया जानती हैं कि पाकिस्तान ने बंदूक के दम पर बलोचिस्तान पर कब्जा कर रखा हैं।बलोचिस्तान सरकार की निर्वासित प्रधानमंत्री नायला कादरी ने एक कार्यक्रम में जयपुर में बोलते हुए कहा कि बलोचो का जीना अब पाकिस्तानी सेना ने मुश्किल कर दिया है।और और नवजवानों को अगवाकर या तो हत्या कर दी जा रही हैं या फिर गायब कर दिया जा रहा हैं।नायला कहती हैं कि 15 साल में 2लाख बलोच शहीद हुए हैं,व 50 हजार गायब हैं।डेनमार्क के एक सामाजिक कार्यकर्ता जिनको बहुत दिनों तक पाकिस्तानी हिरासत में रखा गया व यातनाएं दी गई बताते हैं कि बलोच महिलाओं के शरीर मे ड्रिल मशीन से छेद किया जाता हैं यातना इस दर्जे की हैं कि जल्लाद को भी शर्म जाए।अनैतिक पाकिस्तान जब से वजूद में आया हैं तब से अपने पड़ोसियों के लिए तो नासूर बना ही हैं साथ ही वह अपने नागरिकों के हुक़ूक़ को भी रौंद रहा हैं।अगर पाकिस्तान दिवालिया होता हैं। जिसके बहुत ज्यादा आसार हैं, तो पाकिस्तान से अलहदगी की तहरीकें और जोर पकड़ेगी।1970 से लगातार गृहयुद्ध झेल रहा बलोचिस्तान ,अकेला नही हैं पाकिस्तान के 3 जिले पंजाब,पस्तो,सिंधु इन जगहों पर दबी ही सही आग सुलग रही हैं।परमाणु सम्पन्न राष्ट का इस हालत में होना पड़ोसियों के लिए निश्चित ही चिंता का विषय हैं।जिन शर्तो के साथ आईयमएफ ने 7 बिलियन डॉलर देने के लिए हामी भरी हैं उसका पाकिस्तान के सरकार पर विपरीत असर पड़ने वाला हैं।राहत पैकेज से फौरी राहत तो मिलती दिखती हैं ,पर भविष्य में विदेशी निवेश न आने से संकट बना रह सकता हैं।पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार हिचकोले खा रहा हैं।पाकिस्तान के लिए अब चीनी मदद लेना भी आसान नही रहेगा।डेढ़ महीने के अंदर पाकिस्तान में पेट्रोल 110 रुपये महंगा हुआ हैं।पाकिस्तानी जनता के पास महंगाई से त्रस्त होने के अलावा कोई विकल्प नही।बढ़ती महंगाई अस्थिर, अफगानिस्तान, बेरोजगारी ने पाकिस्तान में जातीय संघर्ष को जन्म दिया हैं।ताज़ा मामला पसतूनों व सिंधियों का संघर्ष हैं।राजनीतिक अस्थिरता के चलते पाकिस्तान आने वाले दिनों में कई आज़ादी की तहरीक़ों का सामना करेगा।पाकिस्तान के अस्थिर व असफल देश होने से मलबा भारत पर भी आएगा इसलिए भारतीय नीति नियंताओं को अपने चक्षु पाकिस्तान के मामले में तो खोलकर ही रखना होगा।उधर पदच्युत प्रधानमंत्री इमरान खान अलग आंदोलन की धमकी दे रहे हैं।दुनिया के लिए आतंकवाद निर्यात करने वाला पाकिस्तान आज खुद समर्पण की मुद्रा में खड़ा हैं।पाकिस्तान से अलग हुए बंगला देश ने आज विश्व मानचित्र पर जिस तरह अपने आपको स्थापित किया हैं वो पाकिस्तान के लिए सीखने वाली बात हैं।पाकिस्तानी सरकार संकट में आये ऐसा पाकिस्तान में बहुत से लोग चाहते हैं।सेना कभी भी पाकिस्तान में मजबूत सरकार नही चाहेगी।अब बलोचों, पसतूनों, सिंधियों की आज़ादी की लड़ाई जोर पकड़ने के आसार हैं।जिस तरह से बलोचियों,व अफगानियों का भारत के प्रति प्यार हैं उसी तरह भारतीयों का दिल भी इनके लिए धड़कता हैं।हाल में विश्व मे बढ़े भारत के प्रभाव का फायदा कम से कम बलोचियों को तो मिलना ही चाहिए।परोक्ष न सही अपरोक्ष ही भारत को बलोचियों की मदद के लिए आगे आना चाहिए।

–अशोक मिश्रा–

जीवन की कटुता

प्रीति चौधरी मनोरमा
बुलंदशहर उत्तरप्रदेश

जीवन की कटुता में कोई
नित्य ही जैसे रस घोले।
नयनों की भाषा पढ़ लेता
भावों से उर- पट खोले।
हृदय नित्य बंध जाता है
उसके व्यक्तित्व सम्मोहन से
उर को जीत लिया उसने
आदरसूचक संबोधन से।
अनुरागी है मन मेरा
उसकी ही बातें करता है।
कैसे मन के लगाव को
शब्दों से कोई भी तोले।
जीवन की कटुता में कोई
नित्य ही जैसे रस घोले...
प्रेम सुगंध एहसास सा
रहता सदा ही मौन है।
जो प्रेम पाश से बच जाए
ऐसा इस जग में कौन है।
प्रेम अलकनंदा का जल
पावन पीयूष अमरत्व है।
इसकी पवित्र रस धार से
मन चाहे तन को अब धोले।
जीवन की कटुता में कोई
नित्य ही जैसे रस घोले...
मन की गूढ़ भावना को
कागज पर सहज उतार दिया।
आस्था के सुर्ख प्रसूनों को
प्रियवर चरणों में वार दिया।
सुख-दुःख में साथ निभाने का
हुआ है मूक अनुबंध कोई।
बरसा है प्रीति का यह सावन
बिन गरजे और बिन बोले।
जीवन की कटुता में कोई
नित्य ही जैसे रस घोले...
दूर रहकर भी वो ही
मेरे अंतर में विराजमान।
उसके प्रेम के दीपों से
मेरे भू-अंबर दीप्तिमान।
मीत, सखा,साथी हमराही
मित्र वही है जीवन का।
प्रिय का अद्भुद रूप देख
अंतर्मन पवन बनकर डोले ।
जीवन की कटुता में कोई
नित्य ही जैसे रस घोले...

बेदाग जगह

टीकेश्वर सिन्हा
गब्दीवाला
बालोद छत्तीसगढ़

परसों उस दरखत से उड़कर
एक परिंदा आया
मंदिर के कलश पर बैठा
बीट कर दिया उसने
उड़ने से पहले,कल
उस खम्भे से उड़कर
एक दूसरा परिंदा आया
मस्जिद के गुम्बद पर बैठा
बीट कर दिया उसने भी
उड़ने से पहले,लेकिन आज
मैंने देखा, तुमने देखा
और सबने देखा
उन परिंदों के बीट का दाग
न तो कलश पर था;
और न ही गुम्बद पर।

ज्ञान बटोरिए पर उससे पहले थोड़ा टटोलिए!

लंबे समय से टेलीविजन पर ऐसा कोई विज्ञापन नहीं आया था, जिसकी चर्चा हो या जिसके मुहावरे लोगों की जुबान पर चढ़ जाएं। कुछ विज्ञापनों का धार्मिक व सांस्कृतिक कारणों से विरोध जरूर हुआ लेकिन कोई विज्ञापन ऐसा नहीं आया था, जो समाज की किसी भी हकीकत पर उंगली रखता हो। यह सूखा दूर हुआ है 'कौन बनेगा करोड़पति' के नए सीजन के विज्ञापन से। नए सीजन के तीन विज्ञापनों ने भारत की मौजूदा समय की सबसे बड़ी समस्याओं पर उंगली रखी है। इस समय भारत की सबसे बड़ी समस्या है, झूठ! और दूसरी समस्या है वैकल्पिक सच की प्रस्थापना! ये दोनों काम पारंपरिक और सोशल मीडिया के जरिए बहुत व्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है। कुछ लोग किसी खास मकसद से इस काम को अंजाम दे रहे हैं तो कुछ लोग अपनी धार्मिक-सामाजिक आस्था की वजह से इसमें शामिल हैं और कुछ लोग अनजाने में इसका हिस्सा बन रहे हैं। 'कौन बनेगा करोड़पति' के नए सीजन के विज्ञापन में अमिताभ बच्चन इन तीनों किस्म के लोगों को बेनकाब कर रहे हैं।

पहली किस्म उन लोगों की है, जो पारंपरिक मीडिया से जुड़े हैं और जिन लोगों ने दो हजार रुपए के नए नोट में चिप लगी होने की खबर दी थी। एक विज्ञापन में इन लोगों का मजाक उड़ाया गया है। बताया गया है कि आंख मूंद कर टेलीविजन चैनलों की खबरों पर भरोसा करने वालों को कितना नुकसान हो सकता है। दूसरी किस्म उन लोगों की है, जिनके लिए न्यूज का एकमात्र स्रोत व्हाट्सएेप संदेश हैं। उनके पास व्हाट्सएेप पर फॉरवर्ड होकर मैसेज आते हैं और वे उन पर भरोसा करते हैं। उनको पता नहीं होता है कि सोशल मीडिया पर उनकी प्रोफाइलिंग हुई है और जो मैसेज उनको मिल रहा है वह उनकी जाति, धर्म और राजनीतिक रूझान को जानने के बाद डिलीवर किया जा रहा है। अपने विश्वास या अपनी कंडीशनिंग की वजह से वे इस मैसेज को दिल से स्वीकार करते हैं और उस पर भरोसा करते हैं। दूसरे विज्ञापन में ऐसे लोगों पर तंज है, जो सोशल मीडिया के फॉरवर्ड को अंतिम ज्ञान समझते हैं। तीसरी किस्म उन लोगों की है, जो बेवजह हड़बड़ी में हैं और बिना जांचे-समझे खबरों पर यकीन करते हैं और उसे फॉरवर्ड भी करते हैं। 'कौन बनेगा करोड़पति' के तीसरे विज्ञापन में, ऐसे लोगों पर तंज है, जिनको लगता है कि उनके पास समय बहुत कम है और बहुत काम करना है।

तीनों विज्ञापनों की टैगलाइन है कि 'ज्ञान जहां से मिले बटोर लीजिए पर पहले जरा टटोल लीजिए'। यह अच्छी लाइन है। हालांकि यह अलग बात है कि किसी भी सूचना या जानकारी को ज्ञान नहीं कहा जा सकता है। यह भी सही है कि भले 'कौन बनेगा करोड़पति' के निर्माता इसे ज्ञान का कार्यक्रम बताएं लेकिन यह सूचना और जानकारी का कार्यक्रम है। दूसरे, यह एक 'ग्लोरिफायड गैम्बलिंग' की तरह है क्योंकि लोग महीनों, बरसों तक फोन लगाते हैं, तब जाकर उनको इस कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिलता है। शुरू के कुछ सीजन में तो इसमें सिर्फ मध्यम या उच्च वर्ग के पढ़े-लिखे और अमीर लोगों को ही मौका मिला। लेकिन बाद में टीआरपी घटने की वजह से इसका फॉर्मेट बदला गया। निर्माताओं ने सामाजिक सरोकार दिखाए और इसे पिछड़े व वंचित भौगोलिक क्षेत्रों और सामाजिक समूहों के लोगों के सशक्तिकरण का माध्यम बनाया। गैर सरकारी संगठनों की मदद के लिए भी इसके कार्यक्रम हुए। इसके बावजूद यह ज्ञान की बजाय सामान्य ज्ञान का कार्यक्रम ही है। पर ध्यान रहे सामान्य ज्ञान ही ज्ञान की ओर यात्रा की पहली सीढ़ी है। सफर वहीं से शुरू होता है।

'कौन बनेगा करोड़पति' के विज्ञापनों का महत्व दो कारणों से है। पहला कारण तो यह है कि ज्ञान के सफर की पहली सीढ़ी यानी सूचना के माध्यमों को प्रदूषण से बचाने का प्रयास इसमें किया गया है या कम से कम उस खतरे की ओर इशारा किया गया है। मुख्य रूप से सूचना के दो माध्यम हैं- पारंपरिक मीडिया और सोशल मीडिया। इन दोनों पर जिस तरह की सूचनाओं का प्रसार हो रहा है उसके कई खतरे हैं। उससे लोगों में अज्ञानता बढ़ रही है और साथ साथ विभाजनकारी और कट्टरपंथी ताकतों को मदद मिल रही है। अगर इस कार्यक्रम के विज्ञापनों से प्रभावित होकर थोड़े से लोगों ने भी सूचनाओं के स्रोत तलाशने शुरू किए या यकीन करने से पहले उनकी छानबीन की तो देश और समाज का बहुत भला होगा। तीनों विज्ञापनों में प्रत्यक्ष रूप से गलत जानकारी का शिकार हुए लोगों को नसीहत दी गई है लेकिन बहुत बारीकी से उन लोगों पर भी तंज किया गया है, जो इस तरह की सूचनाएं प्रचारित और प्रसारित करते हैं। अगर उन्हें जरा भी शर्म आती है तो इस विज्ञापन का बड़ा मकसद पूरा होगा।

इन विज्ञापनों को महत्वपूर्ण मानने का एक कारण यह है कि मौजूदा समय के दबावों के बावजूद मुख्यधारा की किसी टेलीविजन मीडिया या किसी कंटेंट कंपनी या किसी जाने-माने प्रस्तोता ने सच कहने का जोखिम लिया है। आज के समय की सबसे बड़ी समस्या सच कहने की है। झूठ और वैकल्पिक सच गढ़ने के समय में अगर कोई आईना दिखाता है तो वह बड़ी हिम्मत का काम है। सबको पता है कि कैसे झूठ का प्रचार करने और अफवाहें फैलाने वाले मजे से घूम रहे हैं और उनकी पोल खोलने वाले जेल भेजे जा रहे हैं! जिन्होंने धार्मिक भावनाएं भड़काई उनका बाल भी बांका नहीं हुआ लेकिन जिसने उनकी पोल खोली, वह जेल चला गया। ऐसे मुश्किल समय में लोगों को यह सलाह देना कि वे किसी भी खबर पर यकीन करने से पहले उसकी छानबीन करें अन्यथा उनको नुकसान हो सकता है, बहुत साहस का काम है। 'कौन बनेगा करोड़पति' के निर्माताओं ने, उसका प्रसारण करने वाले सोनी नेटवर्क ने और उसके प्रस्तोता अमिताभ बच्चन ने सचमुच साहस का और जिम्मेदारी का काम किया है। महानायक होने के बावजूद अमिताभ बच्चन कभी व्यवस्था या लोकप्रिय विमर्श से बाहर नहीं जाते थे। उनके फिल्मी किरदार हमेशा व्यवस्था के खिलाफ लड़ते रहे लेकिन वे मोटे तौर पर व्यवस्था के साथ ही रहे। संभवतः पहली बार वे उस बुराई के खिलाफ खड़े हुए हैं, जो देश को मानसिक रूप से दिवालिया बना रही है।

–अजीत द्विवेदी–

स्वतंत्रता कहीं स्वछंदता न बन जाए

भावना ठाकर भावु
बेंगलोर, कर्नाटक

तोल-मोल के बोल मानव वाणी को न व्यर्थ खोल, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को मिश्री में तू घोल

सोशल मीडिया का आविष्कार जब से हुआ है तब से लोगों की ज़ुबान तेज़ाबी होने लगी है। हर कोई किसीको भी तीखे शब्दों का इस्तेमाल करके कुछ भी सुना देते है। यहाँ तक की प्रधान मंत्री देश के सम्मानीय व्यक्ति होते है उनके बारे में भी अनाप-सनाप बोलने से नहीं शर्माते। जैसे फेसबुक, वोटसएप, इंस्टाग्राम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सार्वजनिक मंच बन गया हो।

माना कि लोकतांत्रिक देश भारत सभी नागरिकों को विचार करने का, भाषण देने का और अपने व अन्य व्यक्तियों के विचारों का प्रचार, प्रसार करने का पूरा अधिकार और स्वतंत्रता देता है, अभिव्यक्ति की आज़ादी संविधानिक अधिकार भी है। पर जब अधिकारों का गलत इस्तेमाल हो तब एक सीमा तय करना जरूरी हो जाता है।

अभिव्यक्ति की आजादी भारत के नागरिकों के मौलिक अधिकारों में से एक है। हमारा देश मिली-जुली संस्कृति वाला देश है यहाँ आस्तिक, नास्तिक और आध्यात्मिक सभी को अभिव्यक्ति का अधिकार है। इनके विचारों को सुनना लोकतंत्र का परम कर्तव्य है, अवाम की आवाज़ सुनना देश की शासन व्यवस्था का उतरदायित्व है।

सोच और विचारों का संचार मनुष्य के अधिकारों में सबसे अधिक मूल्यवान है। हर नागरिक स्वतंत्रता के साथ बोल सकता है, लिख सकता है तथा अपने अल्फ़ाज़ों को समाज के सामने रख सकता है। लेकिन इस स्वतंत्रता के दुरुपयोग के लिए भी इंसान खुद ज़िम्मेदार होता है।

आजकल समाज और देश में जो हो रहा है उसे देखकर लगता है कि या तो अभिव्यक्ति की आजादी खतरे में है, या लोगों को अपनी अभिव्यक्ति का ठीक से उपयोग करना नहीं आता। आज शोषक और शोषित दोनों ही पक्ष एक दूसरे पर दोषारोपण कर रहे हैं। दोनों ही असंतुष्ट है। शायद ये आजादी के दुरुपयोग का नतीजा है। इस मुद्दे पर विमर्श बेहद जरूरी है।

स्वतंत्रता जब स्वच्छंदता का रुप ले लेती है तब महसूस होता है कि आज़ादी का दुरुपयोग हो रहा है। आज़ादी का हनन हो रहा है, स्वतंत्रता सीमा लाँघ रही है। फिर चाहे वह नेता हो या जनता, हर कोई मनमानी पर उतर आया है। स्वतंत्रता को अब एक दायरे की जरूरत है, स्वतंत्रता का सीमा रेखा के बाहर जाकर उपयोग करने वालों पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान होना चाहिए। नेताओं को अपने वक्तव्यों में शब्दों पर लगाम कसनी होगी। विपक्षों के गुण-अवगुण पर बहस आज हद पार कर रही है। शोसल मीडिया पर जात-पात और धर्म के नाम पर फैल रही बदी भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दायरा लाँघ रही है। जिसके चलते एक दूसरे के प्रति सौहार्द की भावना लज्जित हो रही है। हर नागरिक को मर्यादा में रहकर अपने विचार, अपनी मांग और अपने अधिकार रखने चाहिए। हर धर्म का सम्मान करना चाहिए तभी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गरिमा बरकरार रहेगी।

जीवन में दुखों का कारण भ्रष्टाचार

किशन सनमुखदास
भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्

जीवन में दुखों का कारण भ्रष्टाचार
लाखों करोड़ों खर्च किए
नहीं हुआ उपचार
परिवार बिखर गया
बस कारण है भ्रष्टाचार
जैसी करनी वैसी भरनी
आदिकाल से सत्य विचार
चकरे खिलाकर बदुआएं
समेटी करके भ्रष्टाचार
परिवार सहित सुखी रहोगे
जब छोड़ोगे भ्रष्टाचार
अब भी सुधर जाओ
मत करो इनकार
ईमानदारी से छोड़ दो भ्रष्टाचार!!!
भारत में अब आ गई है
नवाचारों की बौछार
डिजिटल पारदर्शी
नीतियों से हो गए हो लाचार
चकरे खिलाने का काम
अब छोड़ दो ये औजार
ईमानदारी से छोड़ दो भ्रष्टाचार!!!
धन रहेगा नहीं दुखी
करके निकलेगा यह भ्रष्टाचार
बच्चे को एक्सीडेंट में
खोए कारण था भ्रष्टाचार
ऊपरवाला देख रहा है
नहीं है वह लाचार
बिना आवाज की
लाठी मारी किया था भ्रष्टाचार

भारत की वृहद् जनसंख्या वैश्विक बाजार की ताकत या देश के विकास को चुनौती?

संजीव ठाकुर
रायपुर,
छत्तीसगढ़

भारत की विशाल जनसँख्या आजकल राजनैतिक गलियारों में खासी चर्चा का विषय बनी हुई है7 भारत की बढ़ती जनसंख्या के सन्दर्भ में मशहूर विचारक गार्नर का कहना है कि जनसंख्या किसी भी राज्य के लिए उससे अधिक नहीं होनी चाहिए जितनी साधन संपदा उसके पास है जनसंख्या किसी देश के लिए तब तक वरदान होती है, जब तक वह अपनी सीमा रेखा के पार ना जाए पार जाने के बाद वह धीरे-धीरे अभिशाप का रूप लेने लगती है7 वर्तमान समय में भारत की जनसंख्या चीन के बाद दूसरे नंबर पर है7हमारे सामने अभी जनसंख्या विस्फोट की बड़ी समस्या है पर विगत 20 वर्षो से पूरे विश्व के उपभोक्ता सामानों के उत्पादक कंपनियां इसे बड़ी पोर्टेंशियलिटी यानी बड़ी ताकत मानती है,अभी भारत की जनसँख्या अनुमानित 135 करोड के लगभग है पर हिंदुस्तान में 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 121 करोड़ जनसंख्या निवास करती हैझ यह विश्व की जनसंख्या की 17.4त्न होती है7 स्वतंत्रता प्राप्ति के समय की जनसंख्या 36 करोड़ थी, और आज हम 135 करोड़ से कहीं ऊपर जा चुके हैं 7 आज के उपभोक्तावादी समय में कोई इसे बड़ी समस्या मानने को तैयार नहीं है 7राजनेता वोटो की राजनीती के चलते इस पर मौन साधे बैठे हुए है7इसकी तरफ कोई ध्यान भी देने को राजी नहीं है 7

मशहूर अर्थशास्त्री माल्थस ने कहा है कि जनसंख्या ज्यामितिय अनुपात में आगे बढ़ती है, और उत्पादन अंक गणित के हिसाब से आगे बढ़ता है7 उन्होंने यह कहा है कि जनसंख्या के अत्यधिक बढ़ जाने से उसे महामारी तथा प्राकृतिक विपदा से अपने नियंत्रण में कर लेती है जनसंख्या के संदर्भ में यह बात सही ही उतरती है करोना ने पूरी वैश्विक जनसंख्या को जिस तरह अपने संक्रमण में लिया था, और लाखों लोगों को मौत के घाट उतारा7 ऐसे में अर्थशास्त्री माल्थस की भारत के सन्दर्भ में भविष्यवाणी सच होती दिखाई देती है वैसे तो भारत में जनसंख्या के विस्फोट के कई कारण हैं, जिनमें जन्म मृत्यु का असंतुलन, कम उम्र में विवाह, अत्यधिक निरक्षरता,धार्मिक दृष्टिकोण, निर्धनता मनोरंजन के साधनों की कमी, एवं अंधविश्वास हैं7 पर आज वैश्विक स्थिति में भारत बड़ी उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियों के लिए एक बहुत बड़ा और सशक्त आर्थिक स्थिति पैदा करने वाला बाजार है7 इस बाजार में आधिपत्य जमाने के लिए बड़ी-बड़ी कंपनियां भारत में तेजी से पैर फैलाने की कोशिश कर रही है7 भारत तथा विश्व में होने वाले ब्यूटी कॉन्टेस्ट में भारत की सुंदरियों को विश्व का खीताब जिताने के पीछे उपभोक्तावाद संस्कृति का ही बड़ा हाथ है इसके पीछे सौंदर्य प्रसाधनों को हिंदुस्तान की जनता को ज्यादा से ज्यादा बेचना भी था7 आज हिंदुस्तान की 121 करोड़ जनता को रोजमर्रा के सामान बेचने के लिए देशी विदेशी कंपनियों की होड़ लगी हुई है भारत में सबसे ज्यादा अमेजॉन विदेशी कंपनी द्वारा भारत में ऑनलाइन सामान बेचने का रिकॉर्ड ही बन गया है आज इतनी बड़ी जनसंख्या को अनाज तथा भोजन बनाने के सामान को लेकर विश्व की दो बड़ी कंपनियां आमने-सामने हो गई हैं7 विदेशी कंपनी अमेज़न आक्रामक रूप से भारत में अपनी मौजूदगी तथा अस्तित्व को बनाए रखने के लिए तेजी से प्रयासरत है उसे पूरी आशा है कि वह उभरते हुए मार्केट पर अपना कब्जा बनाए रखेगी7 वहीं दूसरी तरफ भारत की बहुत बड़ी कंपनी रिलायंस भी ई-कॉमर्स मार्केटिंग में घरेलू सामानों को बेचने पर अमादा है7 दोनों बड़ी कंपनियों में आज बहुत बड़े तनाव की स्थिति आ गई है विशेषज्ञों का कहना है कि अमेजॉन के साथ रिलायंस कंपनी का भविष्य कानून की लड़ाई के उपरांत ई-कॉमर्स का भविष्य ही निर्धारित होगा अमेजॉन के संस्थापक जैफ बेजॉस ने अमेजॉन को वैश्विक पैमाने पर रिटेल के धंधे को परिवर्तित करके रख दिया है पर रिलायंस के मालिक मुकेश अंबानी जो कथित रूप से भारत के सबसे अमीर व्यक्ति हैं उनका इतिहास भी किसी भी कानूनी अथवा बाजार की लड़ाई में हारने वालों में नहीं रहा है अब अमेजॉन तथा रिलायंस के सामने मुसीबत खड़ी हो गई है कि दोनों कंपनियों द्वारा भारत की एक भारतीय रिटेल कंपनी फ्यूचर रिटेल ग्रुप के साथ अलग-अलग सौदे किए हैं यदि भारत की रिलायंस कंपनी को फ्यूचर रिटेल ग्रुप से सौदे की मंजूरी मिल जाती है तो रिलायंस कंपनी को रिटेल में उसकी पहुंच भारत के 420 शहरों में अट्ठारह सौ से 2000 हजार स्टोर तक हो जाएगी7 क्योंकि रिलायंस के पास पैसा राजनैतिक ताकतदोनों है,जो कि व्यापार के लिए अति आवश्यक होती7 हालांकि ई-कॉमर्स व्यवसाय में रिलायंस कंपनी को अभी बहुत कुछ हासिल करना है, उस उस क्षेत्र में महारत हासिल नहीं है और यदि अमेजॉन सफल होती है,तो रिलायंस कंपनी को एक बड़ा नुकसान भी झेलना पड़ सकता है ऐसे में यदि आकलन करें तो भारत की ही उपभोक्तावादी निर्माण कंपनियों को जनसंख्या एक वरदान के रूप में दिखाई देने लगी है, जबकि प्रशासन और शासन के लिए जनसंख्या विस्फोट बहुत बड़ा नकारात्मक पहलू होगा, एवं सारी सुविधाएं मुहैया कराना एक बहुत कठिन कार्य भी हो सकता है, और इससे विकास कार्यो में बड़ी बाधा उत्त्पन्न होने शर्तिया संभावना है

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

सरगुजा के इतिहास में रेल मार्ग से पहली बार दिल्ली से बैठकर सीधे अम्बिकापुर के स्टेशन में उतरे यात्री

» दिल्ली से आए सभी यात्रियों का भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने गुलाब का फूल व चॉकलेट भेंटकर किया स्वागत अभिनंदन

» नव परिचालित रेल हमारे लिए विकास के नए स्रोत लेकर आएगी:अनुराग सिंह देव

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,21 जुलाई 2022(घटती-घटना)। 14 जुलाई की वह ऐतिहासिक प्रातः जब सरगुजा अंबिकापुर की धरती से सीधे दिल्ली तक यात्री रेल का शुभारंभ केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव व सरगुजा सांसद रेणुका सिंह के द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया तो पीढ़ियों से इस रेल सेवा के लिए तकती हजार हजार आंखें अनन्य तृप्ति को अनुभव कर रही थी शुभारंभ अवसर पर 500 से अधिक यात्रियों ने यात्रा कर इस साप्ताहिक रेल के चलने की आवश्यकता एवं महत्ता को प्रतिपादित करने में सरगुजा वासियों ने कोई कसर नहीं छोड़ी सप्ताह भर बाद आज 21 जुलाई को नव परिचालित हजरत निजामुद्दीन नई दिल्ली अंबिकापुर ट्रेन क्रमांक 040 44 स्पेशल यात्री ट्रेन जब अंबिकापुर पहुंची तो भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंह देव की उपस्थिति में सैकड़ों भाजपा भाजयुमो कार्यकर्ता पदाधिकारियों ने पधारे यात्रियों एवं रेलवे प्रशासन के कर्मचारी अधिकारियों की अगवानी और स्वागत गुलाब का फूल चॉकलेट भेंट करके की इस यात्री ट्रेन के अंबिकापुर पहुंचने पर यात्रियों के चेहरे पर खुशी स्पष्ट दिख रही थी स्वागत अभिनंदन से यात्री बड़े प्रसन्न हुए साथ ही उन्होंने सरगुजा की सांसद केंद्रीय राज्य मंत्री भारत सरकार द्वारा हजरत निजामुद्दीन स्टेशन पर स्वागत में दिए गए पुष्पगुच्छो को दिखाते हुए कहा कि मंत्री जी ने हमारा स्वागत अभिनंदन और शुभकामनाऐं देकर हम सबको रवाना किया तथा आप सबने पुनः हमारा अभिनंदन और स्वागत किया इसके लिए हम आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद देते हैं यात्रियों के समूह ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव और सरगुजा की सांसद मंत्री रेणुका सिंह का धन्यवाद किया

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंह देव ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव तथा सांसद केंद्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह जी को सरगुजा कोरिया की जनता की ओर से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह ट्रेन हमारे लिए विकास के नए द्वार लेकर आएगा तथा सरगुजा नई दिल्ली के बीच जो दूरी थी अब वह सिमट कर रह गई है जिला उपाध्यक्ष अंबिकेश केसरी ने कहा कि कितना सुखद क्षण होगा जब पहली बार नई दिल्ली स्टेशन में इस ट्रेन का अनाउंसमेंट हुआ होगा जहां अंबिकापुर का नाम दिल्ली में गूंजा होगा हम सभी क्षेत्र की सांसद को धन्यवाद देते हैं उनके अथक प्रयास के कारण यह संभव हो पाया इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष विनोद हर्ष, जन्मेजय मिश्रा, रेलवे श्रमिक यूनियन के क्षेत्रीय अध्यक्ष राज किशोर चौधरी, दीपेंद्र सिंह चौहान, संजीत सिंह, वेद प्रकाश बेदी,नीलेश सिंह,संजय गुप्ता,राजेश सिंह,तजिंदर सिंह बग्गा,मनोज कंसारी,शिवशंकर सिंह,अनुज तिवारी,अंजनी दुबे,संभु सोनी,अतुल रॉय,सुनील बघेल,धर्मेन्द्र जायसवाल,दिवश दुबे, मनीष सिंह,अमित पटेल,छोटेलाल माथुर, दिल्ली से आए चेकिंग स्टाफ में विनोद भगत, विजय शंकर यादव, संगीत, रमेश यादव प्रमुख थे।

विद्यार्थियों को 10-10 व्यक्तियों को साक्षर करने का किया गया आह्वान

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,21 जुलाई 2022(घटती-घटना)। शहर की सेवा भावी बहनों द्वारा शासकीय हाई स्कूल, पुलिस लाइन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी विकास जोशी ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। संयोजिका वन्दना दत्ता ने सेवा किटी के उद्देश्य एव निरन्तर चल रही सेवा कार्यो की जानकारी दी। मुख्य अथिति ब्रम्हकुमारी विद्या बहन ने बच्चों को नैतिक शिक्षा, स्वछता और नशे के दुष्प्रभाव के बारे में वृस्तृत रूप से जानकारी दी। विद्यार्थियों को 10-10 व्यक्तियों को साक्षर करने इस महाअभियान से जुडने के लिए आह्वान किया गया। स्वच्छता पखवाड़े की जानकारी के साथ ही जनशिक्षण संस्था के एम सिद्दीकी ने भारत सरकार के कौशल विकास प्रशिक्षण की जनकारी से अवगत कराया। सर्वशिक्षा से दीपमाला सिंह ने बालिकाओं को व्यक्तिगत स्वच्छता एवं आसपास की स्वच्छता पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन चन्दन पांडेय ने किया। जरूरतमंद बालिकाओं को सेवा किटी समूह से छाता एवं 150 बालिकाओं को सेनेटरी पैड़ का वितरण किया गया। समूह की सदस्य नीलिमा गौयल, गायत्री सुल्तानिया, रेखा इंगोले, मधु चौदह, स्निग्धा मित्रा, च्यती अग्रवल, संजीता स्वर्णकार, ज्योति द्विवेदी, नमिता चावला, श्रद्धा खेरपाण्डे, स्मिता तिवारी ने जरूरतमंद बालिकाओं को शिक्षा के लिए आवश्यकता पडने पर समूह से हर सम्भव सहयोग करने की सहमति दी। आभार प्रदर्शन नेहा तिवारी द्वारा किया गया। विद्यालय परिवार के रंजना जायसवाल, राजेश्वरी निषाद, अलका सेंगर, आर नायर, राकेश पांडेय, संजीव कच्छप, विनोद कुमार पवार, आशा लकड़ा, सीमा कश्यप का योगदान सराहनीय रहा।

कीटनाशक सेवन कर 10वीं की छात्रा ने दी जान

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,21 जुलाई 2022(घटती-घटना)। . स्कूल से घर लौटने के बाद 10वीं की छात्रा कीटनाशक सेवन कर ली थी। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गणेश्वरी पिता देव सिंह उम्र 16 वर्ष प्रेमनगर थाना क्षेत्र की रहने वाली थी। वह पिछ्ले दो वर्ष से अपने बड़े पिता के घर में रहकर 10वीं की कक्षा में पढ़ाई करती थी। 19 जुलाई को ग्राम तारा में वह पढ़ाई करने गई थी। शाम को वापस घर लौटी और खाना बनाने लगी। इसके बाद परिजन ने देखा की वह उल्टी कर रही है। कीटनाशक की गंध आने पर उसे इलाज के लिए उदयपुर अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

कांग्रेस का धरना प्रदर्शन आज

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,21 जुलाई 2022(घटती-घटना)। कांग्रेस नेतृत्व को संवैधानिक संस्थाओं के माध्यम से परेशान किए जाने को लेकर कांग्रेस आज धरना प्रदर्शन करेगी। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हेमन्त सिन्हा ने बताया दोपहर 12 बजे से गांधी चौक में आमसभा के बाद कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्पति को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

जिला स्तरीय योग शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता आयोजित

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,21 जुलाई 2022(घटती-घटना)। शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता अंतर्गत जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यलाय के अभिरुचि केंद्र में आयोजित हुआ। योग प्रतियोगिता मिनी, जूनियर व सीनियर वर्ग के अलग-अलग आयोजित हुआ। सभी चयनित छात्र सम्भाग स्तरीय योग प्रतियोगिता हेतु 23 जुलाई को विश्रामपुर में सम्मिलित होंगे। इस दौरान आनंदधर दीवान, राजेश प्रताप सिंह, कमलेश प्रताप सिंह, हरदीप तिग्गा, बलवन्ति कुजूर, तोमेश्वरी साहू, ब्रिजिट खलखो, कृष्णा एक्का, अभिषेक मिंज, रविशंकर भगत सहित अन्य खेल प्रशिक्षक व प्रतिभागी उपस्थित रहे।

एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज कुंदन व छत्तीसग प्रभारी विशाल चौधरी प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे के अगुवाई में प्रदेश भर से हजारों कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे है

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,21 जुलाई 2022(घटती-घटना)। एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव व निवर्तमान जिला अध्यक्ष हिमांशु जायसवाल भी कार्यकर्ताओ के साथ शामिल हुए उन्होंने कहा देश की मोदी सरकार सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग करते हुए लगातार कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को परेशान करने का प्रयास कर रही है जिसके विरोध में आज एनएसयूआई के राष्ट्रीय नेतृत्व के द्वारा दिल्ली के जनपथ रोड में चक्का जाम किया जिसमें कार्यकर्ताओं को बर्बरतापूर्वक गिरफ्तार कर शाहदरा थाने में लेजाकर गिरफ्तार किया गया जिसके बाद देर शाम रिहाई की गई हिमांशु जायसवाल ने कहा कि मोदी सरकार के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी जब तक ये तानाशाह सरकार इस तरह के कार्य करेगी तो युवा अब सड़को पर प्रदर्शन करते रहेगी इस आंदोलन में बलरामपुर जिला अध्यक्ष अभिषेक सिंह, युवा कांग्रेस पवन साय ,राहुल,निखिल,राजा आदि शामिल हुए

आबकारी विभाग की रेड,काफी मात्रा में मिलावटी शराब बरामद

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,21 जुलाई 2022(घटती-घटना)। आबकारी विभाग की संभागीय उड़नदस्ता टीम ने बतौली शराब की दुकान में छापामार कार्रवाई कर काफी मात्रा में मिलावटी शराब पकड़ी है। उपयोग में लाने के लिए ढक्कन, खाली बोतल, सहित अन्य सामान जब्त किए गए है। टीम ने दो कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। सरगुजा जिले के बतौली स्थित विदेशी मदिरा दुकान से आए दिन मिलावटी शराब की बिक्री की शिकायतें आबकारी विभाग को मिल रही थीं। शिकायत पर संभागीय उडनदस्ता सरगुजा सहायक आयुक्त आबकारी विकास गोस्वामी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग की टीम ने गुरुवार की सुबह 11 बजे शराब दुकान में छापा मारा। टीम को शराब दुकान के पीछे किराए के मकान में करीब 20 बॉटल मिलावटी रॉयल स्टैग व इंपेरियल ब्लू शराब,

ब्रांडेड शराब के हजारों डुप्लीकेट ढक्कन, खाली बॉटल, बिसलेरी वाटर के बॉटल समेत अन्य सामान मिले। किराए के मकान में शराब दुकान के सेल्समैन राजेश गुप्ता व संजय सिंह द्वारा सेटअप बनाया गया था। यहीं से वे दुकान में शराब लाकर ग्राहकों को बेचते थे।

आबकारी विभाग की टीम ने जांच में मिली मिलावटी शराब, हजारों ढक्कन, खाली बॉटल जब्त कर सेल्समैन राजेश गुप्ता व संजय सिंह के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2), 59(क) के तहत कार्रवाई कर जेल भेज दिया गया है। इस मामले में संलिप्त पाए जाने पर अन्य कर्मचारियों के खिलाफ भी जांच कर कार्रवाई की जाएगी। सहायक जिला आबकारी अधिकारी शीला बड़ा, उपनिरीक्षक तेजराम केहरी, प्रधान आरक्षक कुमारू राम खैरवार, रमेश दुबे, अशोक सोनी, रामाधार कुशवाहा समेत अन्य शामिल रहे।

स्नेकमैन सत्यम द्वारा संचालित,मां महामाया पशु पुनर्वास केंद्र का शुभारंभ

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,21 जुलाई 2022(घटती-घटना)। सिंचाई कॉलोनी में स्थित मां महामाया पशु पुनर्वास केंद्र जो की पूरे संभाग के बेजुबान जीवों का आश्रय का केंद्र बना हुआ है कलेक्टर महोदय ने सत्यम को , मां महामाया पशु केंद्र में और अच्छे से विकसित करने में सहयोग करने हेतु आस्वशान दिया है , साथ ही मास्क मैन अजय अग्रवाल जी ने , एनिमल रेस्क्यू वाहन देने की घोसडा की , और पर्षद श्री आलोक दुबे जी एवम विश्व विजय सिंह तोमर और अन्य पार्षदो ने सहयोग की बात कही , आचार्य श्री दिग्विजय सिंह तोमर ने सत्यम को शासकीय नौकरी हेतु कलेक्टर महोदय से मांग की , सरस निशुल्क भोजन , सेवा किटी ग्रुप , अजय अग्रवाल जी ,और 20 से अधिक लोगो को सम्मानित किया गया जो मां महामाया पशु पुनर्वास केंद्र में सहयोग करते आए हैं , मां महामाया पशु पुनर्वास केंद्र , सिंचाई कॉलोनी बंगाली चौक में स्थित है आप किसी भी घायल , विकलांग , असहाय जीव हेतु 9074123714, 8815121271 पर संपर्क कर सकते है

रक्तदान शिविर में 50 लोगों ने किया रक्तदान

-नगर संवाददाता-

उदयपुर ,21 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उदयपुर में महारक्तदान अभियान के तहत बुधवार को रक्तदान शिविर का आयोजन बीएमओ डॉक्टर एआर जयंत के मार्गदर्शन और डॉ दीपक गुप्ता लैब टेक्नीशियन अशोक पुरकैत, रविंद्र सिंह सुनील कुजुर के नेतृत्व में किया गया ।

स्वेच्छा से रक्तदान करने वाले लोगों का बीपी, शुगर, हीमोग्लोबिन ब्लड ग्रुप की जांच तथा अन्य परीक्षण किया गया। परीक्षण करने के बाद विभिन्न विभागों एवं पत्रकार, शारदा महिला मंडल की सदस्यों सहित 50 लोगों द्वारा महारक्तदान अभियान में रक्तदान किया गया।

शिक्षा, पंचायत, राजस्व, वन डाक, पुलिस और बिजली विभाग, के साथ पत्रकार और महिला मंडल के सदस्यों द्वारा रक्तदान किया गया। शारदा महिला मंडल के सदस्यों द्वारा रक्तदान कर रहे लोगों को जूस पिलाया गया।

स्वास्थ्य विभाग के सदस्यों द्वारा रक्त दान किए गए रक्त को संग्रहित कर एक-एक कर ब्लड बैंक कंटेनर में रखा गया। संग्रहित रक्त को अधिकारियों के मार्गदर्शन में मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर में जमा किया गया।

रक्तदान शिविर का जायजा लेने एसडीएम अनिकेत साहू पहुंचे जहां उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान करने की अपील भी किया इस दौरान नायब तहसीलदार रवि भोजवानी तथा काफी संख्या में आरआई एवं पटवारी भी मौके पर उपस्थित रहे।

रक्तदान करने वालों में थाना प्रभारी उदयपुर धीरेंद्र नाथ दुबे भी शामिल रहे। पत्रकारों की ओर से क्रांति कुमार रावत ने रक्तदान किया, इससे पहले भी इनके द्वारा 38 बार रक्तदान किया जा चुका है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कहा ब्लॉक में ऐसी रक्तदान शिविर होने से ब्लड की कमी नहीं होगी और अनेक गंभीर मरीजों की जान समय पर रक्त चढ़ाकर बचाया जा सकता है। चर्चा के दौरान उदयपुर एसडीएम अनिकेत साहू ने रक्तदान के फायदे बताये तथा अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान करने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क दुर्घटना के मरीजों एवं गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीज जिनको रक्त की अत्यंत आवश्यकता रहती है ऐसे मरीजों को तत्काल ब्लड बैंक से ब्लड मिल जाने से उनकी जान बचाई जा सकती है।

रक्तदान करने वालों में राकेश पाथे, पूनम भगत, अनिमेष शुक्ला धनेश्वर राम, संतोष कुमार, मरत सिंह मनीष गोस्वामी, पीतांबर सिंह, कुलदीप सिंह, अरविंद ध्रव, आशीष कुमार, नितेश कुमार, रामानंद शर्मा शिव शंकर अग्रवाल, राकेश धुर्वे, कामेश्वर, शिव भजन, लोकपाल, शिव सिंह, रुपेंद्र, अशोक कुमार गोपाल यादव नवीन कौशलनाथ सत्यम मायाराम धीवर वंदना यादव कौशल यादव देवपति राम रवि क्रांति रावत बेंजामिन तिर्की रवि पटेल रोशन गुप्ता शिव गुप्ता अनुराग शुक्ला धीरेंद्र नाथ दुबे निखिल शर्मा सविता गुप्ता आदित्य सिंह हेमेंद्र पैकरा, नीता भगत सुनीता पटेल सुरेंद्र सुफल तथा अन्य लोग शामिल रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में बीईओ संजीव तिवारी, सीएचसी उदयपुर के डॉक्टर योगेंद्र पैकरा सिस्टर निमिता, प्रीति पैकरा बीपीएम भानेश तथा अन्य स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा

उच्च जोखिम वाले गर्भवती महिलाओं की हो रही है विशेष निगरानी

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,21 जुलाई 2022(घटती-घटना)। कलेक्टर श्री कुंदन कुमार के द्वारा उच्च जोखिम वाली गर्भवती माताओं को उचित स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के निर्देश दिये गये हैं। निर्देश के परिपालन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा उच्च जोखिम वाले गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन विशेष निगरानी रखी जा रही है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 पी.एस. सिसोदिया ने बताया है कि 20 जुलाई 2022 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सीतापुर में ग्राम आरा निवासी 35 वर्षीय महिला जो उच्च जोखिम गर्भावस्था में बच्चे के उल्टा एवं ज्यादा पानी होने से ग्रसित थी। उक्त महिला का सिजेरियन से प्रसव सी-सेक्शन से 3 किलो के स्वस्थ बच्चे का प्रसव कराया गया। वर्तमान में जच्चा एवं बच्चा दोनों पूर्णतः स्वस्थ एवं चिकित्सक के देखरेख में है।

इस सफल सिजेरियन प्रसव में सीतापुर के स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ0 संयोगिता पैकरा, रजनी तिग्गा, मेडिकल कॉलेज सह जिला चिकित्सालय अम्बिकापुर तथा खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ0 अमोश किण्डो का समन्वय रहा।

पिता ने डांटा तो किशोर ने कीटनाशक सेवन कर दी जान

-नगर संवाददाता-

अम्बिकापुर,21 जुलाई 2022(घटती-घटना)। पिता काम करने के लिए बोला तो नाराज किशोर ने कीटनाशक सेवन कर आत्महत्या कर ली। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया था। जानकारी के अनुसार आसुम मिंज पिता महेश मिंज उम्र 16 वर्ष दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम पोड़िपा का रहने वाला था। वह 20 की सुबह घुमने गांव में निकला था। वापस आया तो पिता ने बोला की घुमते रहते हो खेती बोड़ी का दिन है कुछ काम भी कर दिया करो। इसस बद से वह नाराज होकर घर से कहीं चला गया। कुछ देर बाद घर वापस अया तो उल्टी करने लगा और कीटनाशक का गंध आने लगा। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलज अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0-202008021700006
अ-27/2019-20

अंतिम फर्द बंटवारा ईश्तहार प्रकाशन

आवेदक भैरव पिता रघुनाथ व अन्य निवासी ग्राम कुल्हाड़ी,तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा ग्राम कुल्हाड़ी स्थित खसरा नंबर 79/2, 80, 81, 82, 83 कुल रकबा 1.542 हे0 भूमि का आवेदक और अनावेदक दीपनारायण आ0 रघुनाथ,निवासी ग्राम कुल्हाड़ी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के मध्य खाता विभाजन हेतु हल्का पटवारी द्वारा प्रस्तुत फर्द बंटवारा सूची एवं फर्द नक्शा का अंतिम प्रकाशन किया जा रहा है।
अतः उक्त फर्द बंटवारा में किसी को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27/07/2022 दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 06/07/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नायब तहसीलदार, अम्बिकापुर-2

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामधनी आ0 स्व0 बंधन निवासी केशवपुर थाना गांधीनगर तहसील अम्बिकापुर ने कराया है कि आवेदक के (पिता) स्व0 बंधन आ0 स्व0 भोगलू मृत्यु की दिनांक 28/08/2006 को स्थान निवास में हुई है।
आवेदक के मृत्यु उपरांत मृत्यु का पंजीयन नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।
उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 14/07/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार, अम्बिकापुर

CMYK

आईटीसी के शेयर 3 साल में पहली बार 300 रुपये के पार, एक्सपर्ट बोले- अब 340 रुपये तक जाएगा शेयर

नई दिल्ली ,21 जुलाई 2022। आईटीसी के शेयरों ने एजीएम के अगले ही दिन वो कारनामा कर के दिखाया जिसका इंतजार निवेशक 2 साल से अधिक समय से कर रहे थे। 3 साल बाद एक बार फिर आईटीसी के शेयर 300 रुपये के पार पहुंच गए हैं। गुरूवार को कंपनी के शेयर का भाव शुरुआती कारोबार में 302.20 रुपये का लेवल पर पहुंच गया। इससे पहले 300 का लेवल को कंपनी के शेयर मई 2019 में क्रॉस किए थे। बता दें, बुधवार को जब कंपनी 111 एजीएम चल रही थी तब शेयर 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर को पार कर गए थे।

340 रुपये का पार जाएगा शेयर का भाव!

आईटीसी के शेयरों के प्रदर्शन को लेकर जीसीएल सिक्योरिटीज के सीईओ रवि सिंघल लाइव मिंट से कहते हैं, जिस किसी के पास आईटीसी के शेयर हैं उन्हें 340 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ होल्ड करने की सलाह दी जाती है। वहीं, 265 रुपये के स्टॉप लॉस को भी बनाए रखना होगा। ऐसे लोग जो इस स्टॉक में अब निवेश करने की सोच रहे हैं उनके विषय में बात करते हुए रवि सिंघल कहते हैं, जो इस लेवल पर यह स्टॉक खरीद रहा है वो 275 का लेवल तक होल्ड कर सकता है। ऐसे निवेशकों को यह भी सलाह है कि वे 265 रुपये के लेवल स्टॉप लॉस को बनाए रखें।

कंपनी की सालाना आमसभा को बुधवार को ऑनलाइन तरीके से संबोधित करते हुए आईटीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजीव पुरी ने कहा कि कंपनी के रोजाना के उपभोग के सामान (एफएमसीजी) क्षेत्र में करीब 25 ब्रांड हैं। उन्होंने कहा कि पोर्टफोलियो का चयन सावधानी से किया गया है और इसमें वृद्धि की काफी गुंजाइश है। पुरी ने बताया कि आईटीसी ने इस साल के दौरान 110 उत्पाद पेश किए हैं।

कर्मचारी छोड़ रहे थे जॉब,अब इस कंपनी ने उन्हें रोकने के लिए लिया यह फैसला

नई दिल्ली, 21 जुलाई 2022। देश का आईटी सेक्टर इन दिनों अपने कर्मियों के नौकरी छोड़कर जाने की समस्या से परेशान है। छोटी कंपनियों की तो बात ही छोड़िये दिग्गज आईटी कंपनियों टीसीएस, इंफोसिस, विप्रो भी कर्मचारियों के नौकरी छोड़कर जाने से परेशान हैं। अब इस परिस्थिति को बदलने के लिए अजीम प्रेमजी की कंपनी विप्रो ने पहल शुरू कर दी है। अपने कर्मचारियों को कंपनी से जोड़े रखने के लिए विप्रो ने हर तिमाही यानी तीन महीने के अंतराल पर कर्मियों को सैलरी बढ़ाने और प्रमोशन देने का फैसला लिया है।

कंपनी के सीईओ ने दी जानकारी

विप्रो के सीईओ और एमडी थिएरी डेलापोर्टे ने जून तिमाही के आंकड़े जारी करने के दौरान कहा है कि अब विप्रो अपने हर कर्मचारी को तीन महीने के प्रदर्शन के आधार पर प्रमोशन देगा। इसकी शुरुआत इसी जुलाई महीने से की जाएगी। इसी तरह कंपनी अपनी हर तीन महीने पर कर्मचारियों की सैलरी भी बढ़ाने वाली है। विप्रो की इस योजना का लाभ कर्मचारियों को इसी साल सितंबर महीने से मिलने लगेगा।

डेलापोर्टे ने कहा है कि हमने टैलेंट में जो निवेश किया है, मुझे लगता है कि

उसका परिणाम मिलने लगा है। विप्रो के सीईओ और एमडी ने कहा है कि हमने तिमाही के आधार पर प्रमोशन देने की नीति का ऐलान किया है, जो काफी नया है। इससे पहले विप्रो में भी सालाना साइकल के हिसाब से कर्मियों का मूल्यांकन किया जाता था। अब तीन महीने पर प्रमोशन की नीति लागू होने से कर्मचारियों को इसका लाभ मिलना सितंबर महीने में ही शुरू हो जाएगा।

बहाली में टीसीएस और एचसीएल टेक से आगे विप्रो

आपको बता दें कि अप्रैल-जून तिमाही के दौरान विप्रो ने टीसीएस और एचसीएल टेक जैसी कंपनियों से भी ज्यादा हायरिंग की। इस दौरान विप्रो के कर्मचारियों की संख्या 15446 बढ़ी और 30 जून 2022 तक इनकी संख्या बढ़कर 258574 पर पहुंच गई। इस दौरान कंपनी छोड़कर जाने वाले कर्मचारियों की दर मार्च तिमाही के 23.8 फीसदी से कुछ कम होकर 23.3 फीसदी पर आ गई। डेलापोर्टे ने इस बारे में कहा कि विप्रो छोड़कर जाने वालों की दर में लगातार तीन क्वार्टर में कमी आई है।

16 महीने बाद दस ग्राम सोने के भाव 50 हजार रुपये से नीचे,चांदी भी लुढ़की

नई दिल्ली , 21 जुलाई 2022। 16 महीने के बाद देश में दस ग्राम सोने का भाव 50 हजार रुपये से नीचे आ गया है। इसके साथ ही चांदी की कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गई है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में दस ग्राम सोने का भाव 478 रुपये लुढ़ककर 49830 रुपये पर पहुंच गया है।

सोने की कीमतों में यह गिरावट वैश्विक बाजार में हाल के दिनों में सोने का भाव लगातार टूटने के कारण दर्ज की गई है। इससे पिछले कारोबारी सेशन में सोना 50,308 रुपये प्रति दस ग्राम की दर पर ट्रेड कर रहा था।

आपको बता दें कि इससे पहले साल 2021 के शुरुआती महीनों में प्रति दस ग्राम सोने के भाव पचास हजार रुपये से कम थे। सोने की कीमतों में कमी आने की यह खबर आने वाले शादी के सीजन के लिए खरीदारी करने वालों के लिए एक खुशखबरी की तरह है।

वहीं दूसरी ओर, चांदी की कीमतों में भी गुरुवार को गिरावट देखने को मिली है। गुरुवार को सर्राफा बाजार में चांदी 1265 रुपये टूटकर 54351 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर बिक रही है।

वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की कीमतों में कमी आई है। ग्लोबल मार्केट में सोना 1689 डॉलर प्रति औंस की दर से बिक रहा है। वहीं, वैश्विक बाजार में चांदी 18.42 रुपये प्रति औंस की दर से बिक रही है।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के सीनियर एनालिस्ट (कॉमोडिटीज) तपन पटेल के अनुसार डॉलर के लगातार मजबूत होने और शेयर बाजार में मजबूती के कारण सोने में बिकवाली देखने को मिल रही है। तपन पटेल का मानना है कि इसी कारण सोने के भाव नीचे गिर रहे हैं।

चीन में बैंकों के सामने टैंक तैनात किए गए,ग्राहकों के खाते सीज

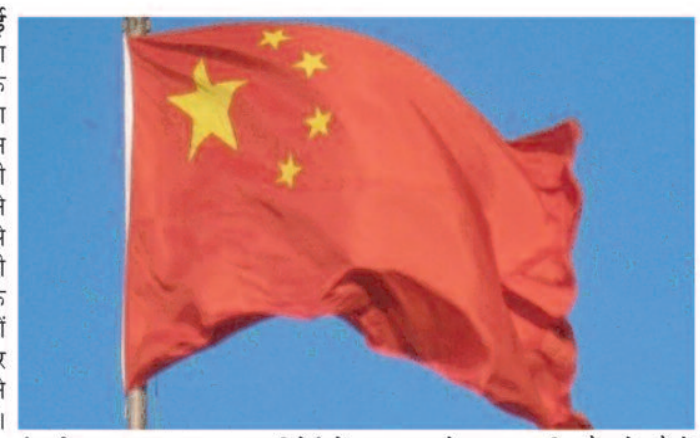

नई दिल्ली , 21 जुलाई 2022। हमारा पड़ोसी देश चीन गंभीर बैंकिंग संकट के दौर से गुजर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन में बैकों की हालत इतनी खराब हो गई है कि बैंकों ने ग्राहकों के खाते से पैसे निकालने पर रोक लगा दी है। बैंकों के इस फैसले के विरोध में चीन में हजारों लोग अब सड़कों पर उतर आए हैं। बीते अप्रैल महीने से ही वे प्रदर्शन कर रहे हैं। कई जगहों पर तो हिंसक प्रदर्शन भी शुरू हो गए हैं। हालात पर काबू करने के लिए सरकार को अब बैंकों के आस-पास टैंक तैनात करना पड़ा है।

इस संबंध में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। बताया जाता है कि यह वीडियो चीन के हेनान प्रांत का है। यहां कई टैंक कतार में खड़े दिखाई दे रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रशासन ने लोगों को बैंक के अंदर जाने देने से रोकने के लिए टैंक तैनात करने का आदेश दिया है।

चीन में क्यों बिगड़े हालात, क्या है पूरा मामला?

चीन में बीते अप्रैल महीने में साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट में एक खबर प्रकाशित हुए थी। इस खबर में चीनी बैंकों में हुए घोटलों के बारे में बताया गया था। इस रिपोर्ट में यह दावा किया गया था कि 40 बिलियन युआन, यानी करीब (6 बिलियन अमेरिकी डॉलर) चीन के बैंकों से गायब हो गए हैं। खबरों के मुताबिक चीन के हेनान और अनहुई प्रांतों में बैंकों से निकासी पर भी रोक लगा दी गई थी। उस समय बैंकों ने कहा था कि वे अपने सिस्टम को अपग्रेड करने के लिए ग्रहकों के खातों से निकासी पर रोक लगा रहे हैं।

बैंकों के भीतर ग्राहकों को नहीं दिया जा रहा घुसने

चीन में जारी इस बैंकिंग संकट से न्यू ओरिएंटल कंट्री बैंक ऑफ कैफेंग, जिचेंग हुआंगहुई कम्युनिटी बैंक, शांगकाई हुइमिन काउंटी बैंक और युजौ शिन मिन शेंग विलेज बैंक सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। लोग बैंकों से पैसा निकालने के लिए पिछ्ले तीन तीन महीनों से चक्कर काट रहे हैं, लेकिन प्रशासन उन्हें बैंक के भीतर नहीं घुसने दे रहा है।

सड़क पर टैंकों की तस्वीर थियानमन स्क्वायर की याद दिला रही

वर्तमान समय में चीन की सड़कों टैंक चलने की तस्वीरें थियानमन स्क्वायर की याद दिला रही है। आपको बता दें कि 1989 में सरकार की नीतियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर लोगों ने थियानमन स्क्वायर पर प्रदर्शन किया था। उस समय चीन की सेना ने बलपूर्वक उस प्रदर्शन को कूचल दिया था। यूरोपियन देशों की मीडिया के अनुसार उस दौरान दस हजार चीनी नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में बिल गेट्स को पछाड़ा,अब टॉप थ्री में ऐसे मिलेगी जगह

नई दिल्ली, 21 जुलाई 2022। भारत के सबसे अमीर उद्योगपति गौतम अदाणी अब दुनिया के चौथे सबसे अमीर व्यक्ति भी बन गए हैं। हाल ही में उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स को भी संपत्ति के मामले में पीछे छोड़ दिया है। आपको बता दें बिल गेट्स लंबे समय तक दुनिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में नंबर एक पर रहे हैं। अब अरबपतियों की लिस्ट में गौतम अदाणी से आगे सिर्फ तीन अरबपति- जेफ बेजोस, बर्नाड अनॉल्ट और एलन मस्क ही हैं। आंकड़ों के मुताबिक अदाणी समूह के सर्वेसर्वा गौतम अदाणी की संपत्ति पिछ्ले एक साल के दौरान ही लगभग दोगुनी हो गई है। उनकी संपत्ति जिस तेजी से बढ़ रही है उसे देखते हुए आने वाले दिनों में दुनिया के टॉप तीन अरबपतियों की रैंकिंग में भी वे जगह बना सकते हैं। आपको बता दें कि साल 2021 के शुरुआती महीनों में गौतम अदाणी की दौलत 55-60 बिलियन डॉलर के करीब थी जो वर्तमान में बढ़कर 115 बिलियन डॉलर के लगभग हो गई है।

अदाणी से आगे अब सिर्फ बेजोस, अनॉल्ट और एलन मस्क

दुनिया के अरबपतियों की सूची जारी करने वाली फोर्ब्स पत्रिका की रैंकिंग के अनुसार गौतम अदाणी फिलहाल दुनिया के चौथे नंबर के सबसे रईस अरबपति हैं। हाल ही में उनके माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स को पछाड़ने की खबरें आई थीं। अब गौतम अदाणी से आगे सिर्फ तीन अरबपति- जेफ बेजोस, बर्नाड अनॉल्ट और एलन मस्क हैं। तीसरे नंबर पर रहने वाले अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस की कुल दौलत लगभग 139.5 बिलियन डॉलर है।

पेशाब का ऐसा रंग लिवर की बीमारियों का हो सकता है संकेत,जानिए रंग में बदलाव से सेहत का हाल

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सेहत को बेहतर बनाए रखने के लिए सभी लोगों को शरीर में हो रहे बदलावों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। अगर आपको शरीर में कुछ भी असामान्य सा लगे तो इसे गंभीरता से लें और किसी डॉक्टर से सलाह जरूर लें, ऐसा करके आप किसी गंभीर खतरे से खुद को बचा सकते हैं। जैसे आंखों या पेशाब के रंग में बदलाव आदि।

पेशाब के रंग में नजर आने वाला परिवर्तन कुछ गंभीर समस्याओं का संकेत भी हो सकता है, ऐसे में इसे लेकर विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। पेशाब की जांच के आधार पर शरीर में हो रही समस्याओं का अंदाजा लगाया जा सकता है, यही कारण है कि कुछ बीमारियों में डॉक्टर पेशाब के जांच की सलाह देते हैं।

डॉक्टर मूत्र के मानक रंग को ÷यूरोक्रोम÷ कहते हैं। मूत्र में स्वाभाविक रूप से एक पीला रंगद्रव्य होता है। जब शरीर हाइड्रेटेड रहता है तो आपका मूत्र हल्का पीला या करीब-करीब साफ रंग का होता है, हालांकि शरीर में पानी की कमी में इसका रंग गहरा या हल्का भूरा हो रहा है। इसी तरह से अलग-अलग तरह की बीमारियों में पेशाब के रंग में बदलाव देखा जा सकता है। कुछ स्थितियों में पेशाब का रंग काला, लाल, गुलाबी भी हो सकता है, इस तरह के रंग कई प्रकार की शारीरिक समस्याओं का संकेत हो सकते हैं। आइए जानते हैं कि पेशाब के रंग के आधार पर किस प्रकार से शरीर की समस्याओं का अंदाजा लगाया जा सकता है?

साफ रंग का पेशाब

पेशाब का रंग सामान्यतौर पर साफ रहता है, यह संकेत है कि आप अधिक पानी पी रहे हैं। हालांकि कुछ स्थितियों में इसे लिवर की कई तरह की समस्याओं जैसे सिरोसिस और वायरल हेपेटाइटिस का संकेत माना जा सकता है। यदि आप पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पी रहे हैं फिर भी पेशाब का रंग साफ है, तो आपको अपने डॉक्टर से इस बारे में बात करने आवश्यकता है। हालांकि साफ रंग के पेशाब से खुद बीमारियों का पता लगा पाना कठिन हो सकता है।

पेशाब का रंग गुलाबी होना

यदि आपके पेशाब का रंग लाल या गुलाबी दिखाई दे रहा है तो घबराएं नहीं, कई बार कुछ चीजें खाने के कारण भी पेशाब के रंग में ऐसा बदलाव दिखाई दे सकता है। हालांकि अगर यह बदलाव लंबे समय तक बना रहता है तो इस बारे में डॉक्टर से संपर्क जरूर करें। कुछ स्थितियों में हेमट्यूरिया जैसी समस्याओं के कारण भी इस तरह का बदलाव देखा जा सकता है। हेमट्यूरिया को मूत्र में लाल रक्त कोशिकाओं की उपस्थिति को दर्शाता है।

नारंगी रंग का पेशाब

पेशाब का रंग नारंगी बना रहना साथ में शौच का रंग हल्का होना रक्तप्रवाह में पित्त के प्रवेश की स्थिति को दर्शाता है। इस स्थिति पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता होती है। कुछ लोगों में पीलिया की शुरुआती स्थिति में भी पेशाब में इस तरह की समस्या देखी जा सकती है। यदि आपको भी पेशाब में कुछ समय से इस तरह का बदलाव नजर आ रहा है तो इस बारे में तुरंत किसी विशेषज्ञ से संपर्क करके इलाज कराएं।

पेशाब के रंग में पीलापन

पीले रंग का पेशाब होना अन्य दूसरे रंगों की तुलना में अधिक आम माना जाता है, इसके कई कारण हो सकते हैं। सबसे पहले अगर आप सामान्य से कम मात्रा में पानी पीते हैं तो पेशाब में इस तरह का बदलाव आ सकता है। वहीं यदि पेशाब गाढ़ा पीला है और आंखों में भी पीलापन है तो इसे पीलिया के संकेत के तौर पर देखा जाता है। इसमें तुरंत किसी डॉक्टर से मिलकर इलाज प्राप्त करना आवश्यक हो जाता है।

बिना लहसुन के मूंगफली की चटनी बनाएं फटाफट

सावन के महीने का दूसरा सोमवार आने वाला है। ऐसे में अगर आप फलाहार में कुछ स्नैक्स बनाने वाली हैं। तो उसके साथ मूंगफली की चटनी स्वादिष्ट लगेगी। मूंगफली फलाहारी होती है और व्रत में खाई जाती है। इसे खाने के लिए ज्यादातर लोग मूंगफली को भून लेते हैं। या फिर मूंगफली की चिक्की बनाकर खाते हैं। आप चाहे तो मूंगफली की चटनी को भी ट्राई कर सकती हैं। फलाहारी टिक्की और पकौड़ों के साथ मूंगफली की चटनी का स्वाद लाजवाब लगेगा। वहीं ये चटनी मिनटों में बनकर तैयार हो जाती है। तो चलिए जानें कैसे बनेगी

मूंगफली की चटनी।

मूंगफली की चटनी बनाने की सामग्री

मूंगफली की चटनी बनाने के लिए जरूरत होगी सौ ग्राम मूंगफली के दाने, हरी मिर्च, जीरा चुटकीभर, देसी घी, एक इंच अदरक का टुकड़ा, सेंधा नमक स्वादानुसार।

मूंगफली की चटनी बनाने की विधि

मूंगफली की चटनी बनाने के लिए सबसे पहले पैन को गर्म करें और उसमे जरा सा घी डालें। इस घी में हरी मिर्च को भूनें। हरी मिर्च को निकालकर उसी पैन में मूंगफली को अच्छी तरह से भून लें। जब मूंगफली से सोंधी महक आने लगे तो गैस को बंद कर इसे प्लेट में निकाल लें। मूंगफली को ठंडा हो जाने दे। इसके बाद सारे छिलके को उतार लें।

ठंडी हो चुकी मूंगफली के छिलके को निकालना आसान होता है। साथ ही मूंगफली भूनते समय इस बात का ध्यान रखें कि घी ज्यादा ना पड़ा हो नहीं तो छिलका चिपक जाएगा और निकालने में दिक्कत होगी। मिक्सी के जार में मूंगफली के साथ भुने हुए हरे मिर्चे को डालें। साथ में जीरा और अदरक को भी शामिल कर लें। महीन पीस कर बाउल में निकाल लें। सेंधा नमक डालकर मिक्स कर लें।

अगर आप चटनी का स्वाद बढ़ाना चाहती हैं तो साथ में पुदीना और कच्चे आम को भी इसमे डाल सकती हैं।

सिर्फ कोरोना ही नहीं,देश के लिए ये संक्रमण भी बने हुए हैं मुसीबतों का कारण,विशेषज्ञों ने किया अलर्ट

पिछ्ले करीब 30 महीनों से भी अधिक समय से देश कोरोना महामारी की चपेट में है। इस दौरान सामने आए वायरस के कई वैरिएंट्स के कारण लाखों लोगों को संक्रमण झेलना पड़ा है। जनवरी-फरवरी में सामने आई तीसरी लहर के बाद पिछ्ले एक महीने से देश में संक्रमण के मामलों में फिर से उछाल देखा जा रहा है। पिछ्ले दिनों संक्रमण के दैनिक मामले 20 हजार से भी अधिक रिपोर्ट किए गए हैं। मेडिकल रिपोर्टस से पता चलता है कि देश में इस समय जिन कोरोना वैरिएंट्स का प्रकोप है वह स्वाभाविक तौर पर अति संक्रामकता दर वाले हैं, इनसे पूरी तरह से वैक्सीनेटेड लोगों में भी संक्रमण के खतरा बना हुआ है।

हालांकि देश के लिए कोरोना संक्रमण ही फिलहाल एक मात्र चिंता का कारण नहीं है। कई राज्यों में कुछ और प्रकार की संक्रामक बीमारियों के मामले रिपोर्ट किए गए हैं, जो स्वास्थ्य विभाग के लिए गंभीर चिंता का कारण बने हुए हैं।

मंकीपॉक्स जैसे संक्रमण के मामले सामने आने के बाद से देश में अलर्ट जारी किया गया है। केरल सबसे प्रभावित राज्यों में से एक है, जहां पिछ्ले छ्ह महीनों में अलग-अलग प्रकार की संक्रामक बीमारियों के मामले सामने आए हैं। आइए जानते हैं कि देश में फिलहाल किन संक्रमण को लेकर विशेषज्ञ अलर्ट कर रहे हैं और इनकी प्रकृति किस प्रकार की है?

कोरोना के नए वैरिएंट्स से खतरा

देश में फिलहाल कोरोना वायरस का संक्रमण थमता नजर नहीं आ रहा है। पिछ्ले 24 घंटे में एक बार फिर से 21,566 लोगों को संक्रमण का शिकार पाया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि कई राज्यों में ओमिक्रॉन के क्क5 सब-वैरिएंट के कारण संक्रमण बढ़ता देखा जा रहा है, अध्ययनों में इस वैरिएंट को अति-संक्रामक माना गया है।

वैज्ञानिकों ने पाया है कि यह सब-वैरिएंट आसानी से वैक्सीन द्वारा शरीर में निर्मित प्रतिरोधक क्षमता को चकमा देकर संक्रमण का कारण बन सकता है, ऐसे में टीकाकरण करा चुके लोगों को भी इससे सुरक्षित नहीं माना जा सकता है। इसके अलावा ओमिक्रॉन के अन्य वैरिएंट्स के कारण भी संक्रामण के मामले बढ़ते हुए देखे जा रहे हैं।

मंकीपॉक्स संक्रमण के मामले

यूरोपीय देशों में संक्रमण के बाद अब अति दुर्लभ मंकीपॉक्स के मामले भारत में भी रिपोर्ट किए जा रहे हैं। देश में अब तक दो लोगों में मंकीपॉक्स संक्रमण के मामले की पुष्टि हुई है। मंकीपॉक्स के जोखिम को देखते हए केरल के सभी 14 जिलों में अलर्ट जारी कर दिया गया है तथा राज्य के सभी चार हवाई अड्डों पर हेल्प डेस्क स्थापित कर दिए गए हैं।

मंकीपॉक्स अति दुर्लभ प्रकार का संक्रमण है जो अब तक अफ्रीकी देशों में अधिक देखा जाता रहा है, हालांकि जनवरी के बाद से इसके यूरोपीय देशों में मामले तेजी से बढ़े हैं। अब भारत में भी इसके संक्रमण की पुष्टि की गई है।

केरल में टौमैटो फीवर के केस

हालिया रिपोर्ट्स में केरल में टौमैटो फ्लू नामक एक और गंभीर बीमारी के मामले बढ़े हुए पाए गए हैं। कोल्लम जिले के कुछ हिस्सों से करीब 80 मामलों की खबरें आई हैं। मेडिकल रिपोर्ट्स के मुताबिक इस वायरल संक्रमण में शरीर पर लाल रंग के छाले बनने लगते हैं, इसी वजह से इसे टोमैटो फ्लू नाम दिया गया है। यह एक दुर्लभ वायरल बीमारी और आंत पर हमला करने वाले शिगेला बैक्टीरिया के एक रूप के कारण यह संक्रमण होता है।

पांच साल या उससे कम उम्र के बच्चों में इस संक्रमण के मामले सबसे अधिक देखने को मिलते हैं। इसमें संक्रमितों के शरीर पर छाले निकलने के साथ तेज बुखार और बदन में तेज दर्द की समस्या हो सकती है।

बाढ़ प्रभावित राज्यों में लेप्टोस्पायरोसिस संक्रमण को लेकर अलर्ट

महाराष्ट्र, गुजरात, असम जैसे राज्यों में तेज बारिश और बाढ़ के कहर के बीच विशेषज्ञों ने लेप्टोस्पायरोसिस संक्रमण के खतरे को लेकर अलर्ट किया है। लेप्टोस्पायरोसिस एक जीवाणु जनित रोग है जो मनुष्यों और जानवरों दोनों को प्रभावित करता है। बाढ़ प्रभावित राज्यों में इससे संक्रमण का खतरा अधिक होता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि पानी या मिट्टी, लेप्टोस्पायरोसिस पैदा करने वाले बैक्टीरिया से दूषित रही हो तो इसके संपर्क में आने वाले व्यक्ति में रोग विकसित होने का खतरा हो सकता है।

लेप्टोस्पायरोसिस बीमारी की गंभीर स्थिति में इसके कारण मृत्यु का खतरा 10-15 फीसदी के बीच हो सकता है।

भारतीय मूल के कौशिक राजशेखर ने जीता वैश्विक ऊर्जा पुरस्कार,इस योगदान के लिए मिला अवॉर्ड

ह्यूस्टन , 21 जुलाई 2022। भारतीय मूल के प्रोफेसर कौशिक राजशेखर ने वैश्विक उर्जा पुरस्कार जीता है। राजशेखर ह्यूस्टन विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग के प्रोफेसर हैं। उनको ये पुरस्कार बिजली उत्पादन उत्सर्जन को कम करते हुए परिवहन विद्युतीकरण और ऊर्जा दक्षता प्रौद्योगिकियों में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया है।

ग्लोबल एनर्जी एसोसिएशन द्वारा दिए जाने वाले इस सम्मान के लिए इस वर्ष 43 देशों के रिकॉर्ड 119 नामांकन में केवल तीन लोगों का चयन किया गया था। सेंटर फॉर इनोवेटिव टेक्नोलॉजीज (रूस में रोसाटॉम) के मुख्य विशेषज्ञ और थर्मोन्यूक्लियर भौतिकी में अग्रणी विक्टर ओरलोव द्वारा राजशेखर को 2022 पुरस्कार विजेता के रूप में घोषित किया गया है। ये पुरस्कार समारोह 12-14 अक्टूबर को मास्को में रूसी ऊर्जा सप्ताह के दौरान आयोजित किया जाएगा।

राजशेखर इलेक्ट्रिक 36 अमेरिकी पेटेंट और 15 विदेशी पेटेंट के मालिक हैं। ह्यूस्टन विश्वविद्यालय की भारतीय मूल की अध्यक्ष रेणु खटोर ने कहा कि प्रोफेसर राजशेखर को सीमाएं नहीं, केवल संभावनाएं दिखती हैं। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन दुनिया के चलने के तरीके को बदल रहे हैं और उन्होंने इस नवाचार की खोज और सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पुरस्कार के लिए बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि मैं उन्हें इस वैश्विक विशिष्टता और ह्यूस्टन विश्वविद्यालय को %ऊर्जा विश्वविद्यालय% के रूप में स्थापित करने में उनकी भूमिका के लिए बधाई देती हूं।

गौरतलब है कि मूल रूप से भारत के रहने वाले राजशेखर का बचपन दक्षिण भारत के एक छोटे से गाँव में बीता। वे वहां अपने माता-पिता और दो भाइयों के साथ बेहद गरीबी में रहते थे। उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद भारतीय विज्ञान संस्थान में सहायक प्रोफेसर और वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में काम किया। उन्होंने बाद में 1992 में इंडियाना वेस्लेयन विश्वविद्यालय, यूएसए से एमबीए किया। राजशेखर ने बताया कि वे लंबे समय से परिवहन विद्युतीकरण पर काम कर रहे हैं।

रूस और ईरान के बीच 40 अरब डॉलर का समझौता,खामनेई बोले-नाटो के कारण शुरू हुई यूक्रेन में जंग

मॉस्को/तेहरान, 21 जुलाई 2022। रूस यूक्रेन युद्ध को पांच माह हो चुके हैं लेकिन बुधवार को भी रूसी सेना ने यूक्रेन के दोनबास क्षेत्र में बमबारी जारी रखी है। उधर, ईरान दौरे पर गए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तेहरान में करीब 40 अरब डॉलर का सौदा किया है। इस दौरान उन्होंने ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई से भी मुलाकात की। खामनेई ने नाटो देशों को खतरनाक जीव करार दिया। रूस-ईरान में हुई डील के तहत तेल व गैस क्षेत्र के विकास की बात कही गई। जबकि अमेरिका ने इस डील में ड्रोन खरीदी को प्रमुख समझौता बताया है। पुतिन-खामनेई मुलाकात में

ईरानी सर्वोच्च नेता ने कहा, पश्चिमी देश एक मजबूत और स्वतंत्र रूस का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने पुतिन से कहा, युद्ध एक हिंसक और कठिन मुद्दा है लेकिन जहां तक बाद यूक्रेन की है तो आपने इसकी पहल नहीं की बल्कि दूसरे पक्ष ने की जिससे युद्ध शुरू हुआ। उन्होंने कहा, यदि नाटो को यूक्रेन में नहीं रोका गया तो वह यही युद्ध शुरू करेगा और क्रीमिया को इसका बहाना बनाएगा। उधर, पुतिन के हवाले से ईरानी मीडिया ने कहा कि यूक्रेन में आम लोगों की मौत एक बड़ी त्रासदी है।

रानिल विक्रमसिंघे ने ली शपथ,उठाएंगे श्रीलंका को आर्थिक संकट से उबारने का बीड़ा

कोलंबो , 21 जुलाई 2022। श्रीलंका के शीर्ष राजनेता रानिल विक्रमसिंघे ने गुरुवार को देश के आठवें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ले ली। उन्हें बुधवार को संसद ने नया राष्ट्रपति चुना था। विक्रमसिंघे इससे पहले लंबे समय तक देश के प्रधानमंत्री रह चुके हैं।

73 वर्षीय विक्रमसिंघे को श्रीलंका के प्रधान न्यायाधीश जयंत जयसूर्या ने राष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई। श्रीलंका भयावह आर्थिक संकट से जूझ रहा है। विक्रमसिंघे के सामने सबसे बड़ी चुनौती और अग्नि परीक्षा देश को इस संकट से निकाल कर फिर पटरी पर लाना है।

गोतबाया राजपक्षे के देश छोड़कर भागने और फिर इस्तीफा देने के बाद विक्रमसिंघे को कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाया गया था। देश के संविधान के अनुसार संसद द्वारा चुने जाने वाले वे पहले श्रीलंकाई राष्ट्रपति हैं। उनसे पहले स्वर्गीय डी बी विजेतुंगा मई 1993 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रेमदासा के निधन के बाद निर्विरोध निर्वाचित हुए थे।

225 सदस्यीय श्रीलंका की संसद ने कल विक्रमसिंघे नया राष्ट्रपति चुना था। उन्हें 134 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी और असंतुष्ट सत्तारूढ़ दल के नेता दुल्लास अल्हाप्परुमा को 82 वोट मिले। त्रिकोणीय मुकाबले में वामपंथी जनता विमुक्ति पेरामुना के नेता अनुरा कुमारा दिसानायके को सिर्फ तीन वोट मिले थे।

जल्द बनाएंगे मंत्रिमंडल

विक्रमसिंघे के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती श्रीलंका को उसके आर्थिक संकट से बाहर निकालने और महीनों के बड़े विरोध के बाद कानून व्यवस्था बहाल करने की है। डेली मिरर अखबार के अनुसार राष्ट्रपति विक्रमसिंघे अगले कुछ दिनों में 20-25 सदस्यों का एक मंत्रिमंडल बनाएंगे।

राजपक्षे परिवार की अब भी मजबूत पकड़

विक्रमसिंघे को पूर्ववर्ती राष्ट्रपति राजपक्षे की पार्टी श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) के समर्थन से सहज जीत मिली है। इसने यह भी दिखा दिया है कि हाल के हफ्तों में गोतबाया राजपक्षे, पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे और पूर्व वित्त मंत्री बासिल राजपक्षे के इस्तीफों के बावजूद श्रीलंका की सत्ता पर राजपक्षे परिवार की मजबूत पकड़ है।

विक्रमसिंघे के लिए भी यह खतरा

विक्रमसिंघे की जीत से एक बार फिर श्रीलंका की स्थिति भड़क सकती है, क्योंकि सरकार विरोधी प्रदर्शनकारी उन्हें पूर्ववर्ती राजपक्षे सरकार से अटूट रिश्ते रखने वाला मानते हैं। राजपक्षे परिवार को 1948 में आजादी के बाद से देश के सबसे खराब आर्थिक संकट के लिए जिम्मेदार माना जा रहा है।

इटली के पीएम द्रागी का इस्तीफा,सहयोगियों ने किया बहिष्कार तो गिर गई सरकार

रोम , 21 जुलाई 2022। इटली में आज प्रधानमंत्री मारियो द्रागी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार गिर गई। विश्वास मत पर मतदान का उनके ही गठबंधन के प्रमुख सहयोगियों ने बहिष्कार कर दिया।

अल्पमत में आने से पीएम द्रागी को इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। इटली में पिछले तीन सालों में गिरने वाली यह तीसरी सरकार है। द्रागी यूरोपीय सेंट्रल बैंक के पूर्व प्रमुख हैं। उन्होंने पिछले साल फरवरी में मुख्य राजनीतिक दलों के सहयोग से एकता सरकार बनाई थी। हाल ही में उन्होंने अपने सहयोगियों से सरकार बचाने के लिए नए समझौते की गुहार लगाई थी।

उनके इस्तीफा देने से देश में जल्द चुनाव कराए जाने की संभावना पैदा हो गई है और अहम वक्त में इटली तथा यूरोप के लिए अनिश्चितता का नया दौर शुरू हो गया है।

द्रागी ने क्विरिनाले पैलेस में सुबह हुई एक बैठक के दौरान राष्ट्रपति सर्गियो मैत्तरेला को अपना इस्तीफा सौंपा। मैत्तरेला के कार्यालय ने बताया कि राष्ट्रपति ने इस्तीफे पर संज्ञान लिया है और द्रागी सरकार को कार्यवाहक सरकार के तौर पर काम करने के लिए कहा है।

कर्ज जाल में फंसाने की चीनी कूटनीति का शिकार बना श्रीलंका,सबक लें दूसरे देश

वॉशिंगटन, 21 जुलाई 2022। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के प्रमुख बिल बर्न्स ने श्रीलंका की मौजूदा आर्थिक दुर्दशा के लिए कर्ज जाल में फंसाने की चीनी कूटनीति को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा है कि श्रीलंका चीन के दांव को समझ नहीं सका और मूर्खतापूर्वक उसके जाल में फंस गया। दूसरे देशों को इससे सबक लेना चाहिए।

वॉशिंगटन स्थित एस्पेन सिक्योरिटी फोरम को संबोधित करते हुए सीआईए प्रमुख बर्न्स ने कहा कि श्रीलंका की इस गलती को अन्य देशों को चेतावनी के रूप में लेना चाहिए। एस्पेन सिक्योरिटी फोरम, एस्पेन इंस्टीट्यूट आफ ह्यूमेनेटिक स्टडीज की बनाई गई गई अंतरराष्ट्रीय संस्था है। यह विश्वभर में समतामूलक समाज की स्थापना के लिए काम करती है।

सीआईए के प्रमुख ने कहा कि श्रीलंका अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (ढ्ढरूस्न) के साथ चर्चा कर अभूतपूर्व आर्थिक संकट का बेहतर हल निकालने में विफल रहा और चीन के जाल में फंस गया। बर्न्स ने बुधवार को आरोप लगाया कि श्रीलंका की आर्थिक तबाही का बड़ा कारण चीन का कर्ज के रूप में बड़ा निवेश है।

चीनी कंपनियां देती हैं आकर्षक प्रस्ताव

बर्न्स ने कहा कि चीनी कंपनियां दूसरे देशों में बड़ा निवेश कर सकती हैं, इसके लिए वे आकर्षक प्रस्ताव रखती हैं। आज श्रीलंका जैसे देशों की हालत को देखना चाहिए। वह चीन के भारी कर्ज के दबाव में है। उसने अपने आर्थिक भविष्य के बारे में मूर्खतापूर्ण दांव लगाए और नतीजतन आर्थिक और राजनीतिक दोनों तरह से बहुत विनाशकारी हालात का सामना कर रहा है।

आंखें खुली रखकर करें करार

सीआईए के प्रमुख ने अपने भाषण में दुनियाभर के देशों को चेताया कि वे चीन से किसी भी करार से पहले अपनी आंखें खुली रखें। बर्न्स ने कहा कि न केवल मध्य पूर्व या दक्षिण एशिया में बल्कि दुनिया भर में कई अन्य देशों के लिए श्रीलंका एक सबक होना चाहिए।

क्या किया था चीन ने श्रीलंका में

चीन ने नकदी की कमी से जूझ रहे श्रीलंका में भारी पैमाने पर निवेश किया। उसने पूर्व राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे के साथ मिलकर श्रीलंका को कर्ज के जाल में फंसाया। उसने हंबनटोटा बंदरगाह के विकास के लिए श्रीलंका को बड़ा कर्ज दिया।

मलेशिया में कोरोना के 5685 नए मामले,आठ की मौत

कुआलालंपुर ,21 जुलाई 2022। मलेशिया में कोरोना वायरस के 5,685 नए मामले दर्ज किए हैं। इसके साथ ही यहां इस संक्रमण से प्रभावित होने वाले लोगों की संख्या 46, 35,648 हो गयी है। मलेशिया के स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय की वेबसाइट पर जारी आंकड़ों के मुताबिक नए मामलों में दो मामले विदेशों से आए हुए लोगों से संबंधित है, जबकि दो नए आयातित मामले हैं, जबकि 5,683 मामले स्थानीय स्तर पर संक्रमण के हैं। यहां पर इस दौरान इस जानलेवा विषाणु के कारण आठ लोगों ने जान गंवाई है। इसके बाद यहां पर कोविड-19 के कारण होने वाली मौतों की संख्या बढ़कर 35,878 हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान 3,337 लोग कोरोना से ठीक हुए। इसके बाद इस महामारी से निजात पाने वाले लोगों की संख्या 45, 54,286 हो गयी। इस समय देश में 45,484 सक्रिय मामले हैं, जिनमें से 56 को गहन चिकित्सा कक्ष में रखा गया है, जबकि 35 को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ रही है।

नेपाली कांग्रेस बनाएगी चुनावी गठबंधन, लेकिन सीटों का बंटवारा है बड़ी चुनौती

काठमांडो, 21 जुलाई 2022। नेपाली कांग्रेस ने इस वर्ष होने वाले संघीय और प्रांतीय चुनावों में मौजूदा सत्ताधारी गठबंधन को कायम रखने का फैसला किया है। इससे यह आशंका दूर हो गई है कि नेपाली कांग्रेस ऐन वक्त पर अपने कुछ सहयोगी दलों को छोड़ सकती है। लेकिन गठबंधन के अंदर किस पार्टी को कितनी सीटें मिलेंगी, इस सवाल का जवाब अभी तय नहीं किया गया है। इसलिए पर्यवेक्षकों की राय में आगे चल कर विवाद की गुंजाइश बनी हुई है।

नेपाली कांग्रेस की सेंट्रल कमेटी ने अपनी एक बैठक में गठबंधन बनाए रखने का फैसला किया। इस बारे में लाए गए प्रस्ताव को आम राय से पारित कर दिया गया। तय किया गया कि अब पार्टी नेतृत्व सीटों के बंटवारे पर सहयोगी दलों से बातचीत शुरू करेगा। सेंट्रल कमेटी ने कहा कि बीते 13 मई को हुए स्थानीय चुनावों में सत्ताधारी गठबंधन का प्रदर्शन संतोषजनक रहा। अब उसका लक्ष्य अगले चुनावों में अधिक से अधिक सीटें जीतने का है।

सेंट्रल कमेटी की बैठक हफ्ते भर चली। इसमें प्रमुख मुद्दा चुनाव जीत सकने लायक गठबंधन बनाने का ही रहा। नेपाली संसद के निचले सदन की 165 सीटों के लिए प्रत्यक्ष निर्वाचन होता है। बाकी 165 सीटों का फैसला आनुपातिक आधार पर होता है। यानी जिस पार्टी को प्रत्यक्ष निर्वाचन वाली सीटों पर जितने प्रतिशत वोट मिलते हैं, उन 165 में से उतनी सीटें उन्हें मिल जाती हैं।

इस महीने के आरंभ में निर्वाचन आयोग ने 18 नवंबर को आम चुनाव कराने का सुझाव सरकार के सामने रखा था। शेर बहादुर देउबा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार ने अभी तक इस बारे में कोई निर्णय नहीं लिया है। नेपाली अखबारों में छपी कुछ खबरों में कहा गया है कि सत्ताधारी गठबंधन के कुछ नेता आम चुनाव को अगले साल फरवरी तक टालना चाहते हैं। नेपाली कांग्रेस के महासचिव गगन थापा ने इस बात की पुष्टि की है।

थापा ने अखबार काठमांडू पोस्ट से कहा- 'चुनाव को स्थगित करने के सुझाव दिए गए हैं। लेकिन प्रधानमंत्री देउबा ने सेंट्रल कमेटी की बैठक के दौरान कहा कि वे निर्वाचन आयोग की 18 नवंबर को चुनाव कराने की राय से सहमत हैं। अब पार्टी ने चुनावी गठबंधन बनाने का फैसला कर लिया है। अब इस सिलसिले में बातचीत शुरू होगी और यह एक कठिन दौर होगा।'

क्या गठबंधन को साझा न्यूनतम कार्यक्रम बनाना चाहिए, बताया जाता है कि इस बारे में प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने सेंट्रल कमेटी की बैठक में कोई साफ बात नहीं कही। लेकिन कई नेताओं ने जोर दिया कि नेपाली कांग्रेस को मुख्य मुद्दों पर गठबंधन सहयोगियों के बीच सहमति तैयार करनी चाहिए। इन मुद्दों में संविधान की रक्षा, लोकतंत्र को मजबूत करना, विदेश नीति और अर्थव्यवस्था में सुधार के उपाय शामिल हैं। सहमति के समर्थक नेताओं का कहना है कि सबसे बड़ा दल होने के नाते आखिरकार नेपाली कांग्रेस ही जनता के प्रति जवाबदेह होगी।

चीनी प्रोजेक्ट के खिलाफ आंदोलन का नया दौर,पाकिस्तान सरकार का नया सिरदर्द

इस्लामाबाद , 21 जुलाई 2022। पाकिस्तान के ग्वादार इलाके में अब जन आंदोलन का एक नया दौर शुरू होने जा रहा है। स्थानीय जन संगठनों ने चीन-पाकिस्तान इकॉनमिक कॉरिडोर (सीपीईसी) के तहत बन रही परियोजनाओं के खिलाफ अनिश्चितकालीन धरना शुरू करने का एलान किया है। इस खबर से पाकिस्तान सरकार की इस इलाके में चीनी परियोजनाओं को निर्बाध रूप से आगे बढ़ाने की मंशा को धक्का लग सकता है। आंदोलन और आतंकवादी हमलों के कारण इन परियोजनाओं पर काम की रफ्तार पहले ही धीमी हो चुकी है।

इन परियोजनाओं के विरोधी संगठनों का कहना है कि पाकिस्तान सरकार उनकी चिंताओं को दूर करने में नाकाम रही है। इस पूरे समुद्री क्षेत्र में मशीनी नौकाओं से गैर कानूनी रूप से मछली मारने का धंधा बेरोक चल रहा है। इससे स्थानीय मछुआरों की आजीविका पर खराब असर पड़ा है। परियोजनाओं के कारण इस इलाके का पानी और वातावरण भी खराब हुए हैं।

आंदोलन के नए दौर का एलान 'ग्वादार को हक दो तहरीक' (आंदोलन) ने किया है। तहरीक के नेता मौलाना हिदायत उर रहमान ने घोषणा की है कि गुरुवार से धरना शुरू हो जाएगा। बलूचिस्तान प्रांत के शहर क्वेटा में एक प्रेस कांफ्रेंस में रहमान ने कहा कि ये धरना अनिश्चितकाल तक चलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि शहबाज शरीफ सरकार गहरे समुद्र में मछली मारने वाली मशीनी नौकाओं पर रोक लगाने में नाकाम रही है।

ग्वादार को हक दो तहरीक ने पिछले साल भी धरने का कार्यक्रम आयोजित किया था। तब धरना महीने भर चला था। उसमें दस हजार लोगों ने हिस्सा लिया था। तब यह साफ हो गया था कि उस इलाके में चीनी परियोजनों को लेकर लोगों में कितनी नाराजगी है। रहमान ने मांग की है कि सरकार गहरे समुद्र में मछली मारने पर पूरी तरह रोक लगाए और सीमा के आरपार कारोबार की छूट दे, ताकि स्थानीय लोग अपनी रोजी-रोटी चला सकें। इसके अलावा भी उन्होंने उस इलाके से संबंधित कई स्थानीय मांगें सामने रखी हैं। रहमान ने चेतावनी दी कि अगर उनके संगठन की मांगों को नहीं माना गया, तो ग्वादार बंदरगाह के निर्माण कार्य को ठप कर दिया जाएगा।

जानकारों का कहना है कि अगर तहरीक का आंदोलन लंबा खिंचा, तो बंदरगाह पर गतिविधियां बाधित हो सकती हैं। इस बंदरगाह के निर्माण के लिए चीन ने अरबों डॉलर का निवेश किया है। शहबाज शरीफ सरकार ने यहां तेजी से काम बढ़ाने को अपनी प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर रखा है। सिर्फ जून में प्रधानमंत्री शरीफ ने दो दिन का ग्वादार का दौरा किया।

क्वेटा स्थित राजनीतिक विश्लेषक रशीद बलोच ने वेबसाइट निक्कईएशिया.कॉम से बातचीत में कहा कि धरने से बंदरगाह पर आवाजाही में रुकावट आएगी। उन्होंने कहा कि बंदरगाह पर काम रोकना एक ऐसी धमकी है, जिससे सरकार तहरीक की मांग मानने के लिए दबाव में आ सकती है। रूरल कम्युनिटी डेवलपमेंट काउंसिल नाम की संस्था के अध्यक्ष नसीर रहीम सोहराबी के मुताबिक धरने के कार्यक्रम से तहरीक उस इलाके में एक राजनीतिक संगठन के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहती है। मई में हुए स्थानीय चुनाव में तहरीक को अच्छी कामयाबी मिली थी।

तेहरान से संदेश,पुतिन को अलग-थलग करने में कामयाब नहीं हुए हैं पश्चिमी देश

तेहरान, 21 जुलाई 2022। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को एक अति महत्त्वपूर्ण विदेश यात्रा की। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद इसे पुतिन की पहली सबसे अहम विदेश यात्रा माना गया है। तेहरान में पुतिन की ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और तुर्किये के राष्ट्रपति रजिब तैयिब एर्दोआन से त्रिपक्षीय वार्ता हुई। त्रिपक्षीय वार्ता मुख्य रूप से सीरिया के मसले पर हुई। लेकिन रईसी ने इस दौरान नाटो (नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन) के विस्तार के मुद्दे पर रूस का दो टूक समर्थन भी किया। इसे पुतिन की एक बड़ी कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है।

टीकाकारों ने कहा है कि पुतिन की एक दिन की ये यात्रा यह संदेश भेजने में सफल रही है कि पश्चिमी देश उन्हें दुनिया मे अलग-थलग कर देने की अपनी मंशा पूरी नहीं कर पाए हैं। बल्कि रूस की तरफ से दावा किया गया कि पुतिन का तेहरान में जैसा स्वागत हुआ, उससे यह साफ है कि पश्चिम एशिया में उन्हें काफी सम्मान की नजर से देखा जाता है। राष्ट्रपति रईसी के अलावा पुतिन की मुलाकात ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्लाह खामेनई से भी हुई।

एर्दोआन ने इस दौरान रूस और यूक्रेन के अनाज के निर्यात का रास्ता साफ करने की अपनी मुहिम को आगे बढ़ाया। कुछ ही रोज पहले टर्की की मध्यस्थता में रूस और यूक्रेन के अधिकारियों की बातचीत में निर्यात शुरू करने पर सहमति बनी थी। तब तुर्किये काला सागर में अनाज ले जाने वाले जहाजों को सुरक्षा मुहैया कराने पर राजी हुआ था। तेहरान में पुतिन ने एर्दोआन की इस भूमिका की खूब तारीफ की।

तुर्किये नाटो का सदस्य है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद ये पहला मौका था, जब पुतिन अपने देश से बाहर नाटो के सदस्य किसी देश के राष्ट्राध्यक्ष से मिले। लेकिन पश्चिमी मीडिया का कहना है कि इस त्रिपक्षीय मुलाकात के दौरान ईरान के नेताओं ने पुतिन के प्रति जैसी सद्भावना दिखाई, वैसा एर्दोआन के रुख में नहीं झलका। एर्दोआन ने खुद को सीरिया और अनाज निर्यात के मुद्दों तक सीमित रखा।

ऐसी खबर है कि तुर्किये सीरिया पर नए सिरे से हमला बोलने की तैयारी में है। समझा जाता है कि अभी पुतिन का ध्यान यूक्रेन युद्ध में लगा है और तुर्किये इसका फायदा उठाना चाहता है। सीरिया में रूस राष्ट्रपति बशर अल असद का एक बड़ा संरक्षक है। जबकि तुर्किये उन्हें चुनौती दे रहे गुटों को समर्थन देता रहा है। समझा जाता है कि त्रिपक्षीय वार्ता का मकसद सीरिया पर नए हमले को टालना था।

ईरान के धार्मिक नेता अयातुल्ला खामेनई ने तुर्किये के हमले की योजना का विरोध किया है। इसके बावजूद त्रिपक्षीय वार्ता के दौरान एर्दोआन ने सीरिया में हमला करने के अपने देश के अधिकार को जताया। उन्होंने कहा कि तुर्किये से यह उम्मीद नहीं की जानी चाहिए कि वह वहां की समस्या पर चुपचाप बैठा रहेगा। पर्यवेक्षकों के मुताबिक तुर्किये को हमले से रोकने की पुतिन की मंशा किस हद तक पूरी हुई, यह आने वाले दिनों में जाहिर होगा। फिलहाल, उनके लिए संतोष की बात यही है कि ईरान ने नाटो के मुद्दे पर उन्हें अपना पूरा समर्थन दिया है।

खड़गवां महिला बाल विकास परियोजना बना भ्रष्टाचार का अखाड़ा

खड़गवां महिला बाल विकास परियोजना में भ्रष्टाचार के कई बड़े बड़े खुलासे हुए पर भ्रष्टाचार को अंजाम देने वाले कार्यालय में अंगद के पैर जैसे जमकर इस खेल को अंजाम दे रहे हैं?

-राजेन्द्र कुमार शर्मा-
खड़गवां,21 जुलाई 2022(घटती-घटना)। खडगवा विकास खंड महिला बाल विकास परियोजना में नित नये कारनामे निकल रहे हैं सूचना के अधिकार से प्राप्त जानकारी से आगनबाड़ी केन्द्रों के लिपाई पोताई मे पूर्ण रूप से भ्रष्टाचार किया गया है यह आगनबाडी केंद्रों की लिपाई पोताई का कार्य दो किश्तों में प्राप्त हुआ था प्रत्येक किश्त 7.50 (सात लाख पचास हजार रुपए) के हिसाब से पंद्रह लाख रूपये की लागत थी जिसमें प्रत्येक किश्त के हिसाब से 250की संख्या में आगनबाडी केंद्रो की लिपाई पोताई करना था और एक आगनबाडी केंद्र का खर्च 6000/-- रूपये का था राज्य शासन के द्वारा जारी आदेश मे लेख है कि आगनबाडी केन्द्रों के अंदर और बाहर की लिपाई पोताई किये जाने के लिए राशि जारी कि गई है

21/3/2020 से पूरे भारत में लॉकडाउन लगा था तब इस कार्यलय मीटिंग और आदेश दिया जा रहा था

खडगवा महिला बाल विकास परियोजना में परियोजना अधिकारी एवं लिपिक के द्वारा इस लिपाई पोताई की राशि का बंदरबांट करने में कोई कोर कसर नहीं छोडी है इस परियोजना अधिकारी एवं लिपिक ने कोरोना काल में जब पूर्ण रूप से 21/3/2020 से पहला पूरा भारत 21 दिनों के लिए बंद कर लाकडाउन किया गया था उस पूरा भारत बंद के होने के बाद भी लाकडाउन के दौरान लिपाई पोताई कार्य का दस दस आगनबाडी केंद्रों की लिपाई पोताई का आदेश जारी कर दिया गया और परियोजना सतरीय समिति की बैठक का भी आयोजन लाकडाउन के दौरान दिनांक 24/3/2020 को किया गया और 7/4/2020 पोताई का आदेश देकर उसी दिनांक को 49 लोगों को कार्यलय में बुलाकर अनुमति मे हस्ताक्षर भी करा लिए जबकि इस दौरान किसी भी व्यक्ति को घर से बाहर निकलने और आने जाने की इजाजत नहीं थी हर चौक चौराहे पर पुलिस तैनात थी उसके बाद भी इस परियोजना अधिकारी एवं लिपिक के द्वारा समिति के बाहरी सदस्यों को बुलाकर बैठक कर ली गई और उन 49 लोगों को बुलाकर आदेश प्रदान कर अनुमति मे हस्ताक्षर भी करा लिए अब सवाल ये उठता है कि जब पूर्ण रूप से भारत में लाकडाउन था तो इस परियोजना अधिकारी एवं लिपिक ने इन आगनबाडी केंद्रों की लिपाई पोताई के लिए 49 पेंटरों को आदेश दिनांक 7/4/2020 को जारी कर दिया गया

इस लॉकडाउन के दौरान इस परियोजना अधिकारी एवं लिपिक को शासन और प्रशासन ने विशेष छूट दे रखी थी कया ? जो इनके द्वारा कार्यालय में लोगों को बुलाकर बैठक की और पेंटरो को अनुमति आदेश दिया गया ये भी एक जाच किए जाने योग्य है?

इस परियोजना में लाकडाउन के दौरान ही आगनबाडी केंद्रों की लिपाई पोताई का कार्य ही कयो कराया गया और लाकडाउन होने के कारण कोई भी आगनबाडी केंद्र खुले ही नहीं थे इस खडगवा परियोजना में 250 आगनबाडी केन्द्रों मे से एक भी आगनबाडी केंद्रों की अंदर पोताई नहीं कि गई है यहां तक कि परियोजना सतरीय समिति के सदस्यों के आगनबाडी केंद्रों की भीतरी पोताई नहीं हुई है तो और अन्य जगहों की कया सथिति होगी ये सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

इस परियोजना की ज्यादातर आगनबाडी केंद्रों की बाहर की पोताई सिर्फ सामने कि दिवार को ही किया गया है।आगनबाडी केंद्रों की लिपाई पोताई के लिए विभाग के द्वारा सथनीय पेंटरो के आवेदन तो परियोजना खडगवा मे लिया गया और कार्य का आदेश चिरमिरी के पेंटरो को दिया गया सथनीय पेंटरो मे महज दो पेंटरो को कार्य दिया गया संचालनालय के पत्र क्रमांक/9496 दिनांक 30/12/2019 एवं संचालनालय के पत्र क्रमांक 12146 दिनांक 29/2/2020 के उपरोक्त राशि व्यय के संबंध में निदेशों का पालन किया जाये जिसकी कंडिका 1 मे उल्लेख है कि यदि कोई भवन जर्जर हैं तो ऐसे भवनों पर यह राशि व्यय न किया जाऐ उसके बाद भी कई जर्जर आगनबाडी केंद्रों मे राशि व्यय कर दी गई है और कंडिका 7 मे उल्लेख है कि इसका अग्रिम आहरण ना किया जाए कार्य एक माह में पूर्ण कराया जाए यदि यह राशि31 मार्च2020 तक व्यय नहीं कि जाती हैं तोराशि प्रत्याहारित करते हुए युक्तियुक्त कार्य वाही किया जायेगा जो शासन के निदेशों को दरकिनार कर पेंटरो को अप्रैल में पोताई का आदेश दिया गया है इस परियोजना में परियोजना

अधिकारी एवं लिपिक ने मनमाने तरीके से आगनबाडी केंद्रों की गुणवत्ता विहीन लिपाई पोताई कराकर मोटी कमाई किया गया है महिला बाल विकास के द्वारा पेंटरो को मनमानी ढंग से कमीशन खोरी के चक्कर में लाकडाउन के समय लिपाई पोताई का काम दे दिया गया है। आगनबाड़ी केन्द्र की लिपाई पोताई मे जितनी राशि आगनबाड़ी भवन को चकाचक करने में लगाई जानी है वह नहीं लगी है इस विकास खंड के मुख्यालय सहित दूरदराज के आगनबाड़ी केंद्रों में अंदर के हिस्से में लिपाई पोताई तक नहीं हुई है और परियोजना अधिकारी एवं लिपिक ने आगनबाड़ी कार्य कर्ताओ से कार्य पूणर्न्त का प्रमाण पत्र भी लिया गया है जो कि पूर्णता प्रमाण पत्र सभी सेक्टरो का एक ही लिखावट मे है

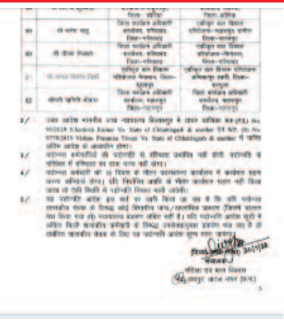

और किसी भी कार्य पूणर्न्त प्रमाण पत्र में कोई भी दिनांक नहीं डाल है कि लिपाई पोताई का कार्य किस दिनांक को पूर्ण हुआ और पूर्णता प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया है या कराया गया है इस विकास खंड के आगनबाडी केंद्रों की लिपाई पोताई मे भारी भ्रष्टाचार किया गया है इसकी जाच कर कार्रवाई कि जाने की मांग की जा रही है।

पिछले दो तीन वर्षो से शिकायत की जांच हुई नहीं और इधर संचालनालय से लिपिक को मिल गई पदोन्नति

महिला बाल विकास परियोजना खड़गवां से सूचना के अधिकार के तहत मिली जानकारी से पंद्रह लाख का फर्जीवाड़ा किया गया है इस फर्जीवाड़े में तात्कालिक लिपिक के संलिप्त होने के बाद भी वर्ग 3 से वर्ग 2 में पदोन्नति भी कर दी गई और उसी परियोजना में पदस्थ किया गया है जहां आंगनबाड़ी केंद्रों में लिपाई पोताई में भ्रष्टाचार किया गया है? जबकि इस आंगनबाड़ी केंद्रों के लिपाई पोताई में हुए भ्रष्टाचार की जांच पूरी नहीं हुई और तात्कालिक लिपिक को विभाग ने पत्र क्रमांक 4056 दिनांक20/7/2022 को संचालनालय महिला बाल विकास छत्तीसगढ़ शासन के आदेश के तहत पदोन्नति कर दिया गया है जबकि संचालनालय महिला बाल विकास विभाग के संचालक ने अपने ही आदेश की कंडिका 5 में स्पष्ट उल्लेख किया है कि यह पदोन्नति आदेश इस शर्त पर जारी किया जा रहा है कि यादि पदोन्नत शासकीय सेवक के विरुद्ध कोई विभागीय जांच /आपराधिक प्रकरण लंबित नहीं है यदि पदोन्नति आदेश दिया सूची में अंकित किसी शासकीय कर्मचारी के विरुद्ध उपरोकतानुसार प्रकरण चल रहा है तो संबंधित शासकीय सेवक के लिए यह पदोन्नति आदेश शून्य माना जावेगा।

जबकि आंगनबाड़ी केंद्रों की लिपाई पोताई के संबंध में शिकायतकर्ता की शिकायत पर जांच नहीं की गई और ना ही शिकायत कर्ता को जांच से संबंधित सूचना दी गई जबकि शिकायत कर्ता ने अपनी शिकायत में जांच शिकायत कर्ता के मौजूदगी में करने का उल्लेख किया था जो नहीं किया गया और तात्कालिक लिपिक को पदोन्नति करते हुए पुनः उसी महिला बाल विकास परियोजना में पदस्थ कर दिया गया है जो कई संदेहों को जन्म देता है इसकी जांच कर कार्रवाई होनी चाहिए?*

शिकायत कर्ता ने पिछले दो वर्षों से लगातार इस भ्रष्टाचार की शिकायत की मगर प्रशासन शासन की तरफ से किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हुई

जबकि शिकायत कर्ता ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन सचिव महिला बाल विकास विभाग छत्तीसगढ़ शासन एवं कोरिया कलेक्टर को दो साल में कई बार लिखित शिकायत किया गया है मगर इस पंद्रह लाख रुपए के भ्रष्टाचार की जांच आज दिनांक तक स्पष्ट नहीं हुई जबकि इसी महिला बाल विकास विभाग खड़गवां से ही इन आंगनबाड़ी केंद्रों में लिपाई पोताई में पंद्रह लाख रुपए का भ्रष्टाचार किया जाने की जानकारी सूचना के अधिकार से खड़गवां परियोजना से ही प्राप्त हुई हैं जिसके आधार पर इस भ्रष्टाचार के मामले की शिकायत भी की गई थी। शिकायत कर्ता ने एक बार फिर नवपदस्थ कोरिया कलेक्टर शिकायत कर लिपाई पोताई में हुए पंद्रह लाख रुपए के भ्रष्टाचार की जांच करते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

राजस्व विभाग में जाति सत्यापन किए बगैर अनुसूचित जनजाति वर्ग का जाति प्रमाण-पत्र जारी

-राजा मुखर्जी-
कोरबा,21 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। किसी को यदि जाति प्रमाण पत्र बनवाना है तो इसके लिए दर्जनों बार पटवारी दफ्तर से लेकर तहसील और एसडीएम कार्यालय के चक्कर लगाते हुए जूते-चप्पल घिसढ्ने होंगे साथ ही चंद लोगों को चढ़ावा भी चढ़ाना होगा और तब कहीं जाकर इनकी कृपा हुई तो जाति प्रमाण पत्र बन कर हासिल होगा। यह जमीनी हकीकत है, जबकि सरकार के तमाम निर्देशों के बाद भी लोग जूझ रहे हैं। यह बात और है कि यदि पटवारी-अधिकारी मेहरबान हों तो अपवाद व संयोग स्वरूप कई लोगों के प्रमाण पत्र बड़ी आसानी से बन जाते हैं ढ्ढ कटघोरा के राजस्व दफ्तर में कुछ ऐसी ही मेहरबानी चार लोगों पर बरसी है,

जहां इनके निवास के सत्यापन का कोई ओर-छोर नहीं होने, प्रमाण नहीं होने के बाद भी इन्हें अनुसूचित जनजाति वर्ग का जाति प्रमाण पत्र जारी किया गया। प्रशासनिक सांठगांठ का यह गंभीर उदाहरण है कि, जिन चार लोगों के प्रमाण पत्र बनाए गए हैं, उनका आवेदन राजस्व प्रकरण पंजी में दर्ज ही नहीं है, इस वजह से इनके संबंध में कोई भी जानकारी दे पाना संभव नहीं हो सका है। वर्ष 2014 में ईश्वर एक्का, रघुनाथ बागरा, रंजीत लकड़ा और नंदू लाल के नाम से अजजा वर्ग के जाति प्रमाण पत्र जारी किए गए, जिनका तहसील और राजस्व अनुभाग कटघोरा है। इसकी शिकायत पर हुई जांच में स्पष्ट हुआ है कि, चारों लोगों के जाति प्रमाण पत्र पूर्णतत्न्‍ गलत हैं। इन प्रमाण पत्रों को अंतिम जांच होने तक निलंबित करने तथा किसी भी प्रकार के हित लाभ के लिए प्रमाण पत्र पप्राप्तकर्ता लोगों के द्वारा उपयोग नहीं किए जाने का आदेश भी जारी किया गया है। जिला स्तरीय प्रमाण पत्र सत्यापन समिति के द्वारा इसकी जांच कर छानबीन समिति रायपुर को अंतिम जांच हेतु प्रकरण प्रेषित कर दिया गया है।

खेत तराई में लगे टूल्लू पम्प चोरी मामले में 3 गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-
सूरजपुर ,21 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। दिनांक 20.07.22 को ग्राम परसापारा निवासी ननकू राम ने थाना जयनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि खेत तराई के लिए डेढ एचपी का टूल्लू बिजली पम्प बीते रात्रि में अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर लिया गया है। रिपोर्ट पर धारा 379 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्व किया गया।

पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने अज्ञात चोर की पतासाजी कर जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर मार्गदर्शन में थाना जयनगर की पुलिस आरोपी की पतासाजी में लगी थी कि मुखबीर से सूचना मिला कि गांव के ही भूलन राम राजवाड़े, रामरूप बिंझिया व राकेश राजवाड़े चोरी की टूल्लू पम्प बिक्री करने ग्राहक की तलाश कर रहे है। पुलिस ने तीनों संदेहियों को दबिश देकर पकड़ा, पूछताछ पर आरोपियों ने एक राय होकर टूल्लू बिजली पम्प चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों के निशानदेही पर 1 नग डेढ एचपी का टूल्लू बिजली पम्प कीमत 11400 रूपये का बरामद कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी जयनगर सुभाष कुजूर, एएसआई वरूण तिवारी, प्रधान आरक्षक शिव राजवाड़े, अशोक साहू, आरक्षक विकास मिश्रा, मितेश मिश्रा, विवेक विश्वकर्मा व आरक्षक सोनू सक्रिय रहे।

कोविड वैक्सीनेशन महाअभियान में कलेक्टर संजीव झा ने विभिन्न वैक्सीनेशन केन्द्रों का

औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

-नगर संवाददाता-
कोरबा,21 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। कलेक्टर संजीव झा ने कोविड वैक्सीनेशन महाअभियान के दिन कोरबा नगर निगम क्षेत्र में विभिन्न कोविड टीकाकरण केन्द्रों में पहुंचकर वैक्सीनेशन की स्थिति का जायजा लिया। कलेक्टर श्री झा इस दौरान कोरबा शहर के बुधवारी में स्थित सामुदायिक भवन, सीएसईबी अस्पताल, रानी धनराज कुंवर देवी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं सेक्टर 15 ब्लॉक में स्थित शहरी हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर में बनाये गये टीकाकरण केन्द्र में पहुंचे। उन्होंने केन्द्रो में पहुंचकर वैक्सीन स्टॉक और लोगों के वैक्सीनेशन के लिए सुनिश्चित की गयी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने कोविड वैक्सीनेशन सेंटरो में पहुंचकर उपस्थित वैक्सीनेटर से 12 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों को लगाए जा रहे कोविड टीके के बारे में जानकारी ली। साथ ही पात्र लोगों को दिये जा रहे बूस्टर डोज के बारे में भी जानकारी ली। कलेक्टर श्री झा ने रानी धनराज कुंवर देवी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के निरीक्षण के दौरान

जरूरी स्वास्थ्य संसाधनों की भी जानकारी ली। उन्होंने रानी धनराज कुंवर पीएचसी में गर्भवती महिलाओं के समुचित जांच के लिए जरूरी सोनोग्राफी मशीन रखने के निर्देश मौके पर मौजूद सीएमएचओ डॉ. बी.बी. बोडे को दिये। कलेक्टर ने अस्पताल में सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जरूरी प्रस्ताव भेजने के भी निर्देश दिये। इस दौरान जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. कुमार पुष्पेश सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे ढ्ढ कलेक्टर संजीव झा ने कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए टीका लगाने से छूटे हुए लोगों से कोविड वैक्सीनेशन महाभियान में शामिल होकर टीका लगवाने की अपील । उन्होंने कहा कि कोविड वायरस के संक्रमण से खुद को बचाने और अन्य लोगों में संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए कोरोना वैक्सीन अवश्य लगवाना चाहिए। उन्होंने 12 वर्ष से अधिक उम्र के छूटे हुए सभी किशोरों, युवाओं और बुजुर्गों से आवश्यकतानुसार पहला और दूसरा डोज लगवाने की अपील की। साथ ही पात्र लोगों को बूस्टर डोज लगवाने की भी अपील की। वैक्सीन पूर्णतः सुरक्षित है इसलिए बिना डर-भय के टीका लगवाएं, साथ ही साथ टीकाकरण के पश्चात भी कोरोना से बचाव उपायों को जरूर अपनाएं।

प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 11वीं में प्रवेश प्रारम्भ

-नगर संवाददाता-
सूरजपुर ,21 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। शैक्षणिक सत्र 2022-23 में प्रयास आवासीय विद्यालय योजना छत्तीसगढ़ शासन की एक महत्त्वाकांक्षी योजना है। इस योजना का उद्देश्य नक्सल प्रभावित घोषित जिले एवं आदिवासी उपयोजना क्षेत्र में स्थित शासकीय, अशासकीय शालाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों को उत्कृष्ठ शिक्षा प्रदान करते हुए विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश हेतु प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने हेतु प्रारंभ से ही विशेष कोचिंग के माध्यम से तैयार कर सक्षम बनाया जाना है। इन प्रयास आवासीय विद्यालयों से प्रत्येक वर्ष काफी मात्रा में विद्यार्थी चयनित होकर उच्च संस्थाओं में प्रवेशित होते है। छत्तीसगढ़ राज्य में 09 प्रयास आवासीय विद्यालय संचालित है। इन विद्यालयों के कक्षा 11 वीं में विभिन्न जाति वर्ग समूह अंतर्गत 261 सीट रिक्त है। इन रिक्त सीटों पर प्रवेश एक प्राक्चयन परीक्षा के माध्यम से होगा। प्रश्न पत्र कक्षा 10वीं स्तर का होगा। परीक्षा में शामिल होने हेतु कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक या समकक्ष ग्रेड से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अतः अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास सूरजपुर, भूतल कक्ष क्र. जी-3 में 27 जुलाई 2022 तक कार्यालयीन समय 5.30 बजे तक जमा कर सकेंगे। प्रवेश परीक्षा केन्द्र जिला रायपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर एवं जगदलपुर है। प्रवेश परीक्षा की तिथि 31 जुलाई 2022 दिन रविवार प्रातः 9.30 बजे निर्धारित है।

15 टन कोयला एवं 1 ट्रक जप्त,दो गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-
सूरजपुर ,21 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। अवैध कोयला कारोबार पर रोक लगाने को लेकर गुरूवार को थाना प्रतापपुर की पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए 10 लाख 60 हजार रूपये कीमत के ट्रक एवं उसमें लोड 15 टन कोयला सहित 2 व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू ने जिले के थाना-चौकी प्रभारियों को अवैध कारोबार पर सतत निगाह रखते हुए कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हरीश राठौर व एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह के मार्गदर्शन में बीते रात्रि में थाना प्रतापपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना सूचना मिला कि ग्राम गोंदा में एक ट्रक में अवैध रूप से कोयला लोड कर परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए घेराबंदी कर ट्रक क्रमांक सीजी 15 एसी 5100 को रोकवाया इसी बीच चालक अंधेरे का फायदा उठाकर वहां से भाग निकला, ट्रक में 2 व्यक्ति देवेन्द्र सिंह पिता स्व. भगवती चरण सिंह एवं महेन्द्र सिंह पिता भगवती चरण सिंह दोनों निवासी ग्राम गोंदा, थाना प्रतापपुर को पकड़ा गया। ट्रक की तलाशी लेने पर उसमें कोयला लोड़ होना पाया जिसके संबंध में दस्तावेज की मांग किए जाने पर कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जो कोयला चोरी का होने की पूर्ण अंदेशा पर धारा 41(1-4)/379 भादसं. के तहत कार्यवाही करते हुए ट्रक कीमत करीब 10 लाख एवं उसमें लोड 15 टन कोयला कीमत 60 हजार रूपये को जप्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। फरार ट्रक चालक की पतासाजी की जा रही है। इस कार्यवाही में एसआई नवल किशोर दुबे, राजेश तिवारी, प्रधान आरक्षक भागवत, आरक्षक अभय तिवारी व जयप्रकाश पन्ना सक्रिय रहे।

55 हजार रूपये के नशीली दवाईयों सहित एक हुआ गिरफ्तार

-नगर संवाददाता-
सूरजपुर ,21 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू के निर्देश के बाद अवैध कारोबार करने वालों पर पुलिस की लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में थाना झिलमिली पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति मोटर सायकल में नशीली दवाई लेकर सूरजपुर से भैयाथान की ओर जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर के मार्गदर्शन में गुरूवार को थाना झिलमिली की पुलिस ने ग्राम करकोटी में घेराबंदी कर मोटर सायकल सहित लल्लू उर्फ मोहम्मद ईस्माइल पिता मोहम्मत युसुफ उम्र 31 वर्ष निवासी कब्रिस्तान मोहल्ला सूरजपुर को पकड़ा जिसके कब्जे से ऑनरेक्स कफ सिरप 110 नग जप्त किया गया जिसकी बाजारू कीमत करीब 55000 रूपये है। मामले में नशीली कफ सिरप व परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल जप्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी झिलमिली नरेन्द्र सिंह, एसआई सी.पी.तिवारी, एएसआई धनेश्वर कुशवाहा, पासकल लकड़ा, प्रधान आरक्षक हितेश्वर राजवाड़े, महेन्द्र यादव, सुशील, हेमन्त सोनवानी, आरक्षक भीमेश आर्मो, निलेश, कमलेश, अवधेश, राजू, अंचल नोबिन व सैनिक अनिल सक्रिय रहे।

जिले के अनुसूचित जनजाति समुदायों के सदस्यों के जाति प्रमाण पत्र बनाने चलेगा अभियान

-नगर संवाददाता-
कोरबा,21 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। संभागायुक्त डॉ संजय अलंग ने बिलासपुर से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के विभिन्न जनजाति समाज प्रमुखों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनी। डॉ अलंग ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप जनजाति समाज के लोगों को जाति प्रमाण पत्र जारी करने में हो रही समस्याओं के समाधान के लिए जिला प्रशासन को निर्देश दिए। कलेक्टर संजीव झा जिले के विभिन्न समुदाय प्रमुखों की मौजूदगी में कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। संभागायुक्त डॉ. अलंग ने बैठक में शामिल हुए समुदायों के प्रतिनिधियों से जाति प्रमाण पत्र बनाने में आने वाली दिक्कतों के बारे में जानकारी ली। जिले के कुछ समुदाय प्रमुखों ने मात्रात्मक त्रुटि एवं मिशल रिकार्ड नही मिलने के कारण जाति प्रमाण पत्र नही बनने की समस्या को बैठक में बताया। कमिश्नर डॉ. अलंग ने समुदाय प्रतिनिधियों की बातो को सुनकर तकनीकी त्रुटियों को दूर करते हुए शिविर के माध्यम से जनजाति समुदायों के सदस्यों का जाति प्रमाण

पत्र बनाने के निर्देश दिये। इस दौरान बैठक में अपर कलेक्टर विजेन्द्र पाटले, डिप्टी कलेक्टर भरोसा राम ठाकुर, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग श्रीमती माया वारियर सहित गोड़, धनवार, बिंझवार, पहाड़ी कोरवा, बिरहोर, भारिया, पाव एवं उरांव समाज के प्रतिनिधिगण शामिल हुए।

बैठक में शामिल कुछ जनजाति सदस्यों ने मिसल रिकॉर्ड के अभाव में जाति प्रमाण पत्र नहीं बनने की समस्या बताई। इस पर कलेक्टर श्री झा ने कहा कि ग्राम सभा की अनुमोदन से जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए अभियान चलाया जायेगा। छूटे हुए लोगों का परीक्षण कराकर अभियान के तहत जनजाति सदस्यों का जाति प्रमाण पत्र बनाया जाएगा। उन्होने जाति प्रमाण पत्र और सामुदायिक वन अधिकार पत्र बनाने के लिए विशेष अभियान चलाने की कार्य योजना बनाने के निर्देश सहायक आयुक्त को दिये। अभियान के तहत ग्राम सभा के माध्यम से जाति प्रमाण पत्र बनाने का अनुमोदन किया जाएगा। ग्राम सभा में समाज प्रमुख के सदस्य भी शामिल होंगे। उनकी उपस्थिति में पंचनामा भी तैयार किया जाएगा। जिससे छुटे हुए जनजाति सदस्यों के जाति प्रमाण पत्र आसानी से बन सकेगा।

CMYK

भारत को कोहली की मदद करने की जरूरत:पोंटिंग

दुबई , 21 जुलाई 2022। अस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग का मानना है कि लंबे समय से विराट कोहली की

खराब फॉर्म का कारण उनके बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव है और उन्हें डर है कि अगर इस स्टार बल्लेबाज को टी20 विश्व कप टीम से बाहर किया गया तो उसे दोबारा अपनी जगह बनाने में दिक्कत हो सकती है। कोहली को इस साल इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान रनों के लिए जूझना पड़ा था और उन्होंने लगभग तीन साल से भारत के लिए किसी भी प्रारूप में शतक नहीं जड़ा है। पोंटिंग ने कहा कि अंतिम एकादश में कोहली के स्थान में लगातार बदलाव की जगह भारतीय टीम प्रबंधन को उसे लय हासिल करने के लिए आत्मविश्वास देना चाहिए। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान पोंटिंग ने 'द आईसीसी रिव्यू' से कहा, ''उन्हें संभवतः उसकी फॉर्म में वापसी के लिए नए तरीके ढूंढने का प्रयास करना चाहिए और उसकी मदद करनी चाहिए।''

राष्ट्रमंडल खेलों में कोई टीम कमज़ोर नहीं, एक बार में एक मैच पर ध्यान देंगे:सुरेंद्र

बेंगलुरू, 21 जुलाई 2022। भारतीय पुरुष हॉकी टीम बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों से पहले बेंगलुरू के भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) केंद्र में प्रशिक्षण में जुट गयी है। भारतीय टीम के डिफेंडर सुरेंद्र कुमार ने अपनी तैयारियों के बारे में कहा कि टीम का ध्यान इस समय शारीरिक फिटनेस पर है। सुरेंद्र ने कहा, हमारे प्रशिक्षण सत्र अब भी जारी हैं। हमारा ध्यान मुख्यतः फिटनेस पर है, और हम इस पहलू पर काफी काम कर रहे हैं। हमने अन्य क्षेत्रों को मज़बूत करने पर भी काम किया है। भारत को राष्ट्रमंडल खेलों के लिये इंग्लैंड, कनाडा, वेल्स और घाना के साथ पूल बी में जगह दी गयी है, जहां उनका पहला मुकाबला 31 जुलाई को घाना से होगा। सुरेंद्र ने कहा कि वह किसी भी टीम को हल्का नहीं आंकेंगे और टूर्नामेंट में एक बार में एक मैच पर ही ध्यान केंद्रित करेंगे।

उन्होंने कहा, हम किसी भी मैच को हल्का नहीं आंक रहे हैं। हर टीम स्वर्ण जीतने के लिये ही टूर्नामेंट में आ रही है। वर्तमान में हमारा फोकस घाना के खिलाफ होने वाले पहले मैच पर है।

सुरेंद्र ने कहा, हम उनकी खेल फुटेज का बारीकी से अध्ययन कर रहे हैं। हमारे कोच उसी के अनुसार योजना बना रहे हैं और हम मैच के दिन उसी का पालन करने की उम्मीद करेंगे। टूर्नामेंट में कोई टीम आसान नहीं होगी और हम मैच-दर-मैच अपने अभियान पर ध्यान देंगे। भारत एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग 2021/22 में तीसरे स्थान पर रहा था। सुरेंद्र का मानना है कि टूर्नामेंट में कठिन टीमों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के अनुभव से बर्मिंघम में भारत को फायदा होगा। सुरेंद्र ने कहा, हमारा लक्ष्य राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। बाकी हमारे प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

उन्होंने कहा, हमने टोक्यो ओलंपिक 2020 के बाद से जो मैच खेले हैं, वे काफी अच्छे रहे हैं। हम मजबूत टीमों के खिलाफ खेले और इससे हमें वास्तव में फायदा हुआ है। हमने अपनी योजनाओं को अच्छी तरह से क्रियान्वित किया और इस तरह हम उन क्षेत्रों को पहचानने में सक्षम थे जहां हम सुधार कर सकते हैं। हमने शिविर में उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है।

सुरेंद्र ने टीम में अनुभव और युवाओं के मिश्रण की भी प्रशंसा की और बताया कि वरिष्ठ खिलाड़ियों ने अभिषेक और जुगराज सिंह जैसे युवाओं को क्या सलाह दी है। उन्होंने कहा, हमने खिलाड़ियों से कहा है कि वे राष्ट्रमंडल खेलों में प्रदर्शन के दबाव को महसूस न करें और उन्हें सामान्य मैचों के रूप में लें। कोच और वरिष्ठ खिलाड़ी भी उन्हें बता रहे हैं कि उनके पास मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने का अनुभव है और इसलिए, वे प्रतियोगिता में प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।

दक्षिण अफ्रीका टी 20 में चेन्नई ने खरीदी फ्रेंचाइजी

चेन्नई, 21 जुलाई 2022। चार बार की आईपीएल विजेता चेन्नई सुपर किंग्स की मालिक चेन्नई सुपर किंग्स क्रिकेट लिमिटेड ने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका की नयी टी20 लीग में फ्रेंचाइजी के अधिकार हासिल कर लिये हैं। जनवरी 2023 में होने वाली टी20 लीग में छह टीमों के अधिकार बिकने थे, जिसमें से सीएसकेसीएल ने जोहान्सबर्ग फ्रेंचाइज़ी के अधिकार अपने नाम किये। सीएसकेसीएल ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, बुलरिंग के नाम से मशहूर जोहान्सबर्ग का वांडरर्स स्टेडियम फ्रेंचाइज़ी का घरेलू मैदान होगा। द वांडरर्स का क्रिकेट इतिहास समृद्ध रहा है, जिसमें 2007 टी20 विश्व कप फाइनल सहित कई हाई-प्रोफाइल

कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं की मेजबानी की गई थी। चेन्नई सुपर किंग्स दक्षिण अफ्रीका में आयोजित 2009 के आईपीएल में सेमीफाइनलिस्ट था, जबकि चैंपियन्स लीग 2010 में वह वांडरर्स, जोहान्सबर्ग में वॉरियर्स को हराकर चैंपियन बनकर उभरा था। सीएसकेसीएल ने कहा, हम पिछले कुछ वर्षों में दुनियाभर में नये अवसरों का विश्लेषण कर रहे हैं। हमें लगा कि दक्षिण अफ्रीका में यह टी20 लीग अत्यधिक प्रतिस्पर्धी होगी और यह हमारे लिए खेल का कर्ज उतारने का एक शानदार अवसर है। इससे हमें नई प्रतिभाओं को पहचानने में भी मदद मिलेगी। सीएसके के सीईओ के.एस. विश्वनाथन ने कहा, चेन्नई सुपर किंग्स को दक्षिण अफ्रीका में आयोजित आईपीएल और चैंपियंस लीग टी20 टूर्नामेंट के दौरान प्रशंसकों से जबरदस्त समर्थन और प्रोत्साहन मिला। हमें विश्वास है कि दुनिया भर के हमारे सुपरफैन इस नई यात्रा में हमारा समर्थन करेंगे और 'येल्लव' का प्रसार करेंगे।

विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बन सकते हैं शफीक:बाबर आजम

गॉल, 21 जुलाई 2022। अब्दुल्लाह शफ़ीक़ ने अपने करियर की शुरुआत शानदार अंदाज़ में की हैं। अपने छठे ही टेस्ट में नाबाद 160 रनों की पारी के साथ उन्होंने प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता और पाकिस्तान को गॉल में सर्वोच्च सफल लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित किया। अपनी पहली 11 पारियों में 720 रन बनाकर वह विश्व के दिग्गज बल्लेबाज़ों की सूची में जा पहुंचे हैं। उनके कप्तान बाबर आज़म भी उनके खेल से काफ़ी प्रभावित हुए हैं। बाबर को लगता है कि शफ़ीक़ विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज़ बन सकते हैं।शफ़ीक़ की लाजवाब पारी ने सुर्ख़ियां बटोरी जिसमें उन्होंने कई रिकॉर्ड तोड़े। अब तक के अपने छोटे टेस्ट करियर में उन्होंने 80 की औसत से जो 720 रन बनाए हैं वह छह मैचों के बाद किसी भी पाकिस्तानी बल्लेबाज़ द्वारा सर्वाधिक है। विश्वास करना कठिन है कि उन्होंने केवल एक प्रथम श्रेणी मैच खेलने के बाद नौ महीने पहले बांग्लादेश में अपने टेस्ट करियर की शुरुआत की थी।गॉल टेस्ट जीतने के बाद बाबर ने कहा, एक युवा खिलाड़ी के तौर पर आपको अलग और कठिन परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करना होता है। उन्होंने क्लास, परिपक्वता और आत्मविश्वास को दर्शाया है। ऑस्ट्रेलिया को धूल चटाकर आ रही श्रीलंकाई गेंदबाज़ी का सामना करना उनके आत्मविश्वास को और बढ़ाएगा। उनका खेलने का अंदाज़ बहुत साफ़ है, जो यह दर्शाता है कि ऐसे और शतक आएंगे। भले ही अभी वह केवल छह मैच खेले हैं और यह कहना अभी जल्दबाज़ी होगी कि वह इस समय विश्व के सर्वश्रेष्ठ ओपनर हैं, लेकिन मुझे लगता है कि वह विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी बन सकते हैं।

बोल्ट बने शीर्ष वनडे गेंदबाज

दुबई, 21 जुलाई 2022। भारत के शीर्ष गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ खेली गयी एकदिवसीय श्रंखला के तीसरे मैच से बाहर रहने के कारण आईसीसी रैंकिंग में नुकसान हुआ है। आईसीसी की ओर से जारी ताज़ा रैंकिंग के अनुसार बुमराह की गैर-मौजूदगी में न्यूज़ीलैंड के तेज़ गेंदबाज़ ट्रेंट बोल्ट 704 रेटिंग पॉइंट के साथ पहले पायदान पर आ गये हैं, जबकि बुमराह 703 पॉइंट के साथ दूसरे पायदान पर हैं। बुमराह एक तरफ़ जहां रैंकिंग में नीचे आये हैं, वहीं उनके साथी गेंदबाज़ों ने एकदिवसीय रैंकिंग में ऊपर की ओर छलांग लगायी है। युज़वेंद्र चहल गेंदबाज़ो की फ़हरिस्त में चार पायदान ऊपर चढ़कर 16वीं रैंकिंग पर आ गये जबकि हार्दिक पांड्या ने ऑल-राउंडर रैंकिंग के शीर्ष 10 को भेदते हुए आठवां स्थान हासिल कर लिया। चहल ने इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रंखला में सात विकेट लिये थे,

जबकि पांड्या ने छह विकेट लेकर 100 रन बनाये थे। युवा बल्लेबाज़ ऋषभ पंत ने इंग्लैंड श्रंखला के आखिरी मैच में 125 रन की नाबाद शतकीय पारी खेलकर 25 पायदान की विशाल छलांग लगायी और 52वें स्थान पर आ गये। पांड्या बल्लेबाज़ों की रैंकिंग में भी आठ पायदान चढ़कर 42वें स्थान पर आ गये, जबकि दक्षिण अफ्रीका के रैसी वान डेर डुसेन की रैंकिंग में सुधार के कारण रोहित शर्मा और विराट कोहली एक-एक पायदान नीचे खिसके हैं। वान डेर डुसेन दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ खेले गये पहले एकदिवसीय मैच में शतक लगाकर तीन पायदान की उन्नति के साथ तीसरे स्थान पर आ गये हैं। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आज़म जहां एकदिवसीय रैंकिंग में अब भी शीर्ष पर बने हुए हैं, वहीं विराट कोहली चौथे और रोहित शर्मा पांचवें स्थान पर आ गये हैं। वान डेर डुसेन के हमवतन क्विंटन डिकॉक भी एक पायदान नीचे छठे स्थान पर आ गये हैं।

हिंदी फिल्में देखने वाले दर्शक अभी भी मौजूद हैं:अर्जुन कपूर

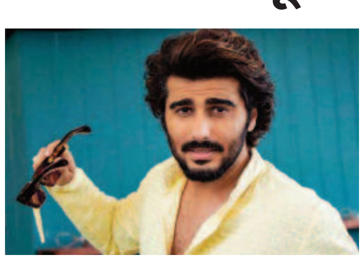

ऐसे समय में जब क्षेत्रीय सिनेमा जैसे बाहुबली फ्रेंचाइजी और हाल ही में पुष्पाः द राइज, केजीएफ फ्रेंचाइजी और आरआरआर बॉक्स ऑफिस पर प्रतिस्पर्धा में हिंदी फिल्मों को बहुत पीछे छोड़ रहे हैं, बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर का दावा है कि हिंदी देखने वाले दर्शक अभी भी मौजूद हैं क्योंकि हॉलीवुड फिल्मों के साथ इन फिल्मों को हिंदी में डब किया जाता है। यह पूछे जाने पर कि हिंदी सिनेमा क्या और कहां गलत हो रहा है क्योंकि बॉलीवुड फिल्में इसे दक्षिण की फिल्मों जितनी बड़ी नहीं बना रही हैं, अर्जुन ने कहा, जिन फिल्मों को डब किया जा रहा है और हिंदी में रिलीज हो रही है। दिन का अंत यह एक बड़ा संकेत है। अंग्रेजी फिल्में जो आती हैं उन्हें डब किया जाता है .. यह एक बड़ा संकेत है कि हिंदी देखने वाले दर्शक मौजूद हैं। वे जीवित हैं।जब वे कहते हैं कि, यह एक आकलन है कि कुछ हिंदी फिल्मों पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया है, तो वे कुछ नहीं कहते हैंअर्जुन ने कहा, लेकिन आपको यह महसूस करना होगा कि ये फिल्में 2019 और 2020 में महामारी की चपेट में आने से पहले शुरू हुई .. उनमें से बहुत सी अब रिलीज हो चुकी हैं। हम यह भी सीख रहे हैं .. यह एक ऐसा चरण है जहां एक नया दर्शक वर्ग है, स्वाद तालु जो आ गया है। हम भी अपना रहे हैं और सीख रहे हैं। हमें मूल बातों पर वापस जाना होगा और अपने मुख्यधारा के दर्शकों की सराहना करना शुरू करना होगा ..हम कहीं खो गए क्योंकि हम महामारी से पहले के मल्टीप्लेक्स दर्शकों और महामारी के बाद के डिजिटल दर्शकों से अपील कर रहे थे।

कभी-कभी दो कदम आगे बढ़ने के लिए एक कदम पीछे लेने में कोई बुराई नहीं है क्योंकि आप आकलन कर सकते हैं, निरीक्षण कर सकते हैं और सीख सकते हैं। दुर्भाग्य से फिल्मों ने उस तरह से काम नहीं किया जैसा उन्हें करना चाहिए था और अगले 6-8 महीनों में हमें बहुत धैर्य रखना होगा।क्योंकि एक चरण और एक चक्र होता है।

उन्होंने कहा, अगर हम मल्टीप्लेक्स दर्शकों को समझने में कामयाब रहे और उन्हें महामारी से पहले फिल्में दीं, तो आज दर्शकों की प्रक्रिया के माध्यम से नए युग के विश्वास को सीखने और अनुकूलित करने और फिर से वितरित करना शुरू करने का विश्वास होना चाहिए .. लेकिन धैर्य की जरूरत है और हम सभी को छात्र बनने और दर्शकों से सीखने की जरूरत है जो हमारा सबसे बड़ा शिक्षक है।

अर्जुन को फिलहाल अपनी अपकमिंग फिल्म एक विलेन रिटर्न्स की रिलीज का इंतजार है। उनके पास कुट्टी और द लेडी किलर भी हैं।

जाह्नवी कपूर ने गुड लक जेरी के लिए सीखी बिहारी गालियां

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर जल्द ही सिद्धार्थ सेन द्वारा निर्देशित और आनंद एल राय के कलर येलो प्रोडक्शंस, लाइका प्रोडक्शंस और महावीर जैन द्वारा निर्मित गुड लक जेरी में नजर आने वाली हैं. यह फिल्म 29 जुलाई को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हो रही है। जाह्नवी ने फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म गुड लक जेरी के लिए बिहारी बोली सीखी है. यह फिल्म एक युवा लड़की जैरी के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म उनके संघर्षों के बारे में है कि वह अपने जीवन में कैसे आगे बढ़ती है और अपनी मां को बीमारी से बचाने के लिए बहुत कुछ करती है। फिल्म में जाह्नवी कपूर, दीपक डोबरियाल, मीता वशिष्ठ, नीरज सूद और सुशांत सिंह मुख्य भूमिका में हैं. जाह्नवी कपूर

इस फिल्म में भारत के एक छोटे से शहर की एक साधारण लड़की जेरी की भूमिका निभा रही हैं। जाहिर है, अभिनेत्री के लिए उस शहर की भूमिका के लिए बिहारी बोली को समझना बहुत जरूरी था, जिसका अभिनेत्री ने प्रतिनिधित्व किया था। फिल्म के लिए अपने उच्चारण पर बात करते हुए, जान्हवी ने कहा, मैंने बिहारी बोली के लिए बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण लिया है। हमारे पास गणेश सर और मिस्टर विनोद नाम के कुछ कोच थे। हमने एक कार्यशाला में भाग लिया और उन सभी गीतों को सुना। उन्होंने मेरा एक काम भी करवा दिया। हम अभ्यास करते थे जिसमें वह मुझसे प्रशिक्षण के एक भाग के रूप में बिहारी को गाली देने के लिए कहते थे। आखिर पूरी ट्रेनिंग काफी मजेदार रही। मैं अपने देश के उस वर्ग के वाक्य-विन्यास को जानने के लिए बहुत आभारी हूं।

26 जुलाई को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी आर.माधवन की फिल्म रॉकेट्री

सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन के बाद, अभिनेता माधवन की रॉकेटरीः द नांबी इफेक्ट का प्रीमियर 26 जुलाई को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा। तिरंगा फिल्म्स और वर्गीज मूलन पिक्च र्स द्वारा निर्मित, फिल्म में माधवन मुख्य भूमिका में हैं और यह उनके निर्देशन में पहली फिल्म भी है। इस फिल्म में आर. माधवन के अलावा सिमरन, रंजीत कपूर भी हैं और इसमें साउथ सुपरस्टार सूर्या का एक विशेष कैमियो भी शामिल है। भारत और 240 देशों में प्राइम मेंबर्स 26 जुलाई, 2022 से तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ भाषा के डब के साथ फिल्म देख सकते हैं।

महेश बाबू ने शिव कार्तिकियन की अगली फिल्म के शीर्षक का किया खुलासा

तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू, जिन्होंने अपने सोशल मीडिया पर शिव कार्तिकेय की अगली फिल्म के लिए शीर्षक और घोषणा टीजर का अनावरण किया। तमिल में मावीरन शीर्षक से, द्विभाषी फिल्म का शीर्षक तेलुगु में महावीरुडु है। महेश बाबू ने लिखा, शिव कार्तिकेयन की फिल्म मावीरन के शीर्षक का अनावरण करते हुए खुशी हो रही है! पूरी टीम को शुभकामनाएं!, जैसा कि उन्होंने मैडोना अश्विन के आगामी निर्देशन का शीर्षक टीजर साझा किया।

उत्साहित शिव कार्तिकेयन ने शीर्षक जारी करने के लिए महेश बाबू के प्रति आभार व्यक्त किया, जैसा कि उन्होंने लिखा, यह फिल्म और टीम के लिए एक शानदार शुरूआत है . आपके इस तरह के इशारे के लिए बहुत बहुत धन्यवाद महेश बाबू सर .. वास्तव में एक मेरे लिए बहुत खास पल सर मावीरन।

टीजर क्लिप दिलचस्प है, क्योंकि शिव कार्तिकेयन इस एक्शन फिल्म में एक सुपरहीरो की भूमिका निभा रहे हैं।महावीरुडु का निर्माण शांति टॉकीज द्वारा किया जाएगा और मैडोन अश्विन द्वारा निर्देशित किया जाएगा। फिल्म का निर्माण जल्द शुरू होगा। शिव कार्तिकेयन ने अपनी सीधी तेलुगु फिल्म प्रिंस का टॉकी पार्ट पूरा कर लिया है, जो दिवाली के समय पर रिलीज होगी।

जाठी रत्नालू फेम अनुदीप केवी ने फिल्म का निर्देशन किया है। शिव कार्तिकेयन की पिछली फिल्म डॉक्टर और डॉन ने तेलुगु और तमिल में अच्छा प्रदर्शन किया। अभिनेता खुद को तेलुगु में स्थापित करने के लिए भी उत्सुक हैं।

अभिनेत्री वरीना हुसैन ने बड़ी ही सहजत्ता से अपने पोस्ट-शूट की तस्वीरें की साझा

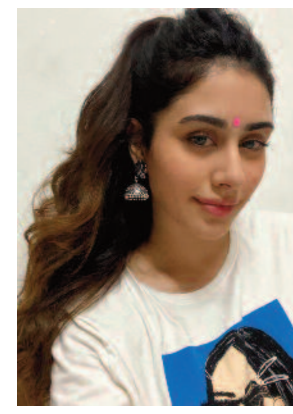

बॉलीवुड सेलिब्रिटी अपने निभाए हुए किरदार को न्याय देने के लिए पुरे दिलो जान से मेहनत करते है । सही जगह और व्यू के लिए अभिनेताओं को कई बार कडी धुप में या सनसनाती बारीश में भी शूटिंग पर जाने पड सकता हे। ख़राब मौसम में अपने आउटडोर शूटिंग शेड्यूल के कारण, बॉलीवुड अभिनेते अक्सर धूप से झुलस जाते हैं या उन्हें इधर -उधर कुछ चोटे आ जाती हे। और कुछ ऐसी ही हे हमारी सबसे खूबसूरत वरीना हुसैन की लेटेस्ट तस्वीरें। तस्वीरें देख आप वाकई में हो जायेंगे हैरान।

वरीना, जो अपने शानदार लुक्स और व्यक्तित्व के कारण सोशल मीडिया पर बहुत फेमस है, उनके सभी प्रशंसकों को उनके तस्वीरों से उनका दीवाना बना देती है। वरीना ने हाल ही मे अपने सोशल मीडिया पर अपनी कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह एक हॉट मिनी ऑरेंज बॉडीकॉन ड्रेस में नजर आ रही हैं। तस्वीरों ने हमें उसके प्रति पागल बना दिया, लेकिन जिस चीज ने वास्तव में हमारा ध्यान खींचा, वह थी उसके शरीर पर आये सनबर्न के निशान, जिसे अभिनेत्री ने बिना किसी हिचकिचाहट, एकदम सहजता से दिखाया। मिनी ड्रेस में, हम उसके कंधों और हाथों के साथ-साथ उसकी टोन्ड पैरो को धूप से झुलसते हुए देख सकते हे।

CMYK

संक्षिप्त समाचार

घर के बाहर खड़ी एक्टिवा पार

रायपुर, 21 जुलाई 2022। कटोरातालाब घर के बाहर खड़ी एक्टिवा को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी आयूष शिवदासानी 18 वर्ष ने थाने में शिकायत किया कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 एनएस 1563 को घर के बाहर खड़ी किया था। तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 28 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

सरेआम शराब पीते 5 गिरफ्तार

रायपुर, 21 जुलाई 2022। राजधानी पुलिस ने सरेआम शराब पीते 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार माना पुलिस ने कमल विहार चौक के पास शराब पीते आरोपी लखनु साहू 55 वर्ष व दुलेश्वर धीवर 32 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं अभनपुर पुलिस ने ग्राम बेलभाठा के पास आरोपी देवचरण डहरिया 26 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह मंदिरहसौद पुलिस ने आरोपी गोलू साहू 32 वर्ष व आरंग पुलिस ने आरोपी जवाहर लाल साहू 31 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

39 पाव शराब के साथ दो गिरफ्तार

रायपुर, 21 जुलाई 2022। विधानसभा व खरोरा पुलिस ने देशी शराब के साथ दो युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 39 पाव देशी शराब जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार विधानसभा पुलिस ने आरोपी सेमू यादव 35 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 18 पाव देशी शराब जब्त किया है। वहीं खरोरा पुलिस ने आरोपी हरिचंद खुटे 34 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 21 पाव देशी शराब जब्त किया है। पुलिस ने दोनों ही मामलों में आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

शराब के मुद्दे पर विपक्ष ने दिखाए तेवर,जमकर नोंकझोंक

रायपुर, 21 जुलाई 2022। छत्तीसगढ़ विधानसभा में आज विपक्ष ने शराब के मुद्दे पर तीखे तेवर दिखाते हुए शराब की गुणवत्ता और बिना परमिट की शराब बेचे जाने का आरोप लगाकर सरकार को घेरने की कोशिश की। भाजपा सदस्य नारायण चंदेल ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री से जानना चाहा कि जांजगीर चाम्पा, रायगढ़ व बिलासपुर जिले में 31 मई 2022 की स्थिति में देशी विदेशी मदिरा दुकानों की कितनी संख्या है। क्या उक्त जिले में संचालित देशी व विदेशी मदिरा दुकानों में ग्राहकों से निर्धारित दर से अधिक दर तथा बिना बिल दिए शराब का विक्रय किया जा रहा है? क्या बिना परमिट के मदिरा का विक्रय किया जा रहा है? यदि हां तो बिना परमिट के मदिरा विक्रय से अब तक सरकारी खजाने को कितनी राशि की हानि हुई है? क्या उक्त जिलों में मदिरा दुकानों में शराब में पानी मिलाने स्तरहीन व घटिया शराब का वितरण किए जाने की शिकायतें प्राप्त हुई है? यदि हां तो इन इस हेतु कौन दोषी है? दोषियों के विरुद्ध क्या क्या कार्रवाई की गई है? इस पर विभागीय मंत्री कवासी लखमा ने जवाब दिया कि 31 मई 22 की स्थिति में जिला जांजगीर चांपा, रायगढ़ एवं बिलासपुर में देशी-विदेशी मदिरा दुकानों की संख्या निम्नानुसार है जांजगीर चांपा में देसी दुकान 22, विदेशी दुकान 26, कंपोजिट16, रायगढ़ जिले में देसी दुकान 16, विदेशी 23, और कंपोजिट08, बिलासपुर जिले में देशी दुकान 25, विदेशी दुकान 26 और 15 कंपोजिट हैं। गौरेला पेंड्रा मरवाही की तीन विदेशी मदिरा दुकान का संचालन जिला बिलासपुर से किया जा रहा है।उक्त संख्या जिला बिलासपुर में संचालित दुकानों की संख्या में शामिल नहीं है। उक्त जिले में संचालित देशी व विदेशी मुद्रा दुकानों में ग्राहकों से निर्धारित दर से अधिक दर तथा बिना बिल दिए शराब का विक्रय नहीं किया जा रहा है। बिना परमिट के मदिरा का विक्रय नहीं किया जा रहा है। उक्त जिलों की मदिरा दुकानों में शराब में पानी मिलाने, स्तरहीन व घटिया शराब का विक्रय किए जाने की शिकायत प्राप्त शिकायत एवं की गई कार्रवाई की जानकारी उन्होंने दी। इस बार विपक्ष की ओर से सवालों की झड़ी लगा दी गई और यह भी कहा गया कि जब पेंड्रा मरवाही गौरेला जिले की मदिरा दुकान बिलासपुर से संचालित की जा रही है तो यह जिला बनाने की जरूरत क्या थी?

विपक्ष की ओर से कहा गया कि जितनी शराब परमिट की बेची जा रही है उससे तीन गुनी ज्यादा शराब बिना परमिट के बिक रही है। शराब की क्वालिटी को लेकर सदन में काफी नोकझोंक हुई। इस बीच जमकर हाथ परिहास भी हुआ। शराब की गुणवत्ता की जांच के संदर्भ में भी सवाल उठे।

पीएम आवास पर रमन सिंह ने दिखाई गर्मी

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे रोज आज पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवासों के निर्माण संबंधी सवाल पर सरकार की जमकर घेराबंदी की। उन्होंने कहा कि यह मेरे सवाल का असर है कि पंचायत मंत्री विभाग छोड़कर दिल्ली में बैठे हैं। डॉ. रमन सिंह ने वरिष्ठ मंत्री टीएस सिंहदेव द्वारा पंचायत विभाग छोडने के संदर्भ में लिखे गए पत्र की बातों का भी उल्लेख दिया और यह बताने की कोशिश की कि यह सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना के मामले में कितनी विफल है। पंचायत मंत्री की गैरमौजूदगी में उनके विभाग के जवाब वरिष्ठ मंत्री मोहम्मद अकबर द्वारा दिए जाने पर विपक्ष ने आपत्ति प्रकट की कि वह कैसे जवाब दे सकते हैं। इस पर यह प्रश्न भी उठा कि उन्हें किसने अधिकृत किया है। जब सिंहदेव पंचायत मंत्री का पद छोड़ चुके हैं तो वह इस विभाग से जुड़े सवालों का जवाब देने के लिए किसी को अधिकृत कैसे कर सकते हैं। इस पर अध्यक्ष चरणदास महंत ने टिप्पणी की कि मुख्यमंत्री ने उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। इस पर भी जबरदस्त बहस हुई। विपक्ष की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के सवालों के समर्थन में कई सदस्यों ने सरकार पर हमला बोला। डॉ. रमन सिंह ने प्रश्न किया था कि प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2019- 20, 2020- 21,

2021- 22 और 2022- 23 में प्रदेश में कितने आवास स्वीकृत किए गए हैं? इन आवासों हेतु कितनी राशि का प्रावधान किया गया है? आवास स्वीकृत किए गए हैं तो वर्ष 2019- 20, 2020 - 21, 2021- 22 एवं 2022- 23 में प्रदेश में कितने प्रधानमंत्री आवास का निर्माण ग्रामीण क्षेत्रों में किया गया है और कितने आवास अपूर्ण स्थिति में हैं? वित्तीय वर्ष 2016-17, 2017-18, 2018-19 में प्रदेश में कितने प्रधानमंत्री आवास पीएमएवाय योजना अंतर्गत स्वीकृत किए गए और कितने आवास का निर्माण किया गया?इन आवासों के निर्माण में राज्य सरकार द्वारा कितनी राशि स्वीकृत की गई? इस पर विभागीय मंत्री की ओर से वरिष्ठ मंत्री मोहम्मद अकबर ने जवाब दिया तो इसके साथ ही विपक्ष ने उनके द्वारा जवाब दिए जाने पर आपत्ति कर दी।

टी एस सिंह देव के इस्तीफे के बाद इस मंत्री को मिला पंचायत एवं विकास विभाग का जिम्मा,सीएम भूपेश ने किया एलान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री पद से इस्तीफ़ा के बाद संसदीय कार्य मंत्री और कृषि मंत्री रविंद्र चौबे को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का मंत्री पद सौंपा गया है। सीएम भूपेश बघेल ने इसकी जानकारी सदन में दी है।

बता दें हाल ही में टी एस सिंहदेव ने पंचायत विभाग से अपना इस्तीफ़ा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को सौंप दिया था जिसके बाद प्रदेश में सियासत का दौर काफी बढ़ गया था। इस बाबत अधिसूचना जारी कर दी गयी है। टीएस सिंहदेव ने पिछले दिनों पंचायत विभाग छोड़ दिया था। उनके पंचायत मंत्री पद से दिये इस्तीफे को मुख्यमंत्री ने स्वीकार लिया है। टीएस सिंहदेव अब स्वास्थ्य, बीस सूत्री कार्यक्रम और वाणिज्य कर मंत्रालय देखेंगे। वहीं मंत्री रविंद्र चौबे संसदीय कार्य मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण संघ तथा जैव प्रोद्योगिकी , पशुधन विकास, मछली पालन और जल संसाधन के साथ पंचायत एवं ग्रामीण विकास देखेंगे।

विस अध्यक्ष हुए नाराज़,मंत्री जवाब नहीं दे पाए,विपक्ष दागता रहा सवाल

- » उठी मांग, शराब दुकान सरकारी संपत्ति तो फहराया जाये राष्ट्रीय पर्व में ध्वज
- » विधानसभा अध्यक्ष ने कहा अच्छा सवाल पर शराब दुकान में तिरंगा फहराना गलत

रायपुर, 21 जुलाई 2022। घटिया सड़क, बीएसपी विधायक के घर चोरी और पुलिस का जाँच के दौरान बेतुके सवाल तथा आचरण पर गंभीर चर्चा हुई। प्रश्न काल मे फिर उठा मंत्री टी एस सिंहदेव की स्थिति को लेकर बवाल चिकित्सा पंचायत विभाग से संबंधित सवाल आने के बाद एक बार फिर विपक्ष आक्रामक रहा। विपक्षी सदस्य अजंय चंद्राकर, शिव रत्न शर्मा, नेता प्रति पक्ष धरमलाल ने सवाल किया कि जब मंत्री के विभाग छोड़ने की बात मुख्यमंत्री ने स्वीकार नही की है तो मो अकबर को जवाब देने के लिए अधिकृत किसने किया। विधानसभा अध्यक्ष से विपक्ष की स्थिति स्पष्ट करने की मांग विपक्ष ने आज फिर की। जशपुर की सड़कों की हालत को लेकर विधानसभा अध्यक्ष की टिप्पणी सड़को की हालत खराब है, सभी जनप्रतिनिधि अपनी सीमा छोड़ दौरा करे कहा, जशपुर क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधि क्षेत्र का दौरा करें। वहां की सड़कों की हालत खराब है। स्थिति का जायजा लेकर मंत्रियों को बताएं। सड़को की स्थिति को लेकर आसंदी से इस तरह की टिप्पणी आने के बाद सभी चौंके।

जनता कांग्रेस के विधायक प्रमोद शर्मा का सवाल शराब दुकान में तोड़ फोड़ सरकारी संपत्ति में तोड़ फोड़ की धारा लगाई जाती है तो क्या शराब दुकान सरकारी है या नही वाले सवाल पर विधानसभा अध्यक्ष ने भी समर्थन करते हुए कहा अच्छा सवाल है जवाब आना चाहिए। सदस्य प्रमोद शर्मा ने कहा जब सरकारी संपति है तो 15 अगस्त 26 जनवरी यहां क्यों नही मनाया जाता। सरकारी सभी संपति पर झंडा फहराने का नियम है मो अकबर वो सरकारी एंजेसी से अधिकृत कम्पनी की संपति है। इस सवाल पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा शराब दुकानों में झंडा फहराना उचित नही है।

आबकारी विभाग के सवाल पर विपक्ष ने ली जम कर चुटकी

ओवर रेट और बिना परमिट के शराब बिक्री पर दोनो पक्षो में हंसी ठहाके गूंजते रहे। आबकारी विभाग का जवाब कवासी लखमा की मौजूद रहने के बाद भी मो अकबर जवाब देने के लिए अधिकृत किये गए थे। इस लिए दोनो बारी बारी आबकारी का जवाब दे रहे थे। जनता कांग्रेस ने खड़े हो कर आपत्ति की और कहा ये कॉकटेल जवाब ना दे, दोनो में से एक बोलो भाई ,, काकटेल में ज्यादा हो जाता है भाजपा के सदस्यों ने मंत्री को बाहर किये जाने की मांग की ताकि अकबर जवाब दे सके। मंत्री की मौजूदगी में दूसरा जवाब क्यों दे रहा है, अजंय चंद्राकर की आपत्ति विधानसभा में सवालों के जवाब नही आने से विधानसभा अध्यक्ष ने व्यक्त की नाराजगी। जेम पोर्टल से सामग्री खरीदी को लेकर सवाल जवाब में जानकारी एकत्र करने की कही गई बात 22 दिन पहले लगे सवाल के जवाब नही आने पर विधानसभा अध्यक्ष ने जताई नाराजगी सभी सवालों के जवाब देने की विभागों को दी हिदायत विधानसभा में लगे सभी सवालों के जवाब देना अनिवार्य विभाग करे सुनिश्चित एक वर्ष दूसरी बार अध्यक्ष की ओर से दी गई है इस तरह की हिदायत पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास के अधूरे काम का मुद्दा डॉ रमन सिंह ने उठाया। डॉ रमन सिंह ने आरोप लगाया कि इसी सवाल के जवाब की वजह से टीएस सिंह देव ने पद छोड़ा है। जवाब के बाद सदन में हंगामा शुरू कर दिया। सदन में प्रधानमंत्री आवास के निर्माण में देरी के लिए मंत्री अकबर ने केंद्र पर सारी ज़िम्मेदारी थोप दी।

आवास निर्माण की प्रदेश में स्थिति

डॉ रमन सिंह ने लगाया आरोप राज्य सरकार अपना अंश ही नही दी इसलिए निर्माण ठप्प है। गरीबो के आवास से खिलवाड़ करने का आरोप लगते हुए विपक्ष ने हंगामे के बाद वाक आउट कर विरोध जताया।

2019-20 में स्वीकृत आवास 1 लाख 51 आवास बना 72 हजार

20-21 स्वीकृति आवास 1लाख 56 हजार बना - शून्य सभी निर्माण अपूर्ण

21-22 स्वीकृति आवास शून्य - बना शून्य

22-23 स्वीकृति आवास शून्य - बना - शून्य

विपक्ष का वॉक आउट, कवासी बोले तुम लोग चोरी करता है

बसपा विधायक ने केसव चन्द्रा के घर चोरी का मुद्दा उठा सदन में विधायक केशव चंद्रा ने बताया कि उनके जै जै पुर के घर पर चोरी हुई पर कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है। कवासी ने व्यंगात्मक लहज़े से पूछा कितना चोरी हुई? विधायक केशव बोले 15 तोला सोना और 2 लाख 15 हजार चोरी हुई है। नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि केवल केशव चन्द्रा के साथ ननकी राम कंवर के घर भी चोरी हुई है थानेदार आया और मुझसे पूछा कि यही आपका घर है मैं पहली बार आपका घर जाना यहां की ऐसी पुलिस है कि उसको स्थानीय विधायक का घर भी नही पता। बृज मोहन ने जताई आपत्ति की ये कैसी पुलिस है जिसको पता नही की विधायक का घर कौन सा और कहां है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा चोर को भी शायद नही मालूम होगा तभी चोरी हुई। हंसी मजाक के बीच बृज मोहन अग्रवाल ने कहा कि बाबा के विधायक भी चोरी हो गए, वो बोल रहे है कि उनके 28-30 विधायक थे कोई चोरी कर लिया तब कवासी बोले तुंम लोग चोरी करता है हम लोग नही। खाद की कमी को लेकर विपक्ष ने लाया काम रोको प्रस्ताव, भाजपा के सदस्यों ने लगाया आरोप प्रदेश में खाद की कमी की वजह से हो रही है खेती प्रभावित कई जगह हो रहा है खाद की कमी को लेकर प्रदर्शन बाजार से यूरिया खरीदी पर किसान हो रहा है मजबूर भाजपा के सदस्य अजय चंद्राकर, बृज मोहन अग्रवाल और शिव रत्न ने सारे काम रोक चर्चा की मांग उठाई। तो सरकार ने वक्तव्य दिया कि किसानों ने कंही आत्म हत्या खाद बीज की कमी से नही की है। कृषि मंत्री बोले खाद बीज की कमी को लेकर आये काम रोको प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान आसंदी की टोकाटाकी से अजय चंद्राकर नाराज हो गए। अजय चंद्राकर को ज्यादा समय लेने पर आसंदी ने ज्यादा समय की बात पर टोका तो ,नाराजगी व्यक्त कर अजय चंद्राकर सदन से चले गए।

द्रौपदी मुर्मू को भारत की नई राष्ट्रपति बनने पर मुख्यमंत्री बघेल ने दी शुभकामनाएं

रायपुर, 21 जुलाई 2022। द्रौपदी मुर्मू'को भारत की 15वें राष्ट्रपति बनने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ की जनता की ओर से बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।
सीएम बघेल ने ट्वीट कर कहा कि देश की 15वीं राष्ट्रपति चुने जाने पर द्रौपदी मुर्मू जी को छत्तीसगढ़ की जनता की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएँ। विश्वास है कि भारत गणराज्य के संवैधानिक संरक्षक के रूप में आपके हाथों में देश के नागरिकों के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का गौरवशाली इतिहास सुरक्षित रहेगा।

बस्तर संभाग के सातों जिलों में प्रतिवर्ष 4 सौ नक्सली अत्मसमर्पण कर रहे हैंःसुंदरराज पी

- » इस वर्ष जनवरी से जुलाई तक 280 नक्सली कर चुके हैं आत्मसमर्पण
- » आत्मसमर्पित नक्सलियों को पुनर्वास नीति के तहत मदद पहुंचाई जा रही है

जगदलपुर, 21 जुलाई 2022। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि बस्तर संभाग के सातों जिले नक्सल प्रभावित हैं, बस्तर संभाग में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत औसतन प्रतिवर्ष यहां 400 नक्सली अत्मसमर्पण कर रहे हैं। इस वर्ष 2022 की बात करें तो अब तक 280 नक्सलियों ने हथियार डाल दिए हैं। यह लाल आतंक के विरूद्ध चल रही लड़ाई में बड़ी कामयाबी है। अत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों

में एरिया कमेटी और जनताना सरकार के सदस्यों की संख्या अधिक है। आत्मसमर्पित नक्सलियों ने कई खुलासे किए हैं, जिनके अनुसार बड़े नक्सली नेता छोटे नक्सली कैडरों को प्रताड़ित करते हैं। उन्हें नक्सल संगठन में परिवार को बढ़ाने की अनुमति नहीं मिलती है।

गौरतलब है कि बस्तर में सक्रिय नक्सल संगठन के बड़े कैडर के नक्सली या डिवीजन स्तर के नेताओं के आत्मसमर्पण या गिरफ्तारी के मामले काफी कम है। वर्ष 2016 से बस्तर में आत्मसमर्पण की रफ्तार काफी तेज हुई है। पुलिस का कहना है कि इस आत्मसमर्पण से धीरे-धीरे नक्सलियों का ग्रामीण इलाकों में भय कम हो रहा है। लगातार जगह-जगह रणनितिक स्थानों पर पुलिस कैंप खुलने से पुलिस को बढ़त मिल रही है। आत्मसमर्पण की तादाद इसी बात से समझी जा सकती है कि जनवरी से लेकर जुलाई 2022 तक 280 नक्सली बस्तर संभाग के अलग-अलग जिलों में अब तक आत्मसमर्पण किये हैं। इसके परिणाम स्वरूप कोंडागांव को हाल ही में नक्सल मुक्त जिला घोषित किया गया है, इसके बावजूद जिले के कुछ हिस्सों में छुटपुट नक्सल गतिविधियां बनी हुई है। प्रति वर्ष औसतन 400 आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को सरकार की तरफ से पुनर्वास नीति के तहत मदद पहुंचाई जा रही है।

ईडी की पूछताछ के विरोध में राजधानी के ईडी कार्यालय के सामने कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन, मंत्री अमरजीत ने कहाःहर जुल्म का जवाब पूरी ईमानदारी से दिया जाएगा

रायपुर, 21 जुलाई 2022। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी से श्रष्ठ की पूछताछ में के विरोध में आज देशभर में ईडी कार्यालय के सामने कांग्रेसियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इसी कड़ी में रायपुर के ईडी कार्यालय के सामने भी कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया। इस

मौके पर जनता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत समेत सभी कांग्रेसियों ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा।

सरकार पर निशाना साधते हुए कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि ÷ईडी जैसी संस्थाओं को वित्तीय अनियमितताओं को रोकने के लिए जाना जाता था, अब मोदी सरकार इसका उपयोग विपक्षी नेताओं को प्रताड़ित करने और सरकार गिराने के लिए कर रही है। आज पीसीसी प्रदेश अध्यक्ष माननीय मोहन मरकाम जी माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी एवं कांग्रेस के साथियों के साथ हमने ईडी कार्यालय के सामने केंद्र सरकार के तानाशाही नीति के खिलाफ प्रदर्शन किया।÷

कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत ने महाभारत के भीष्म पितामह का उदाहरण देते हुए कहा, ÷सच्चाई पर अडिग रहने वालों के साथ षड्यंत्र रचा जाता है, वैसे ही हमारी पार्टी के खिलाफ केन्द्र सरकार षड्यंत्र रच रही है। कांग्रेस सिपाहियों की पार्टी है, ऐसे एजेंसियों के माध्यम से ये सरकार हमे नही डरा सकती। जितने जुल्म करने है कर लो पर हर जुल्म का जवाब पूरी ईमानदारी के साथ वापस दिया जाएगा।

अय्याशी का अड्डा बना गर्ल्स हॉस्टलःअधीक्षिका पर कन्या छात्रावास में पुरुष शख्स को बुलाने का आरोप,5 वर्ष से छात्राएं हो रहीं प्रताड़ित,शिकायत के बाद भी आदिवासी विभाग बे-सुध

मुंगेली, 21 जुलाई 2022। छात्रावास में कई घटनाओं के बाद सरकार ने बालिका छात्रावास में पुरुष कर्मचारी की नियुक्ति और बिना अनुमति के किसी पुरुष के प्रवेश पर वर्जित कर रखा है. लेकिन मुंगेली के जरहागांव स्थित कन्या छात्रावास की अधीक्षिका पर पुरूष शख्स को हॉस्टल में बुलाने, भ्रष्टाचार सहित कई गम्भीर आरोप लगे हैं. आरोप किसी और ने नहीं बल्कि यहां रहकर पढ़ने वाली सभी छात्राओं और रसोइयां ने लगाया है. इधर शिकायत के बाद कलेक्टर ने हॉस्टल अधीक्षिका को वहां से हटा दिया है और इसमें जांच समिति गठित कर तथ्य पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की बात कही है.

बता दें कि, आरोप है कि पिछले 5 वर्ष से इस छात्रावास में छात्राओं और रसोइया को हॉस्टल अधीक्षिका प्रताड़ित कर रही हैं. वही यह भी आरोप है कि वह हॉस्टल को अय्याशी का अड्डा बनाकर रख दिया गया है. मुंगेली जिले के एक कन्या छात्रावास के स्टूडेंट्स की शिकायत पत्र से विभाग से लेकर प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मचा हुआ है.

शिकायत में छात्राओं ने हॉस्टल अधीक्षिका पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं. छात्राओं ने हॉस्टल अधीक्षिका पर प्रताड़ित करने के साथ ही वहां के कर्मचारियों की छुट्टी के बाद किसी पुरुष शख्स को हॉस्टल में बुलाने का आरोप लगाए हैं. जहां वर्तमान में 12 बच्चे रहते हैं. यहां रह रहे सभी छात्राओं एवं महिला कर्मचारियों ने हॉस्टल अधीक्षिका के खिलाफ कलेक्टर से लिखित में शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत में कहा गया है कि हॉस्टल अधीक्षिका के द्वारा उन्हें लगातार कई दिनों से प्रताड़ित किया जा रहा है. वहां जो नाश्ता और खाना दिया जाता है, वह भी कम रहता है. जिसे

आपस में बच्चों को बांटकर खाना पड़ता है.

यहां के महिला कर्मचारी भी उसी से निर्देश पाकर काम करते है. उन बच्चों का यह भी आरोप है कि उनके महिला पालकों को भी अंदर में प्रवेश होने नहीं दिया जाता लेकिन इस पुरुष शख्स को अधीक्षिका मैडम के द्वारा आए दिन यहां बुलाया जाता है. यही नहीं पुरुष शख्स अलग-अलग बहाना बनाकर बच्चियों के कमरे में जाने का प्रयास करता है. जिससे बच्चियों ने उन पर गलत नियत होने का भी अंदेशा जाहिर किया है. बच्चों के द्वारा हॉस्टल अधीक्षिका के विरुद्ध कई बार आवाज उठाने की कोशिश की गई परन्तु बच्चों को उल्टा डरा धमका दिया जाता रहा है. इसके अलावा इसकी शिकायत पूर्व में एसी ट्राइबल विभाग के अधिकारी शिल्पा साय से भी की जा चुकी है मगर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई.

यह भी कहा जा रहा है कि तत्कालीन सहायक आयुक्त निरीक्षण में पहुंची थी तब इसी पुरुष को हॉस्टल के अंदर पाया गया था. यही वजह है कि कलेक्टर से इस पूरे मामले की लिखित शिकायत करते हुए कहा है कि बहुत हिम्मत करके हम लोग यहां पहुंचे हैं और हमारी शिकायत पर हॉस्टल अधीक्षिका पर कार्रवाई की जाए. वहीं अब तक जिन छात्राओं ने शिकायत की है अधीक्षिका ने उनको हॉस्टल से निकाल दिया है.

इधर शिकायत मिलने पर कलेक्टर राहुल देव ने हॉस्टल अधीक्षिका को तत्काल हटाते हुए ऑफिस में अटैच कर दिया गया है. वहीं कलेक्टर का कहना है शिकायत की विभिन्न बिंदुओं पर जांच के लिए प्रशासनिक स्तर पर तीन सदस्यीय टीम गठित कर दी गई है. फिलहाल मामले की जांच जारी है जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके मुताबिक कार्रवाई की जाएगी. मुंगेली एसडीएम की अमित कुमार की अध्यक्षता में बनी 3 सदस्यी टीम मामले की जांच कर रही है. मामले में तथ्य आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)